THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 62 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.2 2083 मंगलवार, 2 जून-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल का विस्तार

राज्यपाल ने 35 नए मंत्रियों को दिलाई शपथ

कोलकाता, 1 जून (एजेंसियां)। सोमवार को पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल में 35 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। कोलकाता के लोक भवन में राज्यपाल आरएन रवि ने नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी उपस्थित रहे।

सोमवार को 13 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि 19 राज्य मंत्री और 3 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाए गए हैं।

कैबिनेट मंत्रियों में दीपक बर्मन, तपस रॉय, शंकर घोष, मनोज कुमार उरांव, अर्जुन सिंह, गौरी शंकर घोष, स्वपन दासगुप्ता, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, कल्याण चक्रवर्ती, अजय पोद्दार, शरद्वत मुखर्जी, दूध कुमार मंडल और अनुप कुमार दास शामिल हैं। राज्य मंत्रियों में जोएल मुर्मू, हरेकृष्ण बेरा, आनंदमय बर्मन, अशोक डिंडा, नदियार चंद बाउरी, विशाल लामा, शांतनु प्रमाणिक, मौमिता बिस्वास मिश्रा, उमेश रे, पूर्णिमा चक्रवर्ती, कौशिक चौधरी, भास्कर भट्टाचार्य, दिबाकर घरामी, अमिया किस्कू, कलिता माझी, गार्गी दास घोष, बिराज विश्वास, दीपंकर जना और सुमना सरकार को जगह मिली है। इसके अलावा, इंद्रनील खान, मालती राभा रॉय और राजेश महतो ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली।

35 नए मंत्रियों के शपथ लेने के बाद राज्य मंत्रिमंडल में कुल मंत्रियों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। 9 मई को पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के साथ छह मंत्रियों ने शपथ ली थी। इनमें मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के अलावा अग्निमित्रा पॉल, दिलीप घोष, निसिथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और खुदीराम टुडू शामिल थे। पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर 35 नए मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप दिया था। संभावना है कि नए मंत्रियों के विभागों (पोर्टफोलियो) की घोषणा भी आज ही की जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर बड़ी जीत हासिल की थी। बाद में दक्षिण 24 परगना जिले की फाल्टा विधानसभा सीट पर दोबारा हुए चुनाव में भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु पांडा की जीत के बाद पार्टी की कुल सीटें बढ़कर 208 हो गईं।

दो दिवसीय दौरे पर 12-13 जून को देहरादून पहुंचेंगी राष्ट्रपति

आईएमए परेड में होंगीं मुख्य अतिथि

देहरादून, 1 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 12-13 जून को दो दिवसीय देहरादून दौरे पर पहुंचेंगी। राष्ट्रपति 13 जून को सुबह 7:30 बजे देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि होंगी। इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) में पासिंग आउट परेड की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस वर्ष राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस महत्वपूर्ण समारोह में शामिल होंगीं और नए कैडेट्स से सलामी लेंगीं। राष्ट्रपति के आने के कारण पासिंग ऑउट परेड की तैयारियों में नया उत्साह देखा जा रहा है।

इस बार पासिंग ऑउट परेड में महिला कैडेट्स भी शामिल होंगी। इसे आईएमए अपने लिए एक नए गौरवशाली क्षण के तौर पर देख रहा है। यह परेड भारतीय सैन्य अकादमी के प्रशिक्षण सत्र के समापन का प्रतीक है। इसके बाद कैडेट्स को देश के अलग-अलग हिस्सों में अधिकारी के रूप में कमीशन दिया जाएगा और वे देश की सेवा के लिए तैयार होंगे। पासिंग ऑउट परेड को लेकर नए कैडेट्स में भी जबरदस्त उत्साह का माहौल है। कैडेट परेड की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वे ड्रिल और मार्चिंग का नियमित अभ्यास कर रहे हैं। आईएमए के वरिष्ठ अधिकारी कैडेट्स की क्षमता को सर्वोच्च रखने के लिए उनसे विशेष प्रशिक्षण करा रहे हैं।

कश्मीर के आईजीपी विदि कुमार बिर्दी बने सीआरपीएफ में आईजी

गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश

श्रीनगर, 1 जून (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विदि कुमार बिर्दी को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में आईजी के पद पर डेपुटेशन पर नियुक्त किया है। एक जून 2026 को जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार 2003 बैच के एजीएमयूटी कैडर के अधिकारी बिर्दी को सीआरपीएफ में मौजूदा रिक्त पद के खिलाफ यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद की गई है और यह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के सामान्य नियमों के तहत होगी। आदेश में कहा गया है कि बिर्दी को पे मैट्रिक्स के लेवल-14 में तैनात किया जाएगा और उन्हें जल्द से जल्द नई जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए गए हैं। गृह मंत्रालय ने संबंधित अधिकारियों से उन्हें तुरंत कार्यमुक्त करने को कहा है ताकि वे नई नियुक्ति का कार्यभार संभाल सकें। वर्तमान में विदि कुमार बिर्दी कश्मीर जोन के आईजीपी के रूप में कार्यरत हैं और अपने करियर में कई महत्वपूर्ण पुलिस पदों पर सेवाएं दे चुके हैं।

सीबीएसई मार्किंग विवाद : 'अक्षमता की मिसाल हैं मंत्री प्रधान'

कांग्रेस की मांग-राजधर्म निभाते हुए इस्तीफा दें

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम से जुड़े विवाद को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्रालय की लापरवाही और अनियमितताओं के कारण लाखों छात्रों को मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को राजधर्म निभाते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर कहा कि कई सप्ताह तक साइबर सुरक्षा खामियों से इनकार करने के बाद सीबीएसई ने आखिरकार स्वीकार कर लिया है कि उसका ओएसएम सिस्टम प्रभावित हुआ है। जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि इस मामले में ठेका प्राप्त कंपनी कोएम्प्ट के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी?

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सीबीएसई ने अगस्त 2025 की निविदा शर्तों में अयोग्य कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने का अधिकार रखा था, लेकिन बाद में संशोधन कर यह प्रावधान हटा दिया गया। उन्होंने इसे कंपनी को बचाने की कोशिश करार दिया। कांग्रेस नेता ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अहंकार और अयोग्यता की मिसाल बन गए हैं तथा उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

इससे पहले राहुल गांधी ने भी सीबीएसई की पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया और उससे उससे जुड़े शुल्क को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि कारोबार की तरह देखा जाता है, तो गलतियां सुधरने के बजाय बढ़ती जाती हैं। दरअसल, सीबीएसई के कक्षा 12 के कई छात्रों ने शिकायत की थी कि पुनर्मूल्यांकन के लिए पोर्टल पर अपलोड की गई उत्तर पुस्तिकाएं उनकी नहीं थीं। बाद में सीबीएसई ने संबंधित छात्रों से संपर्क कर उनकी सही उत्तर पुस्तिकाएं उपलब्ध कराईं। इस मामले की जांच के लिए आईआईटी मद्रास, आईआईटी कानपुर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। साथ ही पोर्टल और पेमेंट गेटवे सिस्टम को और मजबूत बनाने पर काम चल रहा है। विवाद के केंद्र में रही कंपनी कोएम्प्ट को लेकर भी विपक्ष सवाल उठा रहा है। कांग्रेस का दावा है कि कंपनी अपने पुराने नाम ग्लोबअरीना के समय से ही विवादों में रही है।

तृणमूल सांसदों पर 'हमलों' को लेकर शिवसेना यूबीटी की राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

मुंबई, 1 जून (एजेंसियां)। टीएमसी सांसदों पर हुए कथित हमले को लेकर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की। पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और मौजूदा सांसद अभिषेक बनर्जी पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया कथित हमला 'जितना क्रूर था, उतना ही कायरतापूर्ण' भी था।

पिछले दो दिनों में कोलकाता में घटी चौंकाने वाली घटनाओं ने न केवल पश्चिम बंगाल की प्रतिष्ठा को, बल्कि पूरे देश की प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचाया है।पश्चिम बंगाल को लंबे समय से भारत के सबसे सभ्य राज्यों में से एक माना जाता रहा है, लेकिन वहां अब हिंसा, घृणा और भीड़तंत्र का प्रतीक बन गया है। संपादकीय में तर्क दिया गया कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल की, लेकिन यह स्पष्ट है कि जन कल्याण के लिए इस जनादेश का उपयोग करने के बजाय, वे 'राजनीतिक प्रतिशोध की अपनी चिरस्थायी खुमारी मिटाने' में लगे हुए हैं। संपादकीय में लिखा गया, अगर ममता बनर्जी के कार्यकाल में सांसदों पर ऐसे हमले हुए होते, तो राज्यपाल तुरंत केंद्र सरकार को राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश कर देते। बंगाल की मौजूदा स्थिति भयावह है। अभिषेक बनर्जी के सिर पर सीधे पत्थर फेंके गए, वे सिर्फ इसलिए बच गए क्योंकि उन्होंने हेलमेट पहना हुआ था। सांसद कल्याण बनर्जी का भी यही हाल हुआ। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हमला पूर्व नियोजित था और उनकी हत्या की सोची-समझी साजिश थी। हालांकि, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने हमेशा की तरह जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए दावा किया कि भाजपा का इन घटनाओं से कोई संबंध नहीं है और इसे 'जनाक्रोश' करार दिया।" संपादकीय में आगे लिखा गया, यह कहानी कि जनता अचानक भाजपा की इतनी दीवानी हो गई कि उसने गुस्से में ममता के सांसदों पर हमला कर दिया, पूरी तरह अविश्वसनीय है। यह सुनियोजित, संगठित गुंडागर्दी है। भाजपा या तो ममता की पार्टी को तोड़ना चाहती है या बंगाल पर स्थायी रूप से गुंडों का शासन स्थापित करना चाहती है। लेखे में कहा गया, "भाजपा दावा करती थी कि ममता बनर्जी के शासनकाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों ने पश्चिम बंगाल की संस्कृति को बर्बाद किया और आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया, तो फिर मौजूदा भाजपा शासन में इस भयावह हिंसा को अंजाम देने वाले लोग कौन हैं? बांग्लादेशी घुसपैठियों की जगह अब तिलक लगाए गुंडों ने ले ली है।

मशहूर गायिका सुमन कल्याणपुर का निधन

पीएम मोदी ने जताया शोक, बोले-भारतीय संगीत को समृद्ध बनाया

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। भारतीय संगीत जगत की मशहूर गायिका सुमन कल्याणपुर का उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण रविवार को मुंबई स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। इस दुखद खबर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने गायिका के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, प्रसिद्ध गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायकी ने भारतीय संगीत और सांस्कृतिक जगत को समृद्ध बनाया। पीएम ने लिखा, उन्होंने अपने गीतों के जरिए संगीत प्रेमियों और भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के दिलों में एक खास जगह बनाई। उनके परिवार, शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। ऊं शांति। बता दें कि 89 वर्ष की आयु में निधन होने के बाद सुमन कल्याणपुर का अंतिम संस्कार 1 जून को मुंबई में किया जाएगा।

सुमन कल्याणपुर भारतीय संगीत जगत की उन गायिकाओं में से एक थीं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम दौर को अपनी गायकी से यादगार बना दिया। उन्होंने कई सदाबहार गीतों को अपनी आवाज से अमर बनाया और संगीत प्रेमियों के दिलों में एक खास पहचान स्थापित की। उनकी आवाज की मिठास और सुरों की गहराई ने उन्हें भारतीय फिल्म संगीत की सबसे सम्मानित गायिकाओं में शामिल किया। उनके लोकप्रिय गीतों में 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे', 'ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे' और 'तुमने पुकारा और हम चले आए' जैसे गीत शामिल हैं। सुमन कल्याणपुर ने अपने करियर की शुरुआत मराठी फिल्म 'पसंत आहे मुलगी' से की थी। उनका पहला सुपरहिट मराठी गीत 'भातुकलीच्या खलमांडिला' माना जाता है। वर्ष 1960 और 1970 का दशक उनके करियर का स्वर्णिम काल था। लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी के बीच हुए मतभेद के दौरान सुमन कल्याणपुर ने रफी के साथ 140 से अधिक लोकप्रिय युगल गीत गाए।

सीवर से निकली जहरीली गैस : सफाई करने आए पिता-पुत्र समेत तीन की मौत

लुधियाना, 1 जून (एजेंसियां)। लुधियाना के आरके रोड स्थित एक फैक्टरी में सोमवार को पाना-चाबी (टूल) निर्माता फैक्टरी में सीवरेज से जहरीली गैस का रिसाव हो गया। इसमें सीवर की सफाई करने आए पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की जान चली गई। गैस रिसाव के बाद फैक्टरी परिसर में भगदड़ मच गई। गैस की चपेट में आने से कई अन्य मजदूर बेहोश हो गए। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद थाना मोती नगर की पुलिस सहित विभिन्न टीमें वहां पहुंच गई और राहत कार्य शुरु करवाया।

संभलने का मौका तक नहीं मिला

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैक्टरी में रोजाना की तरह उत्पादन का काम सामान्य रूप से चल रहा था। सीवरेज की गाद निकालने के लिए लोगों को बाहर से बुलाया गया था। बताया जा रहा है कि सीवर का ढक्कन खोलते ही गैस निकली और मौके पर ही पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जहरीली गैस पूरे परिसर में फैल गई।

गैस का असर इतना तीखा और घातक था कि काम कर रहे मजदूरों को संभलने या बाहर भागने का मौका तक नहीं मिला। आंखों में असहनीय जलन और सांस लेने में तकलीफ के कारण कई कर्मचारी मौके पर ही निढाल होकर गिर पड़े। इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों की शिनाख्त माना और उनके बेटे अमित के रूप में हुई है। जबकि तीसरे मृतक की पहचान करने में पुलिस जुटी है। अमित अपने पीछे एक साल की मासूम बेटी, पत्नी, दो बहनें और एक छोटे भाई को रोता-बिलखता छोड़ गया है। घर के दो मुख्य कमाने वाले सदस्यों की मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

आप नेता ओझा ने खुद को बताया निर्दोष

मामला फर्जी आईबी कॉल का तो पूछ रहे पार्टी के सवाल, आप नेता ने पुलिस पर लगाए आरोप

वडोदरा, 1 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अशोक ओझा ने गुजरात पुलिस के आरोपों को सिरे से नकार दिया है। पुलिस ने आरोप लगाया है कि उन्होंने पार्टी के एक कार्यकर्ता के पास फर्जी इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) कॉल करवाई थी। अशोक ओझा का कहना है कि उन्हें इस मामले में गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस उनसे पार्टी के अंदरूनी कामकाज और पैसों के लेनदेन के बारे में सवाल-जवाब कर रही है।

'पुलिस आप के कार्यकर्ताओं को डरा रही'

ओझा का बयान उस विवाद में एक नया मोड़ है जो 28 मई को शुरू हुआ था। दिल्ली के पूर्व विधायक और पार्टी नेता दुर्गेश पाठक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया था कि गुजरात पुलिस की आईबी विंग राज्य में आप के कार्यकर्ताओं को डरा रही है।

पुलिस के जांच में क्या पता चला?

बाद में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस आरोप को और हवा दी थी। सोशल मीडिया पर इन दावों के बाद आनंद साइबर क्राइम पुलिस ने आरोपों में जिक्र किए गए फोन नंबर का पता लगाया तो वह आनंद में रहने वाले एक व्यक्ति का था। पुलिस ने बाद में आप की वडोदरा शहर इकाई के अध्यक्ष ओझा और नितिन डोबरिया की गिरफ्तारी की घोषणा की। पुलिस के अनुसार, जांच में पता चला कि पार्टी कार्यकर्ता केशव चौहान को एक ऐसे व्यक्ति ने कॉल किया था, जिसने झूठा दावा किया था कि वह करेलीबाग आईबी कार्यालय से बात कर रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने क्या आरोप लगाया?

जांचकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह कॉल पार्टी के भीतर की प्रतिद्वंद्विता से उपजे षड्यंत्र का हिस्सा थी। ओझा को वडोदरा में संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपे जाने के बाद उन्हें अपना राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानते थे। कॉल का उद्देश्य ओझा को डराना और उन्हें शहर छोड़ने के लिए मजबूर करना था। गिरफ्तारियों ने राजनीतिक विवाद को जन्म दिया, जिसमें गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने केजरीवाल पर झूठे दावे फैलाने का आरोप लगाया। संघवी ने कहा कि आम आदमी ने बताया की फोन नंबर 'आपके अपने आदमी' का था। उन्होंने सवाल उठाया कि केजरीवाल कॉल करने वाले को सूचना और संचार अधिकारी के रूप में क्यों पेश कर रहे हैं।

आप नेता ने आरोपों पर क्या कहा?

गिरफ्तारी के बाद पहली बार आरोपों का जवाब देते हुए ओझा ने कहा कि पुलिस का बयान मनगढ़ंत है। उन्होंने कभी किसी को सूचना और संचार अधिकारी होने का नाटक करने का निर्देश नहीं दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं, जो कॉल की गई थी, वह मैंने सूचना ब्यूरो (आईबी) को यह पूछने के लिए की थी कि 'आपकी क्या आवश्यकता है?' हमारे पदाधिकारी केशव चौहान भी कॉन्फ्रेंस कॉल पर मौजूद थे। मैंने यह फोन इसलिए नहीं किया था कि आप यह करें और आईबी से होने का नाटक करके कॉल करें।'

खबरें जरा हटके

मां के जाने के बाद बच्ची ने संभाली जिम्मेदारी 1.5 साल के भाई को लेकर पहुंची स्कूल

वीडियो देख भर आएंगी आंखें!

मां के निधन के बाद कक्षा 9 की अस्मिता तमांग अपने 1.5 साल के छोटे भाई को रोज स्कूल लेकर जाती है और उसकी देखभाल भी करती है. उसकी यह कहानी संघर्ष, जिम्मेदारी और हिम्मत की ऐसी मिसाल है जिसने लोगों को भावुक कर दिया है. लोग उसके इस वायरल वीडियो पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. हर बच्चे का बचपन सपनों, खेल-कूद और पढ़ाई के बीच गुजरता है. लेकिन कुछ बच्चों की जिंदगी इतनी आसान नहीं होती. कम उम्र में ही उन्हें ऐसी जिम्मेदारियां उठानी पड़ती हैं, जिन्हें निभाने में बड़े-बड़े लोग भी घबरा जाते हैं. सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी ही छात्रा की कहानी लोगों को भावुक कर रही है. उसका वीडियो देखने के बाद कई लोगों की आंखें नम हो गईं.

दरअसल, एक छोटी बच्ची की वीडियो बहुत वायरल हो रही है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक छात्रा अपनी कक्षा में सिर झुकाकर बैठी दिखाई देती है. उसकी गोद में एक छोटा बच्चा भी है, जो उसका छोटा भाई बताया जा रहा है. पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है कि छात्रा बेहद थकी हुई है और शायद उसे क्लास में बैठे-बैठे ही झपकी आ गई हो. क्लास में मौजूद अन्य छात्र और एक टीचर भी उसकी ओर देखते नजर आते हैं. यह दृश्य इतना भावुक है कि वीडियो देखने वाले लोग उसकी परिस्थितियों के बारे में जानने को मजबूर हो जाते हैं. सबसे खास बात यह है कि अस्मिता ने मुश्किल परिस्थितियों के सामने हार नहीं मानी. उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ने के बजाय एक अलग रास्ता चुना. वह हर रोज अपने छोटे भाई को साथ लेकर स्कूल जाती हैं ताकि उसकी देखभाल भी कर सकें और अपनी पढ़ाई भी जारी रख सकें. एक छोटे बच्चे को संभालना आसान काम नहीं होता. उसके खाने-पीने, सुरक्षा और जरूरतों का ध्यान रखना पड़ता है.

दुनिया का सबसे महंगा तरबूज, सोने से भी ज्यादा कीमती, बिकता है 6 लाख रुपये प्रति पीस!

भारत में गर्मियों के मौसम में तरबूज हर सड़क किनारे 20 रुपये किलो के हिसाब से मिल जाता है. लोग इसे काटकर ठंडक का मजा लेते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में ऐसा तरबूज भी है जिसकी कीमत 6 लाख रुपये प्रति पीस तक पहुंच जाती है?

जी हां, जापान का डेंसुके वॉटरमेलन दुनिया का सबसे महंगा तरबूज माना जाता है. इस तरबूज का छिलका चमकदार काला होता है, जो इसे बिल्कुल अनोखा बनाता है. अंदर का गूदा गहरा लाल, बेहद मीठा और क्रिस्पी होता है. यह तरबूज सिर्फ जापान के होक्काइडो द्वीप के तोहमा इलाके में उगाया जाता है. यहां की ज्वालामुखी मिट्टी, ठंडी जलवायु और खास खेती के तरीके इसकी दुर्लभता और स्वाद के पीछे का राज हैं. सवाल ये उठता है कि आखिर ये तरबूज इतना महंगा क्यों है? असल में ये बेहद दुर्लभ है. पूरे जापान में बहुत कम जगहों पर इसे उगाया जाता है. किसान हाथों से हर पौधे की देखभाल करते हैं, फलों को खास तरीके से ढककर रखते हैं. बात स्वाद की करें तो सामान्य तरबूज से ये कहीं ज्यादा मीठा और क्रिस्पी होता है. हर साल सीजन का पहला तरबूज नीलामी में रखा जाता है जहां अमीर लोग लाखों रुपये खर्च करते हैं और इस तरबूज को अपने घर ले जाते हैं. पहले प्रीमियम डेंसुके तरबूज की नीलामी में रिकॉर्ड 6,100 अमेरिकी डॉलर (लगभग 5-6 लाख रुपये) तक की बोली लग चुकी है. सामान्य अच्छे क्वालिटी वाले तरबूज भी 250-300 डॉलर (20-25 हजार रुपये) में बिकते हैं. जापान में यह तरबूज लग्जरी गिफ्ट के रूप में दिया जाता है. अमीर लोग, लग्जरी होटल और स्पेशल ओकेजन्स पर इसे खरीदते हैं. किसान हर पौधे पर सिर्फ कुछ चुनिंदा फल रखते हैं ताकि बाकी फलों को ज्यादा पोषण मिल सके.

चने का झाड़ नहीं, यहां मौजूद है चने का पेड़! 600 साल से है खड़ा, दूर-दूर से देखने आते हैं लोग

भारत की विविधता अनोखी है. यहां हर राज्य, हर जिले में कुछ ना कुछ नया और आश्चर्यजनक देखने को मिलता है. मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के पास भाटपचलाना गांव में एक ऐसा चमत्कार है जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाता है. यहां चने का एक विशाल पेड़ है जो लगभग 600 साल से खड़ा है. सामान्य तौर पर चना छोटे-छोटे झाड़ों में उगता है लेकिन यह पेड़ पूरी तरह पेड़ की शक्ल में हरा-भरा और फल-फूल रहा है. यह पेड़ उज्जैन जिले की बड़नगर तहसील के भाटपचलाना गांव में स्थित है.स्थानीय लोगों के अनुसार यह पेड़ सैकड़ों साल पुराना है. कुछ लोग इसे 600 साल पुराना बताते हैं. आखिर क्या है इस पेड़ का रहस्य? पेड़ की ऊंचाई और फैलाव देखकर लगता है मानो कोई आम का बड़ा पेड़ हो लेकिन इसमें चने की फलियां लगती हैं. दूर-दूर से लोग इस अनोखे पेड़ को देखने आते हैं. पर्यटक, कृषि वैज्ञानिक और आम लोग यहां पहुंचकर इसकी तस्वीरें खींचते हैं. पेड़ के नीचे एक छोटा चबूतरा बना हुआ है. स्थानीय लोग इसे पूजनीय भी मानते हैं. कई लोग मानते हैं कि यह पेड़ चमत्कारी है. गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि उनके दादा-परदादा के समय से यह पेड़ यहां खड़ा है. समय के साथ यह और मजबूत होता गया. आज भी यह पेड़ हर साल चने की भरपूर फसल देता है. यह पेड़ भारत की कृषि विविधता और प्रकृति की अनोखी देन का प्रतीक है. सामान्य चने की फसल तो हर खेत में देखी जा सकती है लेकिन इतना बड़ा और पुराना चने का पेड़ शायद दुनिया में कहीं और ना हो. कई एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये चने का पेड़ नहीं है. ये कोई विदेशी नस्ल है जो भारत के इस इलाके में उगी है. इसमें लगने वाली फलियां चने जैसी ही नजर आती है. सोशल मीडिया पर इसके वीडियो और फोटो वायरल हो रहे हैं. लोग कमेंट्स में लिख रहे हैं – "प्रकृति का चमत्कार", "600 साल पुराना पेड़ देखकर रोमांच हो गया", "भारत में ऐसी अनोखी चीजें ही हमें गर्व देती हैं". मध्य प्रदेश की मिट्टी और जलवायु स्पष्ट रूप से इस पेड़ के अनुकूल रही है. वैज्ञानिकों का कहना है कि कुछ विशेष परिस्थितियों में सामान्य पौधे भी पेड़ जैसी आकृति ले सकते हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 62 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.2 2083 मंगलवार, 2 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'नीट-यूजी परीक्षा सीबीटी मोड में हो'

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2026 की नीट-यूजी परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड के माध्यम से आयोजित करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। यह याचिका जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की आंशिक कार्यदिवस वाली बेंच के समक्ष पेश की गई। कोर्ट ने मामले को अवकाश के बाद सूचीबद्ध किया है। जस्टिस नरसिम्हा ने टिप्पणी की, वे (एनटीए) परीक्षा को दोबारा आयोजित कर रहे हैं। उन पर कितना दबाव है। हम अवकाश के बाद इस पर चर्चा करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि आंशिक न्यायिक कार्य दिवसों के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं को न तो मामलों की तत्काल सूचीबद्धता के लिए उल्लेख (मेंटशन) करने की अनुमति दी जाएगी।

मानसून 2-3 दिन में केरलम पहुंचेगा

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल में दस्तक देता है, लेकिन इस बार इसकी रफ्तार थोड़ी धीमी रही है। मौसम विभाग के अनुसार अरब सागर, लक्षद्वीप, केरलम और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल बना हुआ है। इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में भी मानसून आगे बढ़ सकता है। आईएमडी ने पहले अनुमान लगाया था कि मानसून 26 मई को केरलम पहुंचेगा, लेकिन बाद में इसमें देरी हुई और विभाग ने कहा कि इसकी शुरूआत जून के पहले सप्ताह में हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में फिलहाल हीटवेव की स्थिति खत्म हो गई है। राजस्थान के अजमेर, नागौर और चित्तौड़गढ़ में में सोमवार को ओले गिरे। मध्य प्रदेश के भी 4 जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी है।

'सभी बड़े मुद्दे सुलझ गए'

> भारत-अमेरिका ट्रेड डील समझौते के करीब : पीयूष गोयल

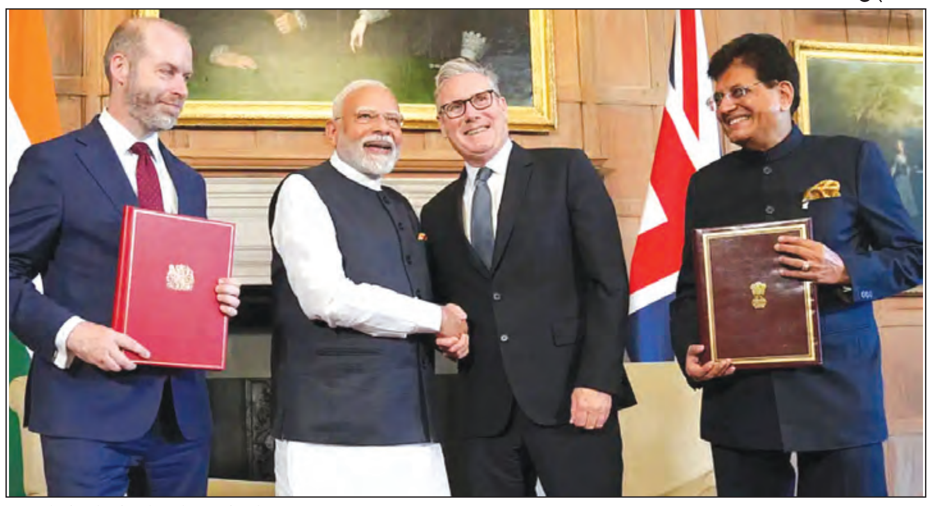

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते की पहली किश्त पर हस्ताक्षर करने के करीब पहुंच गए हैं। इसकी ज्यादातर अहम बातें पहले ही तय हो चुकी हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उनकी यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिका का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बातचीत के एक नए दौर के लिए नई दिल्ली पहुंचा है। चल रही बातचीत के बारे में गोयल ने कहा कि अमेरिकी टीम के सदस्य 2, 3 और 4 जून को होने वाली बैठकों से पहले ही भारत पहुंचना शुरू हो गए थे। उन्होंने बताया, 'जहां तक अमेरिकी टीम की बात है, कुछ सदस्य पहले ही पहुंच चुके हैं, जबकि बाकी आज रात पहुंच रहे हैं। हमारी बैठकें 2, 3 और 4 जून को होनी हैं। दोनों देशों के नेताओं ने 3 फरवरी को ही फ्रेमवर्क समझौते की घोषणा कर दी थी।' भारत-अमेरिका व्यापार सौदे पर चल रही बातचीत के संबंध में मंत्री ने कहा, 'सभी मुख्य बिंदु तय हो चुके हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में कहा था कि 99% विवरण अंतिम रूप ले चुके हैं... मुझे पूरा भरोसा है कि हम अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की पहली किश्त को जल्द से जल्द पूरा कर लेंगे।' वह बोले, 'हम इस पर हस्ताक्षर करेंगे और फिर आगे चलकर एक और भी ज़्यादा व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौता कैसे बनाया जाए, इस पर आगे की बातचीत शुरू करेंगे।' गोयल ने यह भी कहा कि इस समझौते में अमेरिका की टैरिफ संरचना में हुए बदलावों को भी ध्यान में रखा जाएगा।

चार दिवसीय बैठक के लिए पहुंचा अमेरिकी दल

मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में अमेरिका का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 1 से 4 जून तक चार दिवसीय भारत दौरे पर है ताकि प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत को आगे बढ़ाया जा सके।

उम्मीद है कि इन वार्ताओं का मुख्य जोर एक अंतरिम व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने पर होगा। साथ ही व्यापक द्विपक्षीय ढांचे के तहत बातचीत को आगे बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन के नेतृत्व वाला एक प्रतिनिधिमंडल करेगा।

'बदला नहीं ले रही सरकार'

अभिषेक बनर्जी को सीआईडी से नोटिस पर बोले सीएम

टीएमसी विधायकों ने ही दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता, 1 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार टीएमसी से किसी तरह का बदला नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के ही दो विधायकों की शिकायत के आधार पर अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। उन्होंने बताया कि टीएमसी के दो विधायक ऋतब्रत बंद्योपाध्याय और संदीपन साहा ने विधानसभा सचिवालय में शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि विपक्ष के नेता के रूप में शोवनदेब चट्टोपाध्याय की नियुक्ति के लिए पारित पार्टी प्रस्ताव में उनके जाली हस्ताक्षर बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस के तुरंत बाद तृणमूल कांग्रेस ने दोनों विधायकों को 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया।

अधिकारी ने कहा, कुछ लोगों को यह राजनीतिक बदला लग सकता है। लेकिन भाजपा ऐसा कुछ नहीं करना चाहती, क्योंकि टीएमसी पहले से ही कमजोर स्थिति में है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में भाजपा सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि अभिषेक बनर्जी को सीआईडी की ओर से भेजे गए नोटिस में न तो भाजपा और न ही सरकार की कोई भूमिका है। सीआईडी ने हस्ताक्षर में कथित जालसाजी के मामले की जांच के सिलसिले में उन्हें सोमवार को पेश होने के लिए कहा था।

गुजरात में 12 शेर, एमपी में 10 बाघों की मौत

अमरेली, 1 जून (एजेंसियां)। एशियाटिक लायंस के लिए फेमस गुजरात के पूर्वी और पश्चिमी गिर फॉरेस्ट में 12 शेरों की मौत का मामला केंद्र सरकार तक पहुंच गया है। वन विभाग ने 30 से अधिक शेरों को एनीमल केयर सेंटर में रखा गया है। हालांकि, शेरों की लेबोरेटरी रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं की गई है। ऐसा ही हाल मध्यप्रदेश में बाघों का है। मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में 2 अप्रैल से अब तक 10 बाघों की मौत हो चुकी है। बाघों में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) जैसे गंभीर लक्षण पाए जाने के बाद वन विभाग ने अलर्ट मोड में अभियान शुरू कर दिए हैं। गुजरात के शेरों में सीडीवी वायरस के लक्षण देखे जाने के बाद, वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य के वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने रविवार को जसधार पशु देखभाल केंद्र का दौरा किया। पिछले 15 दिनों में 12 शेरों की मौत के बावजूद रिपोर्ट जारी न होने से मामला और गहराता जा रहा है।

गुजरात वन-विभाग चुप : गुजरात में करीब 8 दिन पहले 5 शावकों और 4 शेरों की मौत हुई थी। इनके विसरा नमूनों की जांच के बाद भी वन विभाग की ओर से अभी तक कोई रिपोर्ट जारी नहीं की गई है। हालांकि, सीडीवी वायरस के लक्षणों के चलते वन विभाग ने सतर्कता बरतते हुए काम शुरू कर दिया है। लेकिन आशंका है कि स्थिति गंभीर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर, रिपोर्ट जारी न करने को लेकर राज्य सरकार और वन विभाग पर सवाल उठ रहे हैं।

27 राज्यसभा सीटों

3 राज्यों में विधान परिषदों के चुनाव की अधिसूचना जारी, 18 जून को वोटिंग

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सोमवार को 27 राज्यसभा सीटों और 3 राज्यों में विधान परिषदों के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। सभी चुनावों के लिए वोटिंग 18 जून को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। वोटों की गिनती उसी दिन शाम 5 बजे से शुरू होगी।

चुनाव आयोग की तरफ से जारी शेड्यूल के मुताबिक राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि आठ जून है। नामांकन पत्रों की जांच नौ जून को की जाएगी। वहीं, उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 11 जून है।

मतगणना 18 जून को ही मतदान की समाप्ति के बाद की जाएगी। चुनाव आयोग ने बताया कि राज्यसभा में 10 राज्यों की 24 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव होंगे। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव होंगे। इस बीच, बिहार में राज्य विधान परिषदों की नौ सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव होंगे, और एक सीट के लिए उपचुनाव होगा। कर्नाटक में, विधान परिषद की सात सीटों के लिए चुनाव होंगे। कर्नाटक की चार राज्यसभा और सात विधान परिषद सीट पर चुनाव के लिए अधिसूचना सोमवार को जारी कर दी गई, जिसके तहत मतदान 18 जून को होगा। कर्नाटक विधानसभा के सदस्य 'विधान सौध' में इन चुनावों के लिए मतदान करेंगे।

कर्नाटक में राज्यसभा सदस्य के रूप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इरन्ना कडाडी और नारायण कोरगप्पा, कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे तथा जनता दल (सेक्युलर) के एचडी देवेगौड़ा का कार्यकाल 25 जून को समाप्त होने वाला है, जिसके मद्देनजर इन चार सीट पर चुनाव कराए जा रहे हैं।

*** चुनाव आयोग का पूरा शेड्यूल**

- > नामांकन दाखिल करना शुरू-1 जून, सुबह 11 बजे से।
- > नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख - 8 जून, दोपहर 3 बजे।
- > नामांकनों की जांच - 9 जून।
- > नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख - 11 जून।
- > वोटिंग का दिन - 18 जून, सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक।
- > वोटों की गिनती - 18 जून, शाम 5 बजे से।

वक्फ ट्रिब्यूनल में फीस विवाद पर कोर्ट ने उठाए सवाल, पूछा कानूनी आधार

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई के दौरान वक्फ संस्थानों की मांग पर सवाल उठाए। कोर्ट ने पूछा कि राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल की कार्यवाही में वक्फ संस्थानों को कोर्ट फीस देने से छूट किस कानूनी आधार पर मिलनी चाहिए। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है।

क्या है मामला?

यह पूरा मामला गुजरात हाई कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ दायर याचिका से जुड़ा है। गुजरात हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा था कि वक्फ संस्थानों को राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल के सामने कोर्ट फीस देने से कोई छूट नहीं मिली है। फीस न भरने के कारण वक्फ से जुड़े कई मुकदमों को खारिज कर दिया गया था, जिसे हाई कोर्ट ने सही ठहराया था। याचिकाकर्ताओं की तरफ से वकील एजाज मकबूल कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने गुजरात हाई कोर्ट के दिसंबर 2025 के फैसले को चुनौती देने के लिए कुछ और दस्तावेज जमा करने का समय मांगा। इस दौरान जस्टिस नरसिम्हा ने वकील से सीधा सवाल किया। उन्होंने पूछा कि आखिर फीस से छूट का दावा किस आधार पर किया जा रहा है? उन्होंने वकील से यह भी पूछा कि वह कौन सा कानून है जो आपको कोर्ट फीस से छूट मांगने की अनुमति देता है? वकील मकबूल ने जवाब दिया कि वे इस मुद्दे पर विस्तार से अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कोर्ट से इस सुनवाई को 7 अगस्त तक टालने का अनुरोध किया। इससे पहले 17 दिसंबर 2025 को गुजरात हाई कोर्ट ने वक्फ संस्थानों की कई याचिकाओं को खारिज कर दिया था। ये याचिकाएं वक्फ ट्रिब्यूनल के उन आदेशों के खिलाफ थीं,

निर्यात और निवेश को मिलेगा बढ़ावा : पीयूष गोयल

भारत-ओमान सीईपीए से दोनों देशों के आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मिलेगी नई मजबूती

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। भारत और ओमान के बीच हुआ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट-सीईपीए) सोमवार से आधिकारिक रूप से लागू हो गया है। इस महत्वपूर्ण व्यापार समझौते के लागू होने के साथ ही दोनों देशों के आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसे भारत और ओमान के बीच सदियों पुराने भरोसे, मित्रता और साझेदारी का नया अध्याय बताया। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ओमान का संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत साझेदारी पर आधारित है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अरब सागर जोड़ता है और 5,000 वर्षों से दोनों देशों के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब आधुनिक व्यापारिक व्यवस्थाएं और शुल्क प्रणाली अस्तित्व में नहीं थीं, तब भी गुजरात के व्यापारी मस्कट तक भारतीय वस्तुएं पहुंचाते थे। उन्होंने कहा कि सीईपीए केवल एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच विश्वास, मित्रता और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओमान यात्रा के दौरान दोनों देशों के रिश्तों को नई मजबूती मिली। इस दौरान ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने प्रधानमंत्री मोदी को ओमान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान, फर्स्ट क्लास' से सम्मानित किया था। गोयल ने कहा कि यह सम्मान केवल प्रधानमंत्री मोदी का नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है।

उन्होंने ओमान के लोगों और वहां की सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पीढ़ियों से ओमान ने भारतीय समुदाय का अपने परिवार के सदस्य की तरह स्वागत किया है। वर्तमान में लगभग 7 लाख भारतीय मूल के लोग ओमान में रह रहे हैं और वहां की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया के 32 देशों द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया जाना उनके वैश्विक नेतृत्व और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों से लेकर ग्लोबल साउथ तक प्रधानमंत्री मोदी संवाद, कूटनीति और शांति के समर्थक नेता के रूप में सम्मानित किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सीईपीए लागू होने के पहले ही दिन से भारत को ओमान की 98 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिल जाएगी, जिससे भारत के 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह समझौता भारतीय उत्पादों को ओमान के बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मस्कट में इस समझौते को दोनों देशों के साझा भविष्य का खाका बताया था और अब यह खाका वास्तविकता का रूप ले रहा है।

अमेरिका ने ईरान की रडार-ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर हमला किया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 1 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ने कहा कि हमने ईरान के गोरुक और केश्म आइलैंड पर रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स को निशाना बनाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया है कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई।

अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी एमक्यू1 ड्रोन को गिराया था। सेनटकोम के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो ड्रोन को तबाह कर दिया। दूसरी तरफ, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि हमने उस एयरबेस को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल सीरिक आइलैंड के पास अमेरिकी ऑपरेशन में हुआ था। वहीं, 'ईरान इंटरनेशनल' की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पजशकियान ने आरोप लगाया कि देश की सत्ता पर अब पूरी तरह आईआरजीसी के कमांडरों का कंट्रोल है।

ब्यूफोर्ट किले पर इजराइल का कब्जा

इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया। यह पिछले 26 साल में इजराइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है। फ्रांस ने लेबनान में इजराइल की बढ़ती सैन्य कार्रवाई को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने की मांग की है। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने ईरानी सेना पर उतनी सख्त कार्रवाई नहीं की, जितनी वह दूसरे देशों की सेनाओं के खिलाफ करता रहा है। ईरान ने कहा है कि जब तक यह भरोसा नहीं हो जाता कि उसके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं, तब तक अमेरिका के साथ किसी भी समझौते को मंजूरी नहीं दी जाएगी।

भारत के साथ 1,643 किमी लंबी सीमा

> पड़ोसी मुल्क के राष्ट्रपति ने की पीएम मोदी से मुलाकात, 4 मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली के हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और म्यांमार के बीच रिश्तों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। बैठक में व्यापार, अर्थव्यवस्था, तकनीक और आपसी संबंधों समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई।

मीटिंग के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत, अपनी 'नेबरहुड फर्स्ट', 'एक्ट ईस्ट' और 'महासागर' नीतियों के अनुरूप, म्यांमार का एक भरोसेमंद पड़ोसी है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि विश्वसनीय साझेदार और संकट के समय में सबसे पहले मदद करने वाला देश बना रहेगा। पीएम मोदी ने म्यांमार में शांति और बातचीत का समर्थन करने के लिए भारत की तत्परता को दोहराया, जिसमें संघीय शासन और आर्थिक विकास के अनुभवों को साझा करना भी शामिल है।

पहले ही दौरे पर आए भारत :

भारत पहला ऐसा देश है, जिसकी यात्रा म्यांमार के राष्ट्रपति अप्रैल 2026 में राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद कर रहे हैं। म्यांमार एक महत्वपूर्ण देश है। यह हमारा पड़ोसी है, जिसके साथ हमारी 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है।

म्यांमार के राष्ट्रपति ह्लाइंग दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। वे दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स स्थित राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में आयोजित 'द लाइट एंड द लोटस: रिलिक्स ऑफ द अवेकेंड वन' प्रदर्शनी का भी दौरा करेंगे। यह एक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी है, जिसमें भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेषों को प्रदर्शित किया गया है।

एनएसए अजीत डोभाल संग मीटिंग :

इससे पहले राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से मुलाकात की और सुरक्षा सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। शनिवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की। मुलाकात के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि नई दिल्ली में म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात करके खुशी हुई। भारत और म्यांमार के लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को और गहरा करने के प्रति उनके सकारात्मक रुख की सराहना करता हूं।

दो टीएमसी विधायक निष्कासित

संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप

कोलकाता, 1 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपने दो विधायकों पर बड़ी कार्रवाई की है। टीएमसी ने संदीपान साहा और ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। इन दोनों नेताओं पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। टीएमसी नेतृत्व ने अनुशासन बनाए रखने के लिए यह कड़ा फैसला लिया। पार्टी ने साफ कर दिया है कि अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। अब ये दोनों नेता पार्टी का हिस्सा नहीं रहेंगे।

मुख्यमंत्री शुवेंदु की मीडिया वार्ता के बाद हुई कार्रवाई :

यह फैसला उस समय आया जब मुख्यमंत्री शुवेंदु अधिकारी ने राज्य सचिवालय में एक मीडिया वार्ता की। उन्होंने बताया कि इन दोनों विधायकों ने विधानसभा में 'फर्जी हस्ताक्षर' से जुड़े एक मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। यह मामला शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता चुनने से संबंधित था। इस खुलासे के कुछ ही मिनटों बाद पार्टी ने निष्कासन का आदेश जारी कर दिया।

पार्टी के आदेश पत्र में क्या :

पार्टी की उपाध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने इस आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। विधायकों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि वे टीएमसी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीते थे। इसके बावजूद वे पार्टी नेतृत्व की बुलाई गई बैठकों में बार-बार अनुपस्थित रहे। वे ऐसी गतिविधियों और बयानों में शामिल पाए गए जो पार्टी के हितों को नुकसान पहुंचा रहे थे।

पार्टी के सक्षम अधिकारियों ने मामले पर विचार करने के बाद यह कड़ा कदम उठाया। संदीपान साहा और ऋतब्रत बनर्जी को तुरंत प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निकाल दिया गया है। टीएमसी ने स्पष्ट किया है कि पार्टी के खिलाफ काम करने वालों के लिए यहां कोई जगह नहीं है।

'राज्य के अधिकारों पर कोई समझौता नहीं'

रैली में विजय बोले-जनता ने मुझे सीएम नहीं, सेवक बनाया है

एमजीआर सिर्फ एमजीआर हैं। मैं आपका विजय हूं, जो एमजीआर, अन्ना और पेरियार के रास्ते पर चलकर काम करने आया है। जनता के बीच रहकर काम करेंगे और विरोधियों के हमलों से डरने वाले नहीं हैं।

जोसेफ विजय, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

चेन्नई, 1 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने तिरुचिरापल्ली में आयोजित जनसभा में अपने विरोधियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राजनीति में अब मुकाबला सिर्फ टीवीके और डीएमके के बीच है। रैली के दौरान विजय ने अपने पहनावे को लेकर उठ रहे सवालों पर भी जवाब दिया और पूछा कि आखिर वह सूट क्यों नहीं पहन सकते।

विजय ने यह भी कहा कि जनता ने उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बल्कि पहला सेवक बनाया है और वह लोगों के लिए काम करने आए हैं। तिरुचिरापल्ली ईस्ट विधानसभा क्षेत्र में आयोजित धन्यवाद रैली में विजय ने कहा कि कुछ लोग उनके कपड़ों और सूट पहनने पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, विजय ने मंच से यह भी कहा कि वह जनता के बीच रहकर काम करेंगे और विरोधियों के हमलों से डरने वाले नहीं हैं। उनके इस बयान पर सभा में मौजूद समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी की। रैली में विजय ने साफ कहा कि तमिलनाडु की राजनीति में अब सिर्फ दो दलों के बीच मुकाबला है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से मैं फिर कहता हूं कि मुकाबला सिर्फ डीएमके और टीवीके के बीच है। बीच में किसी और के लिए कोई जगह नहीं है। विजय ने दावा किया कि डीएमके लगातार उनकी पार्टी का विरोध कर रही है, लेकिन इससे टीवीके को ही फायदा होगा। उन्होंने कहा कि जनता बदलाव चाहती है और अब लोग नई राजनीति को समर्थन दे रहे हैं। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि लोगों ने उनकी पार्टी को पहले चुनाव में बड़ा समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने यह तक कहा कि दिवंगत नेता एमजीआर को भी पहले चुनाव में इतना वोट शेयर नहीं मिला था। हालांकि विजय ने साफ किया कि वह खुद की तुलना एमजीआर से नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आहे कहा कि एमजीआर सिर्फ एमजीआर हैं। मैं आपका विजय हूं, जो एमजीआर, अन्ना और पेरियार के रास्ते पर चलकर काम करने आया है। विजय ने कहा कि मुख्यमंत्री पद संभाले अभी कुछ ही हफ्ते हुए हैं, लेकिन जो लोग छह महीने तक चुप रहने की बात कर रहे थे, वे छह दिन भी शांत नहीं रह पाए। उन्होंने कहा कि जनता ने उन लोगों को नकार दिया जो वर्षों से बारी-बारी से लोगों को धोखा दे रहे थे।

फर्जी नर्सिंग डिप्लोमा रैकेट का भंडाफोड़

नकली मार्कशीट से दिलाते थे नौकरी, 10 अरेस्ट

मुजफ्फरनगर, 1 जून (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर पुलिस ने एक ऐसे संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो फर्जी नर्सिंग डिप्लोमा, मार्कशीट और रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र तैयार कर युवाओं को बेच रहा था। इस गिरोह के माध्यम से कई लोगों को नकली दस्तावेजों के आधार पर नर्सिंग और हेल्थ केयर क्षेत्र में रोजगार भी दिलाया गया। पुलिस ने इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज और उन्हें तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला आधुनिक उपकरण बरामद किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया की फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 60 से ज्यादा युवक, युवतियां, मेरठ, शामली, मुजफ्फरनगर, नोएडा, दिल्ली, उत्तराखंड, महाराष्ट्र के मुंबई, सहित कई जनपदों मे नामचीन अस्पतालों मे नौकरी कर रहे है। उन्होंने बताया की थाना ककरौली पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग फर्जी नर्सिंग डिप्लोमा और मार्कशीट तैयार कर बेचने के धंधे में लिप्त हैं और नहर पटरी क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर पांच आरोपियों को मौके से दबोच लिया।

आरोपियों से पूछताछ में जानकारियां सामने आई

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आईं। उनके खुलासे के आधार पर पुलिस ने मेरठ स्थित न्यूटिमा हॉस्पिटल और हिम्स हॉस्पिटल में छापेमारी कर पांच अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। इस तरह पूरे नेटवर्क से जुड़े कुल 10 लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

बड़ी संख्या में फर्जी सर्टिफिकेट बरामद

पुलिस की तलाशी में 17 फाइलों में रखे गए बड़ी संख्या में फर्जी डिप्लोमा, मार्कशीट और प्रमाण-पत्र बरामद हुए। इसके अलावा दो सीपीयू, दो मॉनिटर, एक प्रिंटर, लेमिनेशन मशीन, हार्ड डिस्क, फोटो पेपर, आईडी कार्ड, 10 मोबाइल फोन और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। जांच में पता चला कि गिरोह अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर दस्तावेजों पर क्यूआर कोड भी लगाता था ताकि वे पूरी तरह असली दिखाई दें और आसानी से सत्यापन प्रक्रिया में पकड़े न जाएं। एसएसपी संजय वर्मा के अनुसार, यह गिरोह पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से सक्रिय था।

फर्जी डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र तैयार कर पहले इन्हें चार हजार रुपये तक में उपलब्ध कराया जाता था, जबकि बाद में इन्हीं दस्तावेजों को 25 हजार रुपये तक में बेचकर मोटा मुनाफा कमाया जाता था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने करीब 60 से ज्यादा युवतियों और युवकों को इन नकली प्रमाण-पत्रों के आधार पर उत्तर प्रदेश समेत कई अन्य राज्यों में नर्सिंग और हेल्थ केयर सेवाओं में रोजगार दिलाया गया। उन्होंने बताया कि फर्जी डिग्री पर रोजगार पाने वाले ये लोग अब लोगो के जीवन से खिलवाड़ कर रहे है जो एक गंभीर अपराध की श्रेणी आता है।

चार संविदा कर्मियों ने खुद पर छिड़का पेट्रोल आत्मदाह का किया प्रयास

लखनऊ, 1 जून (एजेंसियां)। लखनऊ में सोमवार को रोडवेज के चार संविदाकर्मियों ने आत्मदाह का प्रयास किया। चारों बॉटल में पेट्रोल लेकर पहुंचे और खुद पर उड़ेलने लगे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। उनका कहना है कि हमारी बात नहीं सुनी जा रही है। एक निजी कंपनी में सभी संविदा चालकों-परिचालकों का विलय किया जा रहा है। गौतमपल्ली थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया, आत्मदाह का प्रयास करने वालों में औरैया के मुकेश सैनी, उन्नाव के ज्ञानेंद्र रावत, कानपुर के नितिन श्रीवास्तव और गोंडा के अभिषेक सिंह शामिल हैं। चारों सिटी बस सेवा के चालक बताए जा रहे हैं। लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

बोले सीएम योगी : दोस्ती की आड़ में नहीं चलेगी छुरेबाजी; दिया सख्त संदेश

बिजनौर, 1 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिजनौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गाजियाबाद के सूर्या चौहान हत्याकांड का जिक्र करते हुए कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दोस्ती के नाम पर हिंसा और छुरेबाजी जैसी घटनाएं किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं हैं।

गाजियाबाद की घटना ने झकझोर दिया

सीएम योगी ने कहा कि गाजियाबाद की यह घटना बेहद दुखद है और इसने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है।

उन्होंने अभिभावकों की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि यदि माता-पिता अपने बच्चों को सही संस्कार और दिशा देने में असफल रहते हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय है।

सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा कानून का सम्मान करने वाले आम नागरिकों के साथ खड़ी है। वहीं, कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले और समाज में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसी आपराधिक घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने पेश किया एक साल का रिपोर्ट कार्ड

> अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस जारी रहेगी

लखनऊ, 1 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने सोमवार को अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर पुलिस मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग से जुड़ी उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष के दौरान 10 प्रमुख प्राथमिकताओं पर काम किया गया। इसमें महिला सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, पुलिस कल्याण और संगठित अपराध पर कार्रवाई प्रमुख रही।

डीजीपी ने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार कार्रवाई की गई है। पिछले सात-आठ वर्षों में अपराध के आंकड़ों में कमी आई है। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया और दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा व महिलाओं से जुड़े अपराधों के प्रति जागरुकता बढ़ाई गई। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 9.5 से 33 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई है।

अपराधियों की पहचान और निगरानी की जा रही

साइबर अपराध को बड़ी चुनौती बताते हुए डीजीपी ने कहा कि कोरोना काल के बाद ऑनलाइन अपराध तेजी से बढ़े हैं। इससे निपटने के लिए 62 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है। साइबर ठगी से जुड़े मामलों में अब तक 450 करोड़ रुपये की धनराशि रोकवाई गई है, जो देश में सबसे बड़ी कार्रवाई में शामिल है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित तकनीकों की मदद से अपराधियों की पहचान और निगरानी की जा रही है, जिससे कई फरार अपराधी गिरफ्तार हुए हैं। पुलिस कल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए डीजीपी ने बताया कि दुर्घटनाओं और ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों को 137 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई है। 51 हजार पुलिसकर्मियों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा दी गई है और 200 क्षमता वाले छात्रावासों के निर्माण की योजना बनाई गई है। डीजीपी ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आरोप पत्र समयबद्ध तरीके से दाखिल कराने, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाने और ई-समन व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष जोर है। उन्होंने बताया कि अब अदालतों से समन सीधे थानों तक डिजिटल माध्यम से पहुंचाने की व्यवस्था विकसित की जा रही है।

खोड़ा सूर्या मर्डर केस : जिस घर में रहता था सूर्या का हत्यारा असद

उसपर चलेगा बुलडोजर! ढोल लेकर पहुंचा प्रशासन

गाजियाबाद, 1 जून (एजेंसियां)। बकरीद के दिन गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में सूर्या चौहान की हत्या करने वाले असद का एनकाउंटर हो चुका है। अब प्रशासन ने एक और कार्रवाई की है। जांच में सामने आया कि खोड़ा के नवनीत विहार में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर एक इमारत बनाई गई है। इसी इमारत में असद अपने माता-पिता के साथ किराए पर रहता था। प्रशासन ने नोटिस जारी कर बिल्डिंग मालिक को 15 दिन में जमीन को खाली करने का अल्टीमेटम जारी कर नोटिस चस्पा कर दिया है।

असद का एनकाउंटर होने के बाद रविवार को नायब तहसीलदार गाजियाबाद एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद खोड़ा-मकरपुर की टीम मौके पर पहुंची। ढोल बजवाकर और लाउडस्पीकर से मुनादी कराने के बाद टीम ने बिल्डिंग मालिक के नाम पर नोटिस चस्पा कर दिया। नोटिस के अनुसार, ग्राम खोड़ा के खसरा संख्या 70 की सरकारी भूमि पर अवैध रूप से यह निर्माण किया गया है। राजस्व रिकॉर्ड में यह जमीन 5-3 भूमि के तौर पर दर्ज है।

15 दिन के भीतर अवैध निर्माण हटाने का निर्देश

उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2002 की धारा 136 के तहत जारी नोटिस में बिल्डिंग मालिक को 15 दिन के भीतर अवैध निर्माण हटाने और इमारत खाली कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि तय समय में कब्जा नहीं हटाया गया तो इमारत को जबरन खाली कराकर ध्वस्त कर दिया जाएगा।

15 दिन की मियाद, फिर चलेगा बुलडोजर

बिल्डिंग में असद के परिवार के अलावा कई अन्य परिवार भी किराए पर रह रहे हैं। नोटिस चस्पा होने के बाद सभी किराएदारों को मकान खाली करना होगा। ढोल और अनाउंसमेंट के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और इलाके में हड़कंप मच गया। प्रशासन का कहना है कि सूर्या हत्याकांड की जांच के दौरान इस अवैध निर्माण का पता चला था। 15 दिन की मियाद पूरी होने के बाद इस इमारत पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाएगी।

बुलंदशहर के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक

इससे पहले असद का शव रविवार को बुलंदशहर के उसके पैतृक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। पुलिस एनकाउंटर में मारे गए असद की लाश को उसके चाचा शहाबुद्दीन गाजियाबाद के पोस्टमार्टम हाउस से बुलंदशहर लेकर आए थे। पोस्टमार्टम के बाद असद का शव लेने के लिए रविवार दोपहर तक कोई परिजन नहीं पहुंचा। असद के पिता नवाब सूर्या हत्याकांड में ही नामजद हैं और जेल में बंद हैं। उसकी सौतेली मां है। भाई शादीशुदा है और खोड़ा में ही अलग रहता है।

भाजपा में राष्ट्रीय संगठक भी बिहार से

नागेंद्र नाथ त्रिपाठी का कार्यक्षेत्र दिल्ली रहेगा

पटना, 1 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठनात्मक स्तर पर अहम नियुक्ति करते हुए नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को राष्ट्रीय संगठनक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है। पार्टी की ओर से जारी आधिकारिक पत्र में इस नियुक्ति की घोषणा की गई है। यह जिम्मेदारी तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को राष्ट्रीय संगठनक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) की जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के तहत उनका कार्यक्षेत्र नई दिल्ली निर्धारित किया गया है।

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से समन्वय पर रहेगा फोकस

पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस पद का प्रमुख उद्देश्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ संवाद, समन्वय और संगठनात्मक अनुभवों को पार्टी की गतिविधियों से जोड़ना है। भाजपा लगातार संगठन विस्तार और कार्यकर्ताओं के साथ मजबूत संपर्क को प्राथमिकता देती रही है। ऐसे में यह नियुक्ति संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि नागेंद्र नाथ त्रिपाठी की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से प्रभावी होगी। नियुक्ति की सूचना पार्टी के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों को भी भेज दी गई है।

आरव हत्याकांड : 'गलती हो गई, 20-21 लाख ले लो, केस रफा-दफा कर दो'

मासूम का पटककर कत्ल करने वाला मांगता रहा मदद

फिरोजाबाद, 1 जून (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में डेढ़ साल के मासूम आरव की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक का एक ऑडियो पीड़ित परिवार ने पुलिस के साथ साझा किया है।

इस ऑडियो में साफ सुना जा सकता है कि वारदात को अंजाम देकर भागने के बाद आरोपी पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए पीड़ित परिवार के सामने रुपयों का प्रलोभन दे रहा था और मामले को रफा-दफा करने की मिन्नतें कर रहा था।

यह फोन कॉल आरोपी विराज ने मृत बच्चे की मां रती के नोएडा (सेक्टर-44) निवासी मौसा पंकज शर्मा को किया था। लगभग सवा दो मिनट के इस ऑडियो में आरोपी लगातार अपनी गलती स्वीकार करते हुए मदद की गुहार लगा रहा है। ऑडियो में आरोपी

विराज कहता है, मुझसे गलती हुई है, मैं अपनी गलती मानता हूं। लेकिन अगर यह पुलिस केस का मामला सामने आया, तो फिर बहुत से मामले सामने आ जाएंगे, जिससे बाद में आपको भी परेशानी होगी। जब मौसा पंकज शर्मा ने उसे डांटते हुए पूछा कि तुम यह धमकी किसे दे रहे हो, तो आरोपी डरते हुए बोला, मैं धमकी नहीं दे रहा, सच बता रहा हूं। प्लीज आप मेरी मदद कीजिए। मेरे पास नगद 20-21 लाख रुपये घर पर रखे हैं, मैं इस मामले में वह पूरा पैसा छोड़ने को तैयार हूं।

हत्या को एक्सीडेंट बताने की नाकाम कोशिश

बातचीत के दौरान जब मौसा पंकज शर्मा ने उससे तीखे सवाल किए कि जब हादसा हुआ तो तुम उस जगह से भाग क्यों रहे हो? तुम बच्चे को साथ लेकर गए थे, तो तुम उसे छोड़कर क्यों भागे? इस पर शातिर आरोपी ने अपनी हैवानियत को छुपाने के लिए इसे हादसे का रूप देने की कोशिश की। उसने कहा, वह एक एक्सीडेंट था मौसा जी, जो होना था वह हो गया। जब उससे पूछा गया कि अगर एक्सीडेंट था तो तुम्हें चोट क्यों नहीं आई, तो उसने खुद को भी चोट लगने का झूठा दावा किया। ऑडियो में आरोपी अपनी जान पहचान का रौब दिखाते हुए यह भी कहता है कि उसे किसी विधायक या मंत्री से मदद मांगने की जरूरत न पड़े, इसलिए मौसा जी आप ही बीच में पड़कर मामला संभाल लीजिए।

उसने यह भी कहा कि वहां खड़े रहना बेवकूफी होती और यह पूरा इलाका उसी के क्षेत्र में आता है। हालांकि, इस बातचीत के कुछ ही घंटों बाद मुस्तैद फिरोजाबाद पुलिस ने भुड़ा भरतरा रोड पर हुई मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली मारकर उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

राबड़ी देवी का आवास खाली कराने पर भड़के सिद्दीकी

बोले-सत्ता किसी की बपौती नहीं; जनता सिखाएगी सबक

पटना, 1 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का सरकारी आवास खाली कराने के नोटिस पर राष्ट्रीय जनता दल ने सम्राट सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राजद के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सरकार पर जमकर हमला बोला है और साथ ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को नसीहत भी दी है।

बिना विपक्ष के लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं

राजद के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सरकार को घेरते हुए कहा कि बिना विपक्ष के लोकतंत्र का कोई वजूद नहीं होता। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि सत्ता किसी की बपौती नहीं है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन इतिहास में सिर्फ अच्छे कामों को ही याद किया जाता है। सिद्दीकी ने कहा कि सरकार जानबूझकर लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी को परेशान कर रही है, जिसे आम जनता भी पसंद नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब ऐसी लक्षित राजनीति हुई है, जनता ने उसका जवाब सरकार को दो-तिहाई बहुमत से हराकर दिया है।

इंदिरा गांधी का उदाहरण देकर सम्राट चौधरी को दी सलाह

राजद के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें इस तरह के विवादों से बचना चाहिए। उनका ध्यान गरीबों के कल्याण और विकास कार्यों पर होना चाहिए, न कि लालू परिवार और राजद को निशाना बनाने पर। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अतीत में ऐसी ही भूल हमसे भी हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप इंदिरा गांधी को दो-तिहाई बहुमत गंवाना पड़ा था। आज के नेता तो उनके सामने बहुत छोटे हैं। अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सम्राट चौधरी से अपने व्यक्तिगत संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि सम्राट उनके बेहद अजीज हैं।

पूर्वी बिहार के सबसे बड़े अस्पताल में खूनी संघर्ष

अधीक्षक कार्यालय के सामने चलीं लाठियां

भागलपुर, 1 जून (एजेंसियां)। भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल मायागंज में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब अस्पताल की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते अधीक्षक कार्यालय के सामने शुरू हुआ विवाद हिंसक संघर्ष में बदल गया और अस्पताल परिसर रणक्षेत्र में तब्दील हो गया।

जानकारी के अनुसार, निजी कंपनी के सुरक्षाकर्मी वेतन वृद्धि, अवकाश और अन्य मांगों को लेकर अस्पताल अधीक्षक कार्यालय के सामने धरना दे रहे थे। इसी दौरान बांका से पहुंचे उसी कंपनी के कुछ अन्य सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों गुटों के बीच लाठी-डंडे चले। अधीक्षक कार्यालय के सामने शुरू हुआ बवाल अस्पताल परिसर से निकलकर सड़क तक पहुंच गया। मारपीट में कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घटना के दौरान अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों और उनके परिजनों के बीच अफरा-तफरी मच गई। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें सुरक्षाकर्मी एक-दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। जिस अस्पताल की सुरक्षा की जिम्मेदारी इन्हीं गार्डों पर है, उसी परिसर में उनका यह हिंसक रूप सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

तेजस्वी यादव को यह क्या संदेश दे रहा राजद कार्यालय के बाहर लगा पोस्टर?

पटना, 1 जून (एजेंसियां)। राबड़ी आवास को लेकर जारी सियासी घमासान के बीच राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय के बाहर लगा एक पोस्टर खूब चर्चा में है। इस पोस्टर में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनकी बेटी रोहिणी आचार्य की तस्वीर है। इसमें एक कविता लिखी है। राजनीतिक पंडित कहते हैं इस तस्वीर के जरिए रोहिणी आचार्य के समर्थकों ने राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव को कुछ मैसेज देने की कोशिश की है।

मेरा लूह बिहारी और रग-रग में खुद्दारी है

इस पोस्टर को किसने लिखवाया है? इसका जिक्र तो नहीं है। लेकिन, इसे पढ़कर स्पष्ट लग रहा है कि यह रोहिणी आचार्या के समर्थक ने ही लगाया है। इसमें लिखा है, न हौसला टूटा है, न हिम्मत हारी है। मैं लड़ना जानती हूं, अकेले गद्दारों पर भारी हूं। मैं लालू जी की बेटी हूं, मेरा लूह बिहारी और रग-रग में खुद्दारी है। तेजस्वी को मैसेज देना चाहती हैं?

लालू के साथ रोहिणी और यह मैसेज!

राजनीतिक पंडितों की मानें तो रोहिणी के समर्थक इस पोस्टर के जरिए तेजस्वी यादव को ही मैसेज देना चाहती हैं। वह कहना चाहती है कि अब भी उनका हौसला नहीं टूटा है। वह अकेले ही राष्ट्रीय जनता दल और लालू प्रसाद से गद्दारी करने वालों पर भारी हैं। बता दें कि हाल में ही लालू प्रसाद यादव हेल्थ चेकअप के लिए सिंगापुर गए हैं। वह रोहिणी के पास ही हैं। कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद से रोहिणी अपने परिवार से नाराज चल रही हैं। उन्होंने कई बार सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा। तब उन्होंने तेजस्वी यादव के करीबी सांसद संजय यादव पर जमकर हमला बोला था। कहा जा रहा है कि परिवार में सभी सदस्य एकजुट हो, इसलिए लालू रोहिणी को मनाने की कोशिश में हैं।

रोहिणी ने अपने जन्मदिन पर क्या संदेश दिया?

रोहिणी आचार्य ने लालू प्रसाद के साथ अपने जन्मदिन की तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा कि अपने जन्मदिन के इस विशेष दिन को अपने परिवार और अपने आराध्य पापा के साथ मनाकर मैं स्वयं को बेहद सौभाग्यशाली महसूस कर रही हूँ .. जिनके होने से सुकून भरा और मुकम्मल जीवन लगता है, उनके साथ खुशियां साझा करने से घर सच में पूरा जहान लगता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सुविचार: किसी को समझने के लिए भाषा की हमेशा आवश्यकता नहीं होती कभी-कभी उसका व्यवहार बहुत कुछ कह देता है।

पवन कल्याण पहले तेलंगाना की जनता से माफी मांगें : मंत्री पोन्नम

भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं जनसेना प्रमुख

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद विधायक कैंप कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं जनसेना प्रमुख पवन कल्याण पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पवन कल्याण ने अतीत में तेलंगाना के अस्तित्व और आत्मगौरव को ठेस पहुंचाने वाले बयान दिए हैं, इसलिए उन्हें तेलंगाना की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

इसके बाद ही उन्हें हैदराबाद में प्रस्तावित नव निर्माण सभा आयोजित करने का नैतिक अधिकार होगा। पोन्नम प्रभाकर ने आरोप लगाया कि पवन कल्याण भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं और तेलंगाना में वैमनस्य का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य गठन के समय पवन कल्याण ने राज्य निर्माण का विरोध किया था और सार्वजनिक रूप से कहा था कि तेलंगाना बनने पर उन्होंने 11 दिनों तक भोजन नहीं किया। मंत्री ने कहा कि ऐसे व्यक्ति द्वारा तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर सभा आयोजित करना लोगों की भावनाओं को आहत करने वाला है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना स्थापना दिवस प्रत्येक तेलंगानावासी के लिए गौरव और उत्सव का दिन है। किसी भी व्यक्ति को राज्य के स्थापना दिवस समारोहों में भाग लेने पर आपत्ति नहीं है, लेकिन तेलंगाना विरोधी टिप्पणियां करने वाले व्यक्ति द्वारा इसी दिन राजनीतिक सभा आयोजित करना स्वीकार्य नहीं है।

मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों राज्यों के बीच भाईचारे और सौहार्दपूर्ण संबंध बने रहने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना के लोगों को आंध्र प्रदेश से कोई विरोध नहीं है, बल्कि दोनों राज्यों के बीच अच्छे संबंधों की कामना की जाती है। लेकिन तेलंगाना की अस्मिता और आत्मसम्मान पर हमला करने वाले बयानों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पोन्नम प्रभाकर ने सवाल किया कि यदि नव निर्माण सभा वास्तव में विकास और पुनर्निर्माण के लिए है तो पवन कल्याण इसे गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल या तमिलनाडु में क्यों नहीं आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के निर्देश पर तेलंगाना में राजनीतिक ध्रुवीकरण और विद्वेष फैलाने की कोशिश की जा रही है।

मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में किसी को भी कहीं भी सभा आयोजित करने का अधिकार है, लेकिन तेलंगाना की जनता के आत्मगौरव को ठेस पहुंचाने वाले व्यक्ति को जनता जवाब देगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान सांसद और आंदोलनकारी के रूप में उन्होंने स्वयं राज्य गठन के लिए संघर्ष किया है और तेलंगाना के शहीदों तथा आंदोलनकारियों का सम्मान किया जाना चाहिए।

पोन्नम प्रभाकर ने केंद्र सरकार और भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि तेलंगाना को अपेक्षित सहयोग नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा यहां राजनीतिक लाभ लेने के लिए पवन कल्याण का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि अभिनेता के रूप में पवन कल्याण का सम्मान किया जा सकता है, लेकिन राजनीतिक रूप से यदि वे तेलंगाना विरोधी रुख अपनाते हैं तो उनका विरोध किया जाएगा। मंत्री ने पवन कल्याण से आंध्र प्रदेश के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देते हुए कहा कि वहां के लोगों ने उन्हें जनादेश दिया है।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, पेट्रोल-डीजल और गैस की बढ़ती कीमतों जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर पवन कल्याण को अपनी आवाज उठानी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि फिल्मों में देशभक्ति दिखाने के बजाय वास्तविक जीवन में जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करना अधिक महत्वपूर्ण है।

कागजनगर की जनसभा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ऐलान

आदिलाबाद को झोपड़ी मुक्त बनाना लक्ष्य * तूम्मिडीहेट्टी परियोजना के लिए महाराष्ट्र से सहयोग मांगा

कागजनगर, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। "प्रजा पालना-प्रगति बाट" सार्वजनिक सभा में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आदिलाबाद जिले के विकास, आवास, सिंचाई और किसानों के मुद्दों पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य आदिलाबाद को विकास के मार्ग पर अग्रसर करना और आदिवासी-गिरिजन समुदाय के लोगों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों के लोगों ने उनसे पक्के मकानों की मांग की थी, जिसके बाद सरकार ने संबंधित विधानसभा क्षेत्र में 3,500 आवासों के साथ-साथ आईटीडीए क्षेत्रों में अतिरिक्त 21 हजार आवास मंजूर किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी इच्छा आदिलाबाद जिले को पूरी तरह झोपड़ी मुक्त जिले के रूप में देखने की है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले के किसी भी आदिवासी गुड़ेम (बस्ती) में एक भी झोपड़ी दिखाई नहीं देनी चाहिए और आवश्यकता के अनुसार सभी पात्र परिवारों को आवास स्वीकृत किए जाएं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि इंदिरम्मा आवास योजना के तहत बिलों के भुगतान में एक दिन की भी देरी नहीं की गई है। सरकार ने एक वर्ष के भीतर एक लाख इंदिरम्मा आवासों का गृह प्रवेश पूरा कराया है। उन्होंने आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास को निर्देश देते हुए कहा कि 17 सितंबर 2026 तक एक और लाख मकानों का गृह प्रवेश कराया जाए। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में 2.50 लाख अतिरिक्त

आवासों का निर्माण भी शुरू किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिनके पास मकान नहीं हैं उनकी सूची तैयार कर सरकार को सौंपें, मकान उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। सिंचाई परियोजनाओं पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना से आदिलाबाद जिले को एक एकड़ भूमि के लिए भी पानी नहीं मिला। इसी कारण राज्य सरकार ने तूम्मिडीहेट्टी परियोजना का निर्माण कर लगभग ढाई लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया है, लेकिन अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक मंच से महाराष्ट्र सरकार से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि आदिलाबाद के किसानों की आवश्यकताओं को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि तूम्मिडीहेट्टी परियोजना पूरी होने पर गुरुत्वाकर्षण प्रणाली के माध्यम से लाखों एकड़ भूमि को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से भी इस मुद्दे पर मध्यस्थता कर महाराष्ट्र सरकार से बातचीत कराने का आग्रह किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि किसानों के हितों के लिए वह किसी भी स्तर तक जाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वह स्वयं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के घर जाकर भी इस विषय पर चर्चा करेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पोलावरम परियोजना के लिए सात मंडलों का हस्तांतरण किया गया था, तो तेलंगाना के लिए महाराष्ट्र से दो हजार एकड़ भूमि उपलब्ध कराने में केंद्र को पहल करनी चाहिए। धान खरीद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष 75 लाख क्विंटल धान की खरीद की है, लेकिन केंद्र सरकार राज्य द्वारा खरीदे गए धान, भीगे हुए धान और मक्का की खरीद के लिए आगे नहीं आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने के बावजूद केंद्र सरकार एक भी दाना खरीदने को तैयार नहीं है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी से इस विषय में जिम्मेदारी लेने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि 15 जून तक केंद्र सरकार धान खरीद की व्यवस्था नहीं करती है तो किसान धान लेकर उनके निवास के सामने प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि 15 जून के बाद आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी और किसानों से इसमें समर्थन देने की अपील की।

जीएचएमसी सीमा में 20 किलोलीटर मुफ्त पानी योजना के लिए 75 करोड़ रुपये जारी

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन एवं शहरी विकास (एमए एंड यूडी) विभाग ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) सीमा के भीतर लागू 20 किलोलीटर मुफ्त पानी आपूर्ति योजना के लिए हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) को 75 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति राशि जारी की है। यह योजना पूर्व बीआरएस सरकार द्वारा जनवरी 2021 में जीएचएमसी क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए शुरू की गई थी। योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति माह 20 किलोलीटर तक पानी मुफ्त प्रदान किया जाता है।

एचएमडब्ल्यूएसएसबी के रिकॉर्ड के अनुसार, अब तक आधार से जुड़े 6.5 लाख से अधिक उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठा चुके हैं।

अधिकारियों का कहना है कि योजना के क्रियान्वयन के कारण बोर्ड को लगभग 350 करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई के लिए सरकार द्वारा बजटीय प्रावधान किया गया था।

इसी क्रम में सोमवार को एमए एंड यूडी विभाग ने 75 करोड़ रुपये जारी करने की प्रशासनिक मंजूरी दी। एचएमडब्ल्यूएसएसबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। योजना के तहत 20 किलोलीटर तक पानी उपयोग करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को 'शून्य जल बिल' का लाभ मिलता है। इसके लिए सभी उपभोक्ताओं के पास कार्यशील जल मीटर होना अनिवार्य है, ताकि खपत का सही रिकॉर्ड रखा जा सके। साथ ही उपभोक्ताओं को अपना मोबाइल नंबर अपने उपभोक्ता खाता संख्या (सीएएन) से लिंक करना आवश्यक है।

निर्दिष्ट झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों को इस योजना के तहत मीटर लगाने की अनिवार्यता से छूट दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य शहरी उपभोक्ताओं को राहत देना और बुनियादी जल आपूर्ति को सुलभ बनाना है।

प्रजावाणी में 129 शिकायतें प्राप्त, त्वरित समाधान के निर्देश

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त होने वाली शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाए तथा किसी भी आवेदन को लंबित न रखा जाए। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित कुल 129 शिकायतें जिला कलेक्टर को सौंपीं। इस दौरान कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रजावाणी जनसमस्याओं के समाधान का एक प्रभावी मंच है और अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। साथ ही स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, प्राप्त 129 आवेदनों में से 28 आवेदन राजस्व विभाग से संबंधित थे, जबकि 101 आवेदन अन्य विभागों से जुड़े हुए थे। बैठक के बाद जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रजापालना प्रगति योजना के अंतर्गत 2 से 12 जून तक आयोजित होने वाले पर्यावरण संरक्षण एवं वन जागरूकता सप्ताह को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाए।

फरार नेपाली अपराधियों की तलाश में जुटी एसआईटी

पुराने मामलों को खंगाल रही पुलिस

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने चोरी और हत्या समेत विभिन्न मामलों में फरार नेपाली नागरिकों का पता लगाने के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के माध्यम से पुराने मामलों की समीक्षा शुरू कर दी है। एसआईटी पिछले कई वर्षों में दर्ज मामलों का रिकॉर्ड जुटाकर फरार आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में गठित इस एसआईटी में केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीएस), टास्क फोर्स, साइबर क्राइम विंग, आईटी सेल और विभिन्न पुलिस थानों के कुल 20 पुलिसकर्मी शामिल हैं। टीम में सब-इंस्पेक्टर, हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल स्तर के अधिकारी भी शामिल किए गए हैं।

यह कार्रवाई जुबली हिल्स क्षेत्र में एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की पत्नी की हत्या की घटना के बाद शुरू की गई है। इस मामले में घरेलू नौकरानी और उसके साथियों पर हत्या का आरोप है। घटना के बाद हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने विशेष जांच दल के गठन के निर्देश दिए थे। पुलिस के मुताबिक एसआईटी पिछले छह से आठ वर्षों के दौरान नेपाली नागरिकों से जुड़े मामलों का डेटा एकत्र कर उसका दस्तावेजीकरण कर रही है। प्रारंभिक जांच में ऐसे करीब 60 मामले सामने आए हैं, जिनकी विस्तार से समीक्षा की जा रही है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अधिकांश मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, लेकिन कुछ आरोपी अब भी फरार हैं। टीम उपलब्ध साक्ष्यों और सुरागों का विश्लेषण कर इन फरार आरोपियों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पुलिस का कहना है कि पुराने मामलों की समीक्षा पूरी होने के बाद फरार व्यक्तियों की सूची तैयार की जाएगी और उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा एसआईटी को लंबित गैर-जमानती वारंटों के निष्पादन तथा ऐसे अपराधों से जुड़े संभावित संगठित आपराधिक नेटवर्क की पहचान करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी, जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जनगणना-2027 के अंतर्गत मकानों की सूचीकरण एवं आवास जनगणना के प्रथम चरण के कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। सोमवार को जनगणना कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित टेलीकॉन्फ्रेंस में कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ जिले में चल रहे आवास जनगणना कार्य की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है और इससे प्राप्त आंकड़े भविष्य की नीतियों एवं योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि जनगणना कर्मी अपने निर्धारित क्षेत्रों में प्रत्येक घर का दौरा करें और केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक विवरणों का सही एवं पूर्ण रूप से संकलन करें।

जेईई एडवांस्ड 2026 में हैदराबाद के मोहित शेखर शुक्ला ने हासिल की टॉप रैंक में जगह

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईटी रुड़की द्वारा सोमवार को घोषित जेईई एडवांस्ड 2026 के परिणामों में हैदराबाद के छात्र मोहित शेखर शुक्ला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पांच रैंकों में स्थान हासिल किया है। उन्होंने तेलंगाना में चौथा स्थान प्राप्त किया है और आईआईटी-मद्रास जोन में भी टॉप किया है। इस जोन में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु शामिल हैं। मोहित ने बताया कि परीक्षा के बाद उन्हें अच्छे परिणाम की उम्मीद थी और वह अपनी उपलब्धि से बेहद खुश हैं। मोहित ने श्री चैतन्य आईआईटी अकादमी से पढ़ाई की है और अब उनका लक्ष्य आईआईटी बॉम्बे से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य भविष्य में अच्छी प्लेसमेंट और तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाना है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी और प्रतिदिन 8 से 10 घंटे अध्ययन किया। मोहित के अनुसार, उनका ध्यान पूरी तरह जेईई एडवांस्ड में बेहतर प्रदर्शन पर केंद्रित था। परिवार के अनुसार, मोहित को बचपन से मोबाइल फोन का सीमित उपयोग कराया गया और उनका मुख्य ध्यान पढ़ाई पर ही रखा गया। उनके पिता ने बताया कि यदि कुछ छोटी गलतियाँ न होतीं तो वह और बेहतर रैंक हासिल कर सकते थे। इस परीक्षा में देशभर से बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 1,87,389 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1,79,694 परीक्षा में शामिल हुए और 56,880 छात्र सफल घोषित किए गए। आईआईटी दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक प्राप्त कर परीक्षा में टॉप किया, जबकि इसी जोन की आरोही देशपांडे ने महिला वर्ग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया और अखिल भारतीय रैंक 77 हासिल की।

तकनीकी खराबी से कैंटोनमेंट क्षेत्र में संपत्ति पंजीकरण रुका

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड (एससीबी) क्षेत्र में अचल संपत्तियों के पंजीकरण का कार्य सोमवार को तकनीकी कारणों से बाधित हो गया। अधिकारियों के अनुसार, आईजीआरएस (पंजीकरण एवं स्टाम्प विभाग) पोर्टल में आवश्यक अपडेट नहीं होने के कारण संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया प्रभावित हुई। हाल ही में तेलंगाना के पंजीकरण एवं स्टाम्प आयुक्त तथा महानिरीक्षक (आईजीआरएस) ने एससीबी को 1 जून से संपत्ति हस्तांतरण कर (टीपीटी) सीधे वसूलने की अनुमति प्रदान की थी। इसके बाद नई व्यवस्था लागू की जानी थी, लेकिन पोर्टल में तकनीकी समस्या आने से प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी।

बोवेनपल्ली स्थित उप-पंजीयक कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि आईजीआरएस पोर्टल को अभी तक नई व्यवस्था के अनुरूप अपडेट नहीं किया गया है। इसके चलते एससीबी द्वारा सीधे टीपीटी शुल्क वसूली की सुविधा सक्रिय नहीं हो पाई और संपत्ति पंजीकरण अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। अधिकारियों के अनुसार, पोर्टल में आवश्यक संशोधन होने तक संपत्ति पंजीकरण का कार्य शुरू नहीं किया जा सकेगा। नई व्यवस्था के तहत संपत्ति मालिकों को आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से 6 प्रतिशत शुल्क और शेष 5 प्रतिशत टीपीटी शुल्क एससीबी पोर्टल पर जमा करना है।

एससीबी अधिकारियों ने बताया कि इस तकनीकी समस्या को दूर करने के लिए आईजीआरएस विभाग के साथ लगातार संपर्क किया जा रहा है और उम्मीद है कि जल्द ही पोर्टल को अपडेट कर दिया जाएगा, जिसके बाद पंजीकरण प्रक्रिया सामान्य हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 6 अप्रैल को आयोजित बोर्ड बैठक में एससीबी ने एक प्रस्ताव पारित कर संपत्ति हस्तांतरण कर की वसूली का अधिकार अपने हाथ में लेने का निर्णय लिया था। बोर्ड का आरोप है कि राज्य सरकार कई वर्षों से संपत्ति पंजीकरण के दौरान टीपीटी शुल्क वसूल रही है, लेकिन वर्ष 2016 से अब तक लगभग 73 करोड़ रुपये की राशि कैंटोनमेंट फंड खाते में जमा नहीं कराई गई है।

अप्रैल में तेलंगाना का कर्ज राजस्व से अधिक

वित्तीय दबाव बढ़ने के संकेत

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की वित्तीय स्थिति को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की ताजा रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2026 में राज्य सरकार द्वारा लिया गया ऋण उसकी कुल राजस्व प्राप्तियों से अधिक रहा। सरकार ने अप्रैल माह में बाजार से 11,413.93 करोड़ रुपये का ऋण जुटाया, जबकि कर राजस्व, गैर-कर राजस्व और केंद्र से प्राप्त अनुदानों सहित कुल राजस्व प्राप्तियां 10,974.73 करोड़ रुपये रहीं।

आंकड़ों के अनुसार सरकार ने करों से प्राप्त प्रत्येक 100 रुपये के मुकाबले लगभग 108 रुपये उधार लिए। राज्य का कर राजस्व 10,598.33 करोड़ रुपये रहा, जो एक माह में लिए गए कुल ऋण से करीब 816 करोड़ रुपये कम है। राज्य को जीएसटी से 3,155 करोड़ रुपये, बिक्री कर से 2,923 करोड़ रुपये, राज्य उत्पाद शुल्क से 1,445 करोड़ रुपये, स्टाम्प एवं पंजीकरण शुल्क से 1,413 करोड़ रुपये तथा केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में 1,260 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

सीएजी रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में राज्य को 8,526.59 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा भी हुआ। इसका अर्थ है कि राजस्व प्राप्तियां राजस्व व्यय की पूर्ति के लिए पर्याप्त नहीं थीं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सरकार ने अपने बजट में 6,857.76 करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष का अनुमान प्रस्तुत किया था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अप्रैल माह में राज्य का राजकोषीय घाटा 11,413.93 करोड़ रुपये रहा, जो सरकार द्वारा लिए गए कुल ऋण के बराबर है। वित्तीय वर्ष के पहले ही महीने में यह स्थिति राज्य की वित्तीय चुनौतियों को दर्शाती है। अप्रैल में राज्य की कुल प्राप्तियां 22,392.28 करोड़ रुपये रहीं, जिनमें आधे से अधिक हिस्से की पूर्ति उधार लेकर की गई।

व्यय के मोर्चे पर सरकार ने अप्रैल में कुल 21,472.31 करोड़ रुपये खर्च किए। इसमें 19,501.32 करोड़ रुपये राजस्व व्यय के रूप में खर्च हुए। वेतन पर 4,449.24 करोड़ रुपये, पेंशन पर 1,893.11 करोड़ रुपये, ब्याज भुगतान पर 2,350.90 करोड़ रुपये और सब्सिडी पर 4,727.38 करोड़ रुपये खर्च किए गए। वहीं पूंजीगत व्यय 1,970 करोड़ रुपये रहा, जबकि पूरे वर्ष के लिए इसका अनुमान 47,267 करोड़ रुपये रखा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि वित्तीय वर्ष का पहला महीना पूरे वर्ष की तस्वीर नहीं दर्शाता, लेकिन शुरुआती आंकड़े राज्य की वित्तीय चुनौतियों की ओर संकेत करते हैं। ऐसे में आने वाले महीनों में राजस्व बढ़ाने और घाटे को नियंत्रित करने की सरकार की क्षमता पर नजर रहेगी। तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा विभिन्न नई योजनाओं की शुरुआत के बीच वित्तीय प्रबंधन का मुद्दा प्रमुख चर्चा का विषय बन सकता है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, KANCHANA Spouse of No- JC-774233H, Rank-SUB, Name-Sathish D Residing at Vill & PO- 197 Ramapuram, Teh-Gudipala, District-Chittoor, PIN-517403, State-Andhra Pradesh. I have changed my name from *KANCHANA* to *D KANCHANA* Affidavit dated 22 May 2026 before 1. Spl Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri Dist,at L.B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पांचवीं पुण्यतिथि

स्व. श्री सुरेशजी आगलेचा
सुपुत्र : श्रीमती डगरीबाई - केसारामजी आगलेचा
मरुधर में खींवाड़ा (कोलपुरा) : स्वर्गवास : 02.06.2021
स्नेह आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको।
* श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : मीराबाई (बड़ी माताजी), डगरीबाई-केसाराम (माताजी-पिताजी), मनाराम (भाई), हंसाराम-लक्ष्मी, चम्पालाल-मंजूदेवी (भाई-भाभी), पुष्पादेवी (धर्मपत्नी), कमलादेवी-चुन्नीलालजी, झमकुदेवी-कालुरामजी, पौनीदेवी-अमरारामजी, मंजूदेवी-रमेशजी, भंवरीदेवी-रमेशजी, संतोषदेवी-भेरारामजी (बहन-बहनोई), निधि, तनु, आरवी (पुत्री), कमलेश, रविन्द्र, प्रवीण, पवन (भतीज), सरिता (भतीजी) एवं समस्त आगलेचा परिवार
फर्म : पवन मार्केटिंग, पवन टूल्स-अलकापुरी
श्री बाबारामदेव ट्रेडिंग कम्पनी-करमनघाट
9989633010, 9441034958
AAIMAA ADS

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 2 जून - 2026

दहेज का दुष्चक्र

किसी भी सभ्य और विकसित समाज की पहचान समानता, सम्मान और न्याय से होती है। जब स्त्री और पुरुष को समान अधिकार प्राप्त हों तथा किसी भी प्रकार के भेदभाव और शोषण के लिए जगह न हो, तभी वास्तविक विकास संभव है। दुर्भाग्यवश, आज भी भारतीय समाज दहेज जैसी कुप्रथा से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है। यह प्रथा न केवल महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाती है, बल्कि अनेक परिवारों के लिए पीड़ा और त्रासदी का कारण भी बनती है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दहेज प्रथा पर कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे अत्यंत शर्मनाक बताया। न्यायालय ने कहा कि एक ओर लड़की के परिवार से उपहार और धनराशि ली जाती है, वहीं दूसरी ओर उन्हें बोझ और जिम्मेदारी का एहसास कराया जाता है। यह टिप्पणी केवल एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को उजागर करती है जो आज भी विवाह को आर्थिक लेन-देन का माध्यम मानती है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दहेज के लिए महिला और उसके परिवार को प्रताड़ित करना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। विडंबना यह है कि दहेज निषेध कानून और अन्य कठोर कानूनी प्रावधानों के बावजूद यह कुप्रथा समाप्त नहीं हो सकी है। इसका प्रमुख कारण सामाजिक सोच और व्यवस्था की कमजोरियां हैं। कानून अपराधियों को दंडित कर सकता है, लेकिन समाज की जड़ जमाए मानसिकता को बदलने के लिए व्यापक जागरूकता और सामाजिक सुधार आवश्यक हैं। आज भी अनेक परिवार सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर दहेज को सामान्य परंपरा मानते हैं, जिससे यह समस्या लगातार बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े इसकी गंभीरता को रेखांकित करते हैं। वर्ष 2017 में देश में दहेज हत्या के 7,466 मामले दर्ज हुए थे। जनवरी से नवंबर 2024 के बीच दहेज हत्या के 5,737 मामले सामने आए, जबकि वर्ष 2023 में दहेज प्रताड़ना से जुड़े 15 हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए। ये आंकड़े बताते हैं कि दहेज आज भी हजारों महिलाओं के जीवन को प्रभावित कर रहा है। वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है, क्योंकि सामाजिक दबाव, बदनामी का भय और जागरूकता की कमी के कारण कई पीड़िताएं शिकायत दर्ज नहीं करा पातीं। दहेज की समस्या केवल आर्थिक शोषण तक सीमित नहीं है। इसके कारण महिलाओं को मानसिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और सामाजिक अपमान का सामना करना पड़ता है। कई मामलों में पुलिस और स्थानीय स्तर पर समझौते का दबाव भी बनाया जाता है। यह प्रवृत्ति कानून के प्रभाव को कमजोर करती है और अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है। दहेज उन्मूलन के लिए कानूनी कठोरता के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना, विवाह को आर्थिक सौदे के बजाय सम्मानजनक संबंध के रूप में स्थापित करना तथा जांच तंत्र को अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनाना समय की मांग है। दहेज मांगने वालों के प्रति सामाजिक अस्वीकार्यता विकसित किए बिना इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। दहेज प्रथा आधुनिक भारत पर लगा एक गहरा कलंक है। यदि महिलाओं को वास्तविक सम्मान और समानता प्रदान करनी है, तो समाज, सरकार और न्याय व्यवस्था को मिलकर इस कुप्रथा के खिलाफ निर्णायक संघर्ष छेड़ना होगा। तभी एक संवेदनशील, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील भारत का निर्माण संभव होगा।

रवि लामिछाने की भारत यात्रा से सुलझेगा सीमा विवाद

अशोक भाटिया

नेपाल की सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने आज 1 जून को भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद सत्ताधारी पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता की यह पहली भारत यात्रा है। लामिछाने का दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री बालेन शाह के संसद में पहले भाषण में भारत को लेकर दिए बयान पर नेपाल की राजनीति गरमाई हुई है।लामिछाने का यह दौरान भारत की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन के निमंत्रण पर हो रहा है। नई दिल्ली प्रवास के दौरान लामिछाने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें करने की उम्मीद है। वे बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत करेंगे। लामिछाने के बीजेपी मुख्यालय जाने की भी उम्मीद है।

यात्रा से परिचित सूत्रों का कहना है कि लामिछाने की भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बैठक आयोजित करने के प्रयास जारी हैं। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस यात्रा के दौरान लामिछाने की पत्नी निकिता पौडेल, आरएसपी के महासचिव बिपिन आचार्य, सांसद दीपक बोहरा और प्रदीप आचार्य साथ रहेंगे। गौरतलब है कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने संसद में सीमा विवाद को लेकर कहा था कि नेपाल ने भी भारत की जमीनों पर कब्जा किया है। इस बयान से नेपाल विवाद पैदा हो गया, जिसके बाद अब वहां के विदेश मंत्रालय ने इस मामले पर सफाई भी दी । रविवार को एक बयान जारी करते हुए विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री शाह की टिप्पणी दोनों देशों के बीच 'नो-मैन्स लैंड' और सीमा पार के कब्जे से जुड़ी हुई थी।

बयान में कहा गया कि भारत के साथ नेपाल की वर्तमान सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बयान में कहा, 'नेपाल-भारत सीमा क्षेत्र में लिम्पियाधुरा, लिपुलेख, कालापानी और सुस्ता ऐसे क्षेत्र हैं जिनका सीमांकन किया जाना अभी बाकी है। नेपाल और भारत दोनों ने कूटनीतिक माध्यमों और आपसी चर्चा से सीमा मुद्दों को सुलझाने की प्रतिबद्धता जताई है।' नेपाली प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के बाद नेपाल में विवाद शुरू हो गया है। नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने बालेन शाह की टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए संसद के रिकॉर्ड से हटाने की मांग की। विपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री को सबूत पेश करने चाहिए या अपना बयान वापस लेना चाहिए। भारत और नेपाल के बीच वर्षों से चले आ रहे सीमा विवाद पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की एक टिप्पणी अब एक और ने नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि केवल भारत ने ही नहीं, बल्कि नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया है। संसद में दिए गए उनके बयान के बाद विपक्ष ने सवाल उठाए। इस पर नेपाल के विदेश मंत्रालय को आधिकारिक सफाई जारी करनी पड़ी। ज्ञात हो कि इस वर्ष नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने बालेन शाह पहली बार अपने देश की संसद को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण के दौरान उन्होंने भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर जारी सीमा विवाद का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने विवाद के समाधान के लिए दोनों देशों को मित्रतापूर्ण बातचीत की सलाह दी, लेकिन इसी दौरान दिया गया उनका एक बयान चर्चा का विषय बन गया।

35 वर्षीय प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें एक ऐसी जानकारी मिली जिसने उन्हें भी हैरान कर दिया। उनके अनुसार, केवल भारत ने ही नेपाली क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की मदद से तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए और फिर मित्र देशों की तरह बैठकर इस मुद्दे का समाधान निकालना चाहिए। बालेन शाह ने नेपाल संसद को बताया कि नेपाल ने सीमा विवाद से जुड़े मुद्दों को चीन और ब्रिटेन के समक्ष भी उठाया है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन को इस पर रुचि लेनी चाहिए, क्योंकि यह मुद्दा उसी समय का है, जब उन्होंने देश छोड़ा था। ब्रिटेन का उल्लेख उन्होंने क्षेत्र में उसके औपनिवेशिक इतिहास के संदर्भ में किया। प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर नेपाल की राजनीति में तुरंत प्रतिक्रिया देखने को मिली। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के रमेश मल्ला समेत कई विपक्षी सांसदों ने बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री या तो अपने दावे के समर्थन में प्रमाण पेश करें या फिर बयान वापस लें। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी कथित तौर पर प्रधानमंत्री से माफी मांगने की मांग कर डाली ।

नेपाल-भारत सीमा मामलों के विशेषज्ञ और भूगोलवेत्ता बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने प्रधानमंत्री के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण किए जाने का कोई उदाहरण नहीं है। हालांकि, उन्होंने माना कि कुछ सीमावर्ती इलाकों में सीमा स्तंभों के गायब होने और लोगों के आवागमन के कारण दोनों देशों के किसानों ने एक-दूसरे की जमीन का उपयोग किया है, लेकिन इसे सरकारी स्तर पर अतिक्रमण नहीं कहा जा सकता। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के पास नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने संबंधी कोई ठोस जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत और नेपाल के बीच लगभग 97 प्रतिशत सीमा विवाद पहले ही सुलझाए जा चुके हैं। कुछ इलाकों में सीमा स्तंभों के अभाव के कारण भूमि उपयोग में ओवरलैप हो सकता है, लेकिन नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कब्जे का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है।प्रधानमंत्री के बयान के कुछ घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी किया। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक तौर पर भारतीय भूमि पर कब्जा कर लिया है। मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने सीमा क्षेत्र में मौजूद 'नो मैन्स लैंड' और दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन के उपयोग से जुड़ी परिस्थितियों का उल्लेख किया था।सफाई में कहा गया कि कुछ ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं जहां भारतीय नागरिकों द्वारा उपयोग की जा रही भूमि नेपाल की सीमा में आती हो और इसी तरह कुछ नेपाली नागरिक भारतीय क्षेत्र में स्थित भूमि का उपयोग कर रहे हों। मंत्रालय ने इसे 'सीमा पार भूमि उपयोग' और 'क्रॉस-बॉर्डर ऑक्युपेशन' से जुड़ा मामला बताया। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि दोनों देशों की तकनीकी टीमें और सीमा संबंधी तंत्र सीमा स्तंभों की मरम्मत, निर्माण और दशगजा क्षेत्रों से जुड़े आंकड़े एकत्र करने का काम लगातार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ सप्ताह पहले ही नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई थी।

'इबोला' का कहर और खौफ के साये में भारत

हर्षवर्धन पान्डे

कांगो में तेजी से फैल रहे इबोला वायरस ने पूरी दुनिया के सामने एक बार फिर से गहरी चिंता बढ़ा दी है। यह बीमारी अफ्रीका के जंगलों से निकलकर पूरी दुनिया को नई चेतावनी दे रही है। इस प्रकोप का मुख्य केन्द्र कांगो के इटुरी प्रांत में केंद्रित है, जहां अभी तक एक हजार से अधिक मामले सामने आए हैं और संक्रमण की चपेट में आने से 250 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। कांगों में करीब 1000 से अधिक लोग संदिग्ध मरीज बताए जा रहे हैं। बीमारी के बढ़ते हुए प्रभाव को देखते हुए युगांडा में भी इबोला वायरस से जुड़े कई मामले दर्ज किए गए हैं। हालात कितने भयावह हैं यह इस बात से समझ सकते हैं कि इबोला अब सिर्फ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि 10 अफ्रीकी देशों को भी अपने संक्रमण की चपेट में ले चुका है। इसी को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इबोला वायरस को 'वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्रतिनिधि ऐन एन्सिया ने चेतावनी दी है कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला ज्यादा तेजी से फैल रहा है। डॉ. एन्सिया ने बताया कि लगातार हो रही जांचों से यह साफ़ होता जा रहा है कि यह बीमारी दूसरे इलाकों में भी फैल रही है। इबोला का कहर दुनिया में पहले भी होता रहा है लेकिन तब इसका इतना व्यापक स्तर पर प्रसार नहीं हुआ था लेकिन वैज्ञानिक इसके नए स्ट्रेन पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। 2014-16 में पश्चिम अफ्रीका में इबोला के चलते 28,000 से ज्यादा मामले और 11,000 से ज्यादा मौतें हुई थी। वर्तमान में बंडीबुग्यो स्ट्रेन के आने और वायरस के रूप बदलने से वैज्ञानिकों के माथे पर भी चिंता की लकीरें हैं क्योंकि मौजूदा दौर में इसकी रोकथाम के लिए कोई वैक्सीन भी नहीं है। भारत में अब तक इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन दुनिया के अनुभवों को देखते हुए यहाँ भी इस दौर में खौफ का साया गहरा है। हवाई अड्डों पर विशेष जांच और निगरानी की जारी है। संक्रमण के लक्षण पाए जाने के बाद आइसोलेशन का प्रोटोकॉल भी शुरू कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग लगातार हालातों की मॉनिटरिंग कर रहा है लेकिन फिर भी भारत में चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत कोरोना के अनुभव से सीख ले चुका है लिहाजा इस समय स्क्रीनिंग,आइसोलेशन और जागरूकता अभियान चलाए जाने पर सरकार का विशेष जोर है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी जैसे संस्थान लगातार पल- पल की बदलती घटनाओं पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और रैपिड रिस्पॉन्स टीमों के माध्यम से इबोला के प्रकोप को रोकने की दिशा में मजबूती के साथ कार्य कर रहे हैं। बीते दिनों युगांडा से लौटी एक महिला बेंगलुरु में और गुजरात में एक अन्य यात्री के लक्षणों ने देश में हड़कंप मचा दिया था। दोनों संदिग्ध मामले नेगेटिव पाए गए लेकिन तभी से सरकार ने अपनी सतर्कता बढ़ा दी है। पहली बार भारत-अफ्रीका फोरम समिट को इबोला के चलते स्थगित कर दिया गया है। एक तरफ जहाँ सरकार ने हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग सख्त कर दी है वहीं अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों के लिए स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की जा रही है। लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह भी दी गई है लेकिन लोगों के जेहन में मौजूदा दौर में यह सवाल उठ रहा है क्या इबोला भारत पहुंच जाएगा? क्या यह कोरोना से भी खतरनाक साबित होगा? इबोला वायरस फिलोविरिडे परिवार का सदस्य है। यह चमगादड़ जैसे जानवरों से मनुष्यों में फैलता है और फिर व्यक्ति-से-व्यक्ति संपर्क से फैलता है। तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त और अंत में आंतरिक रक्तस्राव लक्षण दिखने में एक से तीन हफ्ते लग सकते हैं। इबोला वायरस और संक्रमण के अधिकतर लक्षण एक-समान लगते हैं। तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, त्वचा पर चकत्ते, उल्टी, दस्त, थकान, बेहद कमजोरी, गले में खराश आदि इबोला वायरस के शुरुआती लक्षण हैं। आंख, नाक, कान या मल-मूत्र के रास्ते आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव होना भी महत्वपूर्ण लक्षण है। इबोला से संक्रमित जानवरों (चमगादड़ या बंदर) का मांस खाने से भी यह संक्रमण फैलता है। इसमें मृत्यु दर 25% से 90% तक है, जो वायरस के स्ट्रेन और इलाज की उपलब्धता पर निर्भर करती है। इसका संक्रमण इतना भयावह है कि पहली बार अनेक यूरोपीय देशों समेत अमरीका, भारत आदि को 'हाई अलर्ट' घोषित करना पड़ा है। कनाडा ने तो कुछ समय के लिए वीजा जारी करने पर ही रोक लगा दी है। ख़ास बात ये है कि इबोला वायरस जानवरों, मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों को संक्रमित करते हैं लेकिन अगर लोग उनके सीधे संपर्क में आते हैं तो वे भी संक्रमित हो सकते हैं। इस प्रकोप का कारण इबोला वायरस की बुडिचुग्यो प्रजाति है। यह उन तीन प्रजातियों में से एक है जिनके कारण संक्रमण फैलता है। इबोला वायरस की अन्य प्रजातियों के विपरीत बुडिचुग्यो के लिए कोई भी टीका या दवा उपलब्ध नहीं है। कुछ प्रायोगिक दवाएं अवश्य मौजूद हैं। वायरस के संक्रमण को पुष्टि करने वाले टेस्ट बहुत कारगर नहीं हैं।

भारत की बड़ी आबादी, घनी बसावट ,स्वास्थ्य सुविधाओं की असमानता कोई भी वायरस फैलने पर मुश्किलें बढ़ा सकती है। अफवाहें, रीलबाजी का कल्चर और सोशल मीडिया पर फैलने वाली गलत सूचनाएं मौजूदा दौर में खौफ को बढ़ा सकती हैं। कोरोना काल को लोग अभी तक नहीं भूले हैं जहाँ फेक न्यूज के प्रसार ने कोरोना काल में समाज में भारी दहशत, अफवाहें और भ्रम की स्थिति पैदा कर दी थी। तब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'इन्फोडेमिक' यानी सूचना महामारी का नाम दिया था। कोरोना महामारी के दौरान सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाण के काढ़े, घरेलू नुस्खों और चमत्कारी इलाजों के दावे धड़ल्ले से वायरल हुए। सोशल मीडिया पर लगातार वायरल होने वाले फर्जी संदेशों ने लोगों में इतना भय भर दिया कि लोग मानसिक तनाव में आ गए। इस बार भी दुनिया में फैल रहे इबोला का सबसे बड़ा हथियार डर है। डर से लोग लक्षण छिपाते हैं, अस्पताल नहीं जाते और इलाज में देरी होती है। भय, तनाव, असहाय स्थितियां इसलिए भी हैं क्योंकि अभी तक इबोला लाइलाज है। दुनिया में एक भी टीका या गोली अथवा कैप्सूल ऐसा नहीं है, जो इबोला का इलाज कर सके। सीरम इंस्टीट्यूट, पुणे और ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से इबोला के टीके पर अभी शोध कार्य कर रहे हैं। भरोसा है कि आने वाले दिनों में एक टीका बाजार में उपलब्ध होगा। रूस का भी दावा है कि उसके डॉक्टर और शोधकर्ता भी इबोला के टीके की खोज कर चुके हैं और जल्द ही यह दुनिया के बाज़ार को उपलब्ध होगा।

अफ्रीकी देशों में ही तीन बार

महंगाई की चक्की में पिसता वो अनाज, जिसकी रोटी सब खा रहे हैं

आरके जैन

भारत की आर्थिक कहानी में एक ऐसा पात्र है जो हर अध्याय में मौजूद रहता है, लेकिन जिसकी पीड़ा अक्सर फुटनोट बनकर रह जाती है। यह पात्र है-मध्य वर्ग। यह वही जीवन है जो हर सुबह उम्मीद जोड़ता है और हर रात हिसाब में उलझकर टूटता थोड़ा और है। विकास, कर और उपभोग की सबसे भारी जिम्मेदारी इसी के कंधों पर है, फिर भी सुविधाएँ इसके हिस्से में हमेशा कम पड़ जाती हैं। न यह इतना कमजोर है कि योजनाओं का पूरा लाभ ले सके, न इतना सक्षम कि महंगाई और करों का दबाव सहज झेल पाए-इसलिए यह लगातार सिकुड़ती आर्थिक खाई में फँसता जा रहा है। वर्ष 2026 में स्थिर आय, बढ़ती कीमतें और ईंधन का बोझ इसे और अधिक नीरव पीड़ा में धकेल रहे हैं।

अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाने वाला मध्य वर्ग आज उसी व्यवस्था के सबसे तीखे दबाव में है-विडंबना यह कि जिस मशीन को वह चलाता है, उसका सबसे भारी बोझ भी वही उठाता है। उपभोग, कर और नकदी प्रवाह की धुरी होने के बावजूद उसकी आय का अधिकांश हिस्सा रोज़मर्रा खर्चों में ही समाप्त हो जाता है; शहरों में किराया कमाई को निगलता है, ईएमआई आय को जकड़ती है, राशन और शिक्षा का बढ़ता खर्च लगातार दबाव बनाता है। कर राहतें महंगाई की रफ्तार के आगे कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे बचत घटती है और भविष्य और अधिक अनिश्चित होता जाता है।

कीमतों की चुपचाप उठती लहरें सबसे पहले मध्य वर्ग की जेब से टकराती हैं, क्योंकि उसके पास बचाव की गुंजाइश सबसे कम होती है। पेट्रोल–डीजल महँगा होता है तो असर सिर्फ गाड़ी तक नहीं रहता-परिवहन से लेकर रसोई, बाजार और हर जरूरी सेवा की कीमतें ऊपर चढ़ जाती हैं। सब्ज़ी, दूध, दाल और रोज़मर्रा का सामान लगातार बजट को अस्थिर करता रहता है, जबकि आय उसी रफ्तार से नहीं बढ़ती। चिकित्सा खर्च तेज़ी से बढ़ रहा है और शिक्षा की लागत भी हर साल नई ऊँचाई छू रही है। न मुफ्त इलाज का सहारा है, न पूरी तरह सस्ती शिक्षा का विकल्प-हर सेवा का पूरा मूल्य चुकाकर ही यह वर्ग अपनी जरूरतें पूरी करता है।

करों की अदृश्य परतें जब आम जीवन पर चढ़ती हैं, तो सबसे पहले मध्य वर्ग की सांसें भारी हो जाती हैं। आयकर का सबसे बड़ा हिस्सा देने के बावजूद यह वर्ग लाभों की कतार में अक्सर पीछे रह जाता है। एक ओर गरीब वर्ग को योजनाओं और सब्सिडी का सहारा मिलता है, दूसरी ओर संपन्न वर्ग कर-योजनाओं से राहत निकाल लेता है-पर इनके बीच खड़ा मध्य वर्ग न पर्याप्त सहायता पा पाता है, न कर बचाने की सुविधा। बिजली, पानी, किराया और हर उपभोग वस्तु पर सीधे-परोक्ष करों का दबाव उसकी जेब को लगातार हल्का करता रहता है। नतीजतन, आय बढ़ने के बावजूद उसकी वास्तविक खरीद क्षमता धीरे-धीरे घटती जाती है। सपनों की बुनियाद माने जाने वाले आवास और शिक्षा आज मध्य वर्ग के लिए सबसे बड़ी आर्थिक चुनौती बन चुके हैं। महानगरों में किराया इतना बढ़ गया है कि आय का बड़ा हिस्सा सिर्फ छत बचाने में ही निकल जाता है, जबकि घर खरीदने का सपना लंबी ईएमआई और भारी ब्याज के बोझ में उलझकर रह जाता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी अब सस्ती नहीं रही-स्कूल फीस, परिवहन, कोचिंग और गतिविधियों के खर्च मिलकर परिवार के बजट को लगातार दबाते रहते हैं। इसी तरह स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते बीमा प्रीमियम और सीमित कवरेज हर अचानक बीमारी को आर्थिक अस्थिरता का कारण बना देते हैं, जिससे वर्षों की योजना पल भर में बिखर सकती है।

आर्थिक दबाव अब सिर्फ खातों की गणना नहीं रहा, यह जीवन की सोच और मनोस्थिति तक उतर आया है। बेहतर जीवन की चाह में लोग कर्ज और ईएमआई के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं, जहाँ इच्छाएँ बार-बार टलती हैं और जरूरतें लगातार आगे खिसकती जाती हैं। भविष्य के लिए बचत और निवेश की योजनाएँ आज के खर्चों के सामने कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे सुरक्षा की भावना धीरे-धीरे धुंधली होती जाती है। युवा पीढ़ी इस असंतुलन को देखकर भरोसे की जगह उलझन महसूस कर रही है-शिक्षा, नौकरी और स्थिरता के पुराने भरोसे अब पहले जैसे मजबूत नहीं रहे। यह स्थिति केवल आय-व्यय का अंतर नहीं, बल्कि उम्मीदों और हकीकत के बीच गहराती खामोश दूरी का संकेत है।

यह स्थिति केवल घरों की सीमाओं में कैद नहीं रहती, बल्कि पूरे देश की आर्थिक धड़कन को प्रभावित करती है। जैसे ही मध्य वर्ग की क्रय शक्ति घटती है, बाजार की रफ्तार धीमी पड़ने लगती है, उपभोग कम होता है और विकास की गति पर सीधा असर दिखता है। इसलिए इसकी समस्याओं को व्यक्तिगत बोझ मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जरूरत है वास्तविक कर सुधार, महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण, स्वास्थ्य–शिक्षा में लक्षित राहत, ईंधन करों में संतुलन और किफायती आवास नीतियों की। अगर अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले इस वर्ग को स्थिरता नहीं मिली, तो विकास की पूरी संरचना धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकती है। राष्ट्र निर्माण की धुरी अब एक नए दृष्टिकोण की माँग कर रही है, जहाँ मध्य वर्ग को केवल करदाता नहीं बल्कि वास्तविक भागीदार माना जाए। वर्षों से यह वर्ग विकास की कीमत चुकाता आया है, लेकिन अब उसके धैर्य और क्षमता दोनों की सीमाएँ स्पष्ट होने लगी हैं। जो वर्ग अर्थव्यवस्था को गति देता है, वही यदि असुरक्षा, कर्ज और अनिश्चितता के दबाव में आ जाए, तो यह स्थिति पूरे देश के लिए चेतावनी बन जाती है।

सामने आ रहे हैं लिव-इन रिलेशनशिप के दुष्परिणाम

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत सहित विश्व के अनेक देशों में पिछले कुछ वर्षों के दौरान लिव-इन रिलेशनशिप का चलन तेजी से बढ़ा है। आधुनिक जीवनशैली, शहरीकरण, आर्थिक स्वतंत्रता, शिक्षा के विस्तार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती अवधारणा ने इस व्यवस्था को समाज के एक वर्ग में स्वीकार्यता दिलाई है। लिव-इन रिलेशनशिप का मूल विचार यह है कि दो वयस्क बिना विवाह के एक साथ पति-पत्नी की तरह रहें और अपने संबंध को आगे बढ़ाने या परखने का अवसर प्राप्त करें। इसके समर्थक इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता और आधुनिक जीवन का हिस्सा मानते हैं।

किंतु हाल के वर्षों में देश के विभिन्न भागों से सामने आ रही घटनाओं ने इस व्यवस्था के कई नकारात्मक पहलुओं को भी उजागर किया है। हत्या, आत्महत्या, मानसिक उत्पीड़न, आर्थिक शोषण, विश्वासघात, कानूनी विवाद और बच्चों के भविष्य से जुड़े प्रश्न लगातार चर्चा का विषय बन रहे हैं। ऐसे में लिव-इन रिलेशनशिप के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और कानूनी प्रभावों पर गंभीर चिंतन आवश्यक हो गया है।

लिव-इन रिलेशनशिप की सबसे बड़ी चुनौती इसकी अस्थिरता मानी जाती है। विवाह एक सामाजिक, कानूनी और सांस्कृतिक संस्था है जिसके साथ जिम्मेदारियों और प्रतिबद्धताओं का स्पष्ट ढांचा जुड़ा होता है। इसके विपरीत लिव-इन संबंधों में अक्सर यह स्थायित्व और स्पष्टता नहीं होती। जब संबंध केवल पारस्परिक सहमति पर आधारित होता है और उसे समाप्त करने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत सरल होती है, तब कई बार दोनों पक्षों में दीर्घकालिक जिम्मेदारी की भावना कमजोर पड़ जाती है। परिणामस्वरूप संबंधों में असुरक्षा, अविश्वास और अनिश्चितता का वातावरण पैदा हो सकता है। यही कारण है कि अनेक मामलों में कुछ समय बाद संबंध टूट जाते हैं और दोनों पक्ष भावनात्मक संकट का सामना करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव भी चिंता का विषय हैं। किसी भी घनिष्ठ संबंध में भावनात्मक निवेश अत्यधिक होता है। यदि संबंध अचानक टूट जाए या किसी एक पक्ष द्वारा विश्वासघात किया जाए तो उसका गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। अवसाद, तनाव, चिंता, अकेलापन और आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएँ सामने आ सकती हैं।

कई समाचारों में ऐसे मामले सामने आए हैं जहाँ संबंध विच्छेद के बाद युवाओं ने आत्महत्या जैसे कदम उठाए या गंभीर मानसिक आघात का सामना किया। यह स्थिति बताती है कि केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है, बल्कि भावनात्मक परिपक्वता और जिम्मेदारी भी उतनी ही आवश्यक है।

लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े अपराधों में वृद्धि भी समाज को चिंतित कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई चर्चित मामले सामने आए जिनमें लिव-इन पार्टनर द्वारा हत्या, हिंसा या शारीरिक उत्पीड़न की घटनाएँ हुईं। यद्यपि अपराध केवल लिव-इन संबंधों तक सीमित नहीं हैं और वैवाहिक जीवन में भी घरेलू हिंसा तथा अपराध होते हैं, फिर भी लिव-इन संबंधों में पारिवारिक और सामाजिक निगरानी का अपेक्षाकृत अभाव कई बार जोखिम को बढ़ा देता है। जब कोई व्यक्ति अपने परिवार और सामाजिक नेटवर्क से दूर रहकर संबंध में होता है, तब समस्याओं के समय उसे पर्याप्त सहयोग और हस्तक्षेप नहीं मिल पाता।

अहंकार के जूते, त्याग के पाँव

सुरेश कुमार मिश्रा

बैठकखाने की दीवार पर टंगे बाबूजी के सनद, उनकी डिग्रियां ऐसे चमकती हैं जैसे किसी सामंती राजा के जीते हुए किले के नक्शे हों। बाबूजी एम.ए., एलएल.बी. हैं। उनका रुआब ऐसा है कि जब वे चाय मांगते हैं, तो लगता है जैसे हाईकोर्ट का कोई समन जारी हुआ हो। अम्मा उस समन की तामील रसोई के उस तंग, चार-बाय-चार के ब्लैक होल में करती हैं, जहां से लगातार छौंक की गंध और मसालों की जुगलबंदी उठती रहती है। वह कड़ाही और करछुल के बीच ऐसे युद्ध लड़ती हैं जैसे पानीपत की चौथी लड़ाई उन्हीं के जिम्मे हो। दाल में नमक जरा सा कम हुआ नहीं कि बाबूजी कानूनी किताब के पन्नों की तरह फड़फड़ाने लगते हैं। अम्मा बस आंचल का कोना उंगली पर लपेटती हैं, थोड़ा मुस्कुराती हैं और एक चुटकी नमक डालकर पूरे केस को रफा-दफा कर देती हैं। मध्यवर्गीय घरों में डिग्रियां दीवारों पर मुस्कुराती हैं और योग्यता रसोई के बर्तनों के मांजने की आवाज में छिपी रहती है। बाबूजी महीने के आखिरी हफ्ते में बजट का रोना रोते हुए ऐसे दिखते हैं जैसे देश के वित्त मंत्री बिना रिजर्व बैंक के बैठे हों, लेकिन अम्मा अपनी फटी हुई मखमली डिबिया से चुपके से दो सौ के मुड़े-गले नोट निकाल लाती हैं। उनका यह अर्थशास्त्र एडम स्मिथ की छाती पर मूंग दलने के लिए काफी है, पर वे कभी इसका क्रेडिट नहीं लेतीं। ये पैसे कहां से आए? बाबूजी ऐनक के ऊपर से घूरते। बस, ऐसे ही... बिल्ली के भाग्य से छींका टूट गया, अम्मा नजरें चुराकर कहतीं। तुम्हें तो अर्थशास्त्र का ककहरा भी नहीं पता, बस तुक्का लग जाता है, बाबूजी फाइल समेटते हुए बड़बड़ाते। बाबूजी की नजर में अम्मा एक ऐसी अनपढ़ मशीन थीं, जो बिना किसी तेल-पानी के बस चलती जा रही थीं। जब अम्मा को सूखी खांसी उठती, तो डॉक्टर साहब ने पांच सौ की फीस और दो हजार की दवाइयां लिख दी थीं। बाबूजी ने बटुआ देखा, फिर अम्मा को। अम्मा ने पर्चा लिया, उसे मुट्ठी में भींचकर सीधे कचरे डिब्बे के सुपुर्द कर दिया। रात को दांत के नीचे एक लौंग दबाई और सुबह तक खांसी का पूरा साम्राज्य ध्वस्त हो गया। बाबूजी ने कहा, यह सिर्फ अंधविश्वास और देहाती तुक्का है, मेडिकल साइंस के आगे इसकी क्या औकात! अम्मा चुप रहीं। वे हमेशा चुप रहती थीं, जैसे मौन ही उनका सबसे बड़ा थीसिस हो। जब घर का सिंगल बेडरूम स्पेस क्रंच की बीमारी से जूझता, तो अम्मा पुरानी बोतलों को काटकर उसमें मनीप्लांट ऐसे टांग देती थीं, मानो किसी पांच सितारा होटल की लॉबी हो। बाबूजी इसे 'कबाड़ का जमावड़ा' कहते। अम्मा तब भी हंसती थीं। उनकी हंसी में एक अजीब सा दर्शन था। वे हर त्रासदी को एक मंद मुस्कान से निगल जाती थीं, जैसे नीलकंठ ने विष पिया हो। अम्मा, तुमने कहां तक पढ़ाई की है? एक शाम मैंने उनकी फटी बिवाइयों वाले पैरों को देखते हुए पूछ ही लिया। अरे, हम तो बस छठी गिलासी हैं बाबू, उन्होंने अपनी साड़ी के पैबंद लगे छोर से माथा पोंछते हुए कहा। फिर यह सब कैसे कर लेती हो? पेट की पाठशाला में कोई क्लास नहीं होती बेटा, वहां सीधे इम्तिहान होता है उन्होंने कड़ाही चढ़ाते हुए कहा। बाबूजी की वकालत और ऊंची डिग्रियां तब धरी की धरी रह गईं, जब अचानक उनकी रीढ़ की हड्डी ने जवाब दे दिया। डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए और कहा कि अब यह कभी बिस्तर से नहीं उठ पाएंगे। घर की डिग्रियां अचानक मूक दर्शक बन गईं। तब अम्मा ने अपनी उस 'छठी गिलासी' वाली देह को एक खूंटे की तरह गाड़ दिया। वे दिन-रात बाबूजी के बिस्तर के पास बैठी रहतीं, उनके घाव धोतीं, उन्हें गोद में उठाकर वैसे ही सहलातीं जैसे किसी नवजात शिशु को संभाला जाता है। बाबूजी की आंखों का अहंकार अब पानी बनकर बह रहा था। एक रात, जब पूरा घर सन्नाटे की चादर ओढ़े सोया था, मैंने अम्मा को बाबूजी के सिरहाने बैठकर उनकी बरसों पुरानी सुनहरी जिल्द वाली एलएल.बी. की डिग्री को हाथ में लिए देखा।

विभुवन संकष्टी: 3 साल बाद आया दिव्य संयोग!

कल दूर्वा चढ़ाकर पाएं कई गुना फल

सनातन धर्म में संकष्टी चतुर्थी का व्रत भगवान गणेश की कृपा पाने का सबसे बड़ा दिन माना जाता है। विभुवन संकष्टी चतुर्थी बेहद खास है, क्योंकि यह अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) में आती है और 3 साल में सिर्फ एक बार आती है! यह चतुर्थी इस बार 3 जून 2026 को आने वाली है। इस दिन आप गणेश जी को विशेष तौर से दुर्वा चढ़ाते हैं, तो इससे आपको गणेश जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

क्यों खास है विभुवन संकष्टी चतुर्थी?

विभुवन संकष्टी चतुर्थी बेहद खास है, क्योंकि यह केवल अधिकमास में ही आती है। चूंकि अधिकमास हर तीन साल के अंतराल पर आता है, इसलिए यह विशिष्ट चतुर्थी भी 3 साल में सिर्फ एक बार आती है। धर्म शास्त्रों के अनुसार, पुरुषोत्तम मास स्वयं भगवान विष्णु को समर्पित है और इस पवित्र महीने में विघ्नहर्ता गणेश जी की पूजा-अर्चना करने से साधक को सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना ज्यादा फल मिलता है।

गणेश जी को दूर्वा अर्पित करने का महत्व

दूर्वा के बिना भगवान गणेश की पूजा अधूरी मानी जाती है। बप्पा के अलावा भगवान शिव, आदिशक्ति दुर्गा माता, मां लक्ष्मी और माता सरस्वती समेत कई देवी-देवताओं के पूजन में दूर्वा का पवित्र रूप से इस्तेमाल किया जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, दूर्वा को अमरता और शीतलता का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, दूर्वा अर्पित करने से गणेश जी प्रसन्न होते हैं और भक्त के जीवन की सभी बाधाओं को हर लेते हैं।

दूर्वा अर्पित करने की सही विधि

भगवान गणेश की पूजा में हमेशा 21 दूर्वा चढ़ाना सबसे शुभ माना जाता है। इसके लिए साफ-सुथरी जगह से तोड़ी गई कोमल दूर्वा की पत्तियों को आपस में जोड़कर 11 या 21 जोड़े तैयार कर लें। जब आप गणेश जी को दूर्वा अर्पित कर रहे हों, तो मन को पूरी तरह शांत रखें और इस चमत्कारी मंत्र का जाप करें -

महामंत्र: श्री गणेशाय नमः दूर्वांकुरान् समर्पयामि

मंत्र बोलते हुए दूर्वा के जोड़ों को भगवान गणेश के चरणों में या उनके मस्तक पर श्रद्धापूर्वक चढ़ाएं और अपने जीवन के दुखों को दूर करने की प्रार्थना करें।

दूर्वा चढ़ाने से मिलते हैं ये लाभ

अधिकमास में आने वाली विभुवन संकष्टी चतुर्थी की पावन तिथि पर सही विधि से दूर्वा चढ़ाने से साधक के जीवन में सुख, समृद्धि और रिद्धि-सिद्धि का वास होता है। विघ्नहर्ता की कृपा से नौकरी, व्यापार या विवाह में आ रही रुकावटों से आपको राहत मिल सकती है। बप्पा प्रसन्न होकर आपके घर की दरिद्रता को दूर करते हैं और पूरे परिवार को सुख व समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

बनारस जैसा नजारा देवघर में जहां बैठते ही मन हो जाता है शांत

झारखंड के देवघर शहर में स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम की पहचान पूरे देश में है। हर साल लाखों श्रद्धालु यहां भगवान शिव के दर्शन करने आते हैं, लेकिन बाबा मंदिर के आसपास एक ऐसी जगह भी है, जहां पहुंचते ही मन को एक अलग तरह की शांति और सुकून का एहसास होता है। यह जगह शिवगंगा सरोवर है। कई लोग इसकी सुंदरता और आध्यात्मिक वातावरण की तुलना वाराणसी के घाट से भी करते हैं। मंदिर परिसर से लगभग 700 मीटर की दूरी पर स्थित यह पवित्र सरोवर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

बाबा बैद्यनाथ के दर्शन से पहले यहां स्नान करना होता है शुभ

मान्यता है कि बाबा बैद्यनाथ के दर्शन करने से पहले श्रद्धालु शिवगंगा में स्नान या आचमन करते हैं। सुबह के समय यहां का दृश्य बेहद मनमोहक होता है। सरोवर के किनारे श्रद्धालु पूजा-पाठ करते नजर आते हैं, वहीं कई लोग शांत वातावरण में बैठकर भगवान का स्मरण करते हैं। वर्षों पुराना यह सरोवर केवल एक जलाशय नहीं बल्कि देवघर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु यहां कुछ समय बिताकर अपने मन को शांति प्रदान करते हैं।

यहां शांति के साथ मिलता है भक्ति का एहसास

शिवगंगा की सबसे बड़ी खासियत इसका शांत और सकारात्मक माहौल है। शहर की भागदौड़ और शोर-शराबे से दूर यह स्थान लोगों को मानसिक सुकून देता है। सरोवर के चारों ओर बनी सीढ़ियां शाम के समय लोगों से गुलजार रहती हैं। कोई अपने परिवार के साथ बैठकर समय बिताता है तो कोई अकेले बैठकर प्रकृति और भक्ति का आनंद लेता है। हल्की ठंडी हवा, पानी की शांत सतह और मंदिरों से आती घंटियों की आवाज माहौल को और भी आध्यात्मिक बना देती है। यहां बैठकर ऐसा महसूस होता है मानो कुछ देर के लिए सारी चिंताएं पीछे छूट गई हों।

शाम को बढ़ जाती है इस जगह की खूबसूरती

शाम के समय शिवगंगा की खूबसूरती और भी बढ़ जाती है। यहां ढलते सूरज की किरणें जब सरोवर के पानी पर पड़ती हैं तो दृश्य बेहद आकर्षक दिखाई देता है। श्रद्धालु और स्थानीय लोग सीढ़ियों पर बैठकर बातचीत करते हैं, बच्चों की चहल-पहल देखने को मिलती है और पूरा वातावरण जीवंत हो उठता है। फिर भी यहां की शांति बनी रहती है, जो इसे खास बनाती है। यही कारण है कि कई पर्यटक देवघर घूमने आने पर बाबा मंदिर के दर्शन के साथ-साथ शिवगंगा में कुछ समय बिताना नहीं भूलते हैं।

पहुंच जाइये इस जगह मिलेगा अदभुत सुकून

अगर आप भी देवघर आने की योजना बना रहे हैं। धार्मिक यात्रा के साथ कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं, तो शिवगंगा जरूर जाएं। खासकर शाम के समय यहां का नजारा देखने लायक होता है। भक्ति, आस्था और प्रकृति का ऐसा सुंदर संगम कम ही जगहों पर देखने को मिलता है। यही वजह है कि शिवगंगा सिर्फ एक सरोवर नहीं, बल्कि देवघर की आत्मा और श्रद्धालुओं की आस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। यहां बिताया गया कुछ समय आपके मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा से भर देगा। , जिसे आप लंबे समय तक याद रखेंगे।

जब व्यक्ति भय मुक्त होता है, तब उसके भीतर सकारात्मक सोच

अभयता यानी निडरता जीवन की बहुत ऊंची अवस्था मानी गई है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि निडरता मन की पवित्रता और आत्मिक शक्ति दर्शाती है। जब व्यक्ति भय से मुक्त होता है, तब उसके भीतर सकारात्मक सोच, दिव्य गुण और ईश्वरीय शक्ति जागृत होती है। भय मनुष्य को कमजोर बनाता है, उसका आत्मविश्वास घटाता है और उसकी ऊर्जा को नष्ट करता है। इसके विपरीत, अभयता व्यक्ति को साहसी, मजबूत और कर्मशील बनाती है।

शुक्र-गुरु की जोड़ी इन 4 राशियों पर बरसाएंगे धन-दौलत

बदल जाएगी पूरी तकदीर, 8 जून से खुलेगी किस्मत ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। समय-समय पर ग्रह अपनी चाल बदलते हैं और एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं। ग्रहों के इस गोचर का प्रभाव न सिर्फ मानव जीवन, बल्कि सभी 12 राशियों पर भी देखने को मिलता है। कभी-कभी दो शुभ ग्रह एक ही राशि में आ जाते हैं, जिससे विशेष और शुभ योगों का निर्माण होता है। ऐसे योग कई राशियों के लिए भाग्य के द्वार खोलने का काम करते हैं। शुक्र और गुरु की यह युति चार राशियों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकती है। कब होगी युति और किन राशियों के लिए सकरात्मक रहने वाला है।

जानें क्या कहते हैं ज्योतिषाचार्य

8 जून को शुक्र ग्रह कर्क राशि में गोचर करेंगे। कर्क राशि में पहले से गुरु ग्रह मौजूद हैं। गुरु और शुक्र दोनों ही शुभ ग्रह माने जाते हैं। जब इन दोनों ग्रहों की युति होती है तो गजकेशरी योग, गजलक्ष्मी योग और लक्ष्मी नारायण योग जैसे अत्यंत शुभ योगों का निर्माण होता है। इन योगों के प्रभाव से धन, वैभव, सम्मान, सुख-सुविधा और तरक्की के नए अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से मिथुन, कर्क, सिंह और तुला राशि के जातकों को इस युति का सबसे अधिक लाभ मिलने वाला है। मिथुन, कर्क, सिंह और तुला के लिए बहुत ही बड़ी खुशखबरी है।

इन चार राशियों की है बल्ले बल्ले

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय बेहद शुभ रहने वाला है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने लगेंगे। नौकरी करने वालों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ के नए अवसर बनेंगे और आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। किसी शुभ कार्य की योजना बन सकती है। छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलने की संभावना है। कुल मिलाकर 8 जून के बाद मिथुन राशि वालों के लिए भाग्य का साथ मिलने लगेगा।

कर्क राशि में ही यह युति बनने जा रही है। इसलिए इस राशि के जातकों को विशेष लाभ प्राप्त होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। करियर में नई उपलब्धियां हासिल हो सकती हैं। आर्थिक रूप से यह समय काफी मजबूत रहेगा। पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी। जो लोग नया कारोबार शुरू करना चाहते हैं, उनके लिए भी यह समय अनुकूल माना जा रहा है।

सिंह राशि वालों के लिए शुक्र और गुरु की युति शुभ समाचार लेकर आ सकती है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं और आर्थिक परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होंगी। कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। स्वास्थ्य भी सामान्य रहेगा और मानसिक तनाव कम होगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा।

वहीं, तुला राशि के स्वामी स्वयं शुक्र ग्रह हैं। इसलिए इस राशि पर इस गोचर का सकारात्मक प्रभाव अधिक देखने को मिलेगा। व्यापार और नौकरी दोनों क्षेत्रों में प्रगति के संकेत हैं। धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। नई संपत्ति, वाहन या अन्य सुख-सुविधाओं की प्राप्ति हो सकती है। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी और वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा रुके हुए कार्यों में सफलता मिलने की संभावना रहेगी। कुल मिलाकर 8 जून के बाद तुला राशि वालों के लिए समय काफी अनुकूल और लाभदायक साबित हो सकता है।

अपने भीतर ही एक नायक को रचने की तैयारी करें

पहले इंसान बनाने का काम माता-पिता, गुरुजन और समाज द्वारा किया जाता था। यह अभी भी चल रहा है, लेकिन सावधानी नहीं रखी तो इंसान बनाने का काम मशीन हाथ में ले लेगी। इसलिए टेक कंपनियों के कार्यों पर आध्यात्मिक फिल्टर लगाने का समय आ गया है। हमारी संस्कृति में परमात्मा ने एक अनूठा प्रयोग किया है और वो है अवतार का प्रयोग। भगवान जब अवतार लेते हैं तो मनुष्य बनकर आते हैं और वो सारी क्रियाएं करते हैं, उन सभी घटनाओं से गुजरते हैं- जिससे मनुष्य गुजरता है। वो अपनी लीला में यह संदेश दे जाते हैं कि मैंने मनुष्य बनकर कठिन समय में जो-जो भी किया, अच्छे समय को जैसे भी भोगा, वही तुम लोग करो। अवतार सिखाते हैं अपने भीतर शांति-साधना का नायक तैयार करो।

आज हमारे अधिकांश लीडरों के भीतर न तो शांति है और न ही कोई साधना है। वो साधन से नेता बन गए, साधना से नहीं बने। जब बाहर की दुनिया में ऐसे नायक की संभावना समाप्त हो जाए तो हमें अपने ही भीतर उसकी तैयारी करनी पड़ेगी।

फेंगशुई: इन 3 बदलावों से घर में आएगा पैसा ही पैसा

1. मुख्य द्वार को 'मनी मैग्नेट' बनाएं

फेंगशुई में मुख्य द्वार को 'ऊर्जा का मुख' माना जाता है। यहीं से अवसर और पैसा घर में प्रवेश करते हैं।

दरवाजे पर एक सुनहरी नेमप्लेट लगाएं और प्रवेश द्वार को हमेशा चमकदार रोशनी से भरा रखें। द्वार के पास एक 'मनी प्लांट' या 'जेड प्लांट' रखना धन को आकर्षित करता है।

ये **बदलाव करें:** दरवाजे के पीछे कोई भी कबाड़, पुराने जूते-चप्पल या डस्टबिन न रखें।

2. पानी का सही स्थान

फेंगशुई के अनुसार, 'पानी' धन का प्रतीक है। लेकिन अगर पानी गलत दिशा में हो या टपक रहा हो, तो यह धन हानि का कारण बनता है।

बदलाव: घर के उत्तर या दक्षिण-पूर्व कोने में एक छोटा वाटर फाउंटेन रखें। ध्यान रहे कि पानी हमेशा बहता रहे और साफ हो।

अगर घर में कोई नल टपक रहा है, तो उसे तुरंत ठीक करवाएं, क्योंकि यह पैसे की बर्बादी को दर्शाता है।

3. रसोई में 'चूल्हे' की स्थिति

किचन को घर का 'वेल्थ सेंटर' माना जाता है। चूल्हा सीधे तौर पर आपकी वित्तीय स्थिति से जुड़ा होता है। चूल्हे को हमेशा साफ रखें। फेंगशुई कहता है कि चूल्हे के सभी बर्नर का इस्तेमाल बारी-बारी से करना चाहिए, यह आय के अलग-अलग स्रोतों को सक्रिय करता है।

चूल्हे के ऊपर या पास में कोई दर्पण न लगाएं जिससे आग दिखे, लेकिन अगर किचन की खिड़की से बाहर हरियाली दिखती है, तो वह बहुत शुभ है।

सुख-शांति और आनंद जीवन में स्थाई चाहिए तो तुरंत करें यह काम

जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं होता है। समय के साथ हर चीज बदलती रहती है तो उसके साथ मनुष्य के विचार और कार्य भी। हर इंसान की इच्छा होती है कि उसके जीवन में सुख-शांति और आनंद स्थायी रहे लेकिन ऐसा होता नहीं है। अगर ये चीज स्थायी चाहिए तो जीवन में इस तरह के बदलाव करने पड़ेंगे, तभी आपको ये चीजें मिलेंगी...

याद रहे, पुण्य और पाप कर्म दोनों ही बांधते है। एक लोहे की जंजीर है तो एक सोने की। लोहे की जंजीर से छुटकारा पाने का मन भी करता है। लेकिन अगर जंजीर सोने की हो, तो छूटने का मन नहीं करेगा। पाप कर्म बंधन है तो पुण्यकर्म भी बंधन है। जब तुम सुख में होते हो तो इसमें एक इच्छा होती है। फिर मन करता है कि अब यह परिस्थिति बनी रहे। हमेशा सुख बना रहे। यह कामना जब मन में उत्पन्न होती है तो हम भूल जाते हैं कि परिस्थिति परिवर्तनशील होती है। कोई भी परिस्थिति कायम नहीं रहती। कभी राजा, कभी रंक, कभी बहुत कुछ, कभी कुछ भी नहीं। क्या समुद्र में रहकर कोई जहाज एकदम शांत रह सकता है? जब समुद्र के पानी में ही लहरें उठ रही हों, तो भला जहाज कैसे शांत रह सकता है।

समय बदलता रहता है। बदलाव समय का स्वरूप है। इक्कीस साल पहले हमारा जो शरीर था, वह आज नहीं है। गंगा के घाट पर बैठकर गंगाजी को देखते हो तो तुम्हें लगता है कि गंगा वही है, ऐसा नहीं है। गंगा वही नहीं है, बल्कि घाट वही है। देखते-देखते गंगा में बहुत जल बह गया। समय का चक्र चलता ही रहता है। हमारी दृष्टि में वर्तमान, भूत, भविष्य काल ऐसे भेद हो सकते हैं। समय अपने आप में न भूत है, न वर्तमान है, न भविष्य है। सब कुछ समय के भीतर हो रहा है, और समय में सब बदल रहा है। लेकिन समय नहीं बदलता। वह अव्यय, अखंड है। यह समय, यह काल परमात्मा का ही स्वरूप है। गीता में कहा गया है कि परमात्मा सबके भीतर है, सबके बाहर भी है। जो भीतर है उसको हम अंतर्यामी कहते हैं, और जो बाहर है उसको हम काल स्वरूप कहते हैं।

अंतर्यामी हैं प्रभु। तुम्हारे भावों, तुम्हारे विचारों सबके वह साक्षी हैं। तुम उनसे कुछ छिपा नहीं सकते। बाहर वह काल स्वरूप हैं। भीतर हैं तो तुम्हारी सांसें चल रही हैं। मजे की बात है, भीतर रहकर वह जीवन दे रहे और बाहर रहकर वो जीवन हर रहे हैं। हर सांस के साथ तुम्हारा जीवन नष्ट होता जा रहा है। जिस तरह से प्रकाश और सागर की तरंगें होती हैं।

वैसे ही हम भी एक तरंग हैं चैतन्य के महासागर की। उठी हुई तरंग को जीवन कह दो, लेकिन वास्तव में वह तरंग पैदा नहीं हुई। वह उसी चैतन्य के महासागर में तुम्हें दिखी। वह दिखना जब बंद हो गई तो उसको चाहे तुम मृत्यु कह लो। वास्तव में मृत्यु जैसी कोई चीज है ही नहीं। गीता में भगवान श्रीकृष्ण समझाते हैं, आत्मा किसी काल में भी न तो जन्म लेती है, न मरती है और न उत्पन्न होकर फिर होने वाली ही है। यह अजन्मी, नित्य, सनातन और पुरातन है। शरीर के मारे जाने पर भी यह नहीं मरती।

क्या आपके घर या दुकान पर वास्तु वेध का प्रभाव है?

घर या किसी भी व्यवसायिक स्थान, दुकान पर किसी भी वस्तु की छाया आना दोषपूर्ण होता है। घर पर किसी भी टॉवर, वृक्ष या धार्मिक स्थल में बने ऊंचाई की छाया पड़ती है तो ऐसे में घर में रहने वाले या व्यवसायिक स्थल पर काम करने वालों को पर्याप्त धन लाभ होते हुए भी नित नई-नई परेशानियों और तनावों का सामना करना पडता है। वास्तुशास्त्र के नियमों को मानें तो छाया वेध के कारण घर में आकस्मिक घटनाएं घटने की सम्भावनाऐं बढ़ जाती हैं, यही छाया वेध व्यवसाय स्थल पर होने से वहां कार्य करने वालों को भी तनाव में रखता है, जिससे लाभ की अपेक्षा घाटे की सम्भावनाऐं बढ़ जाती हैं। कुल मिलाकर छाया वेध से घर व व्यवसायिक मालिक के लिए रोग, धन-यश नाशक दरिद्रजनक स्थिति होती है, अतः घर या दुकान खरीदते समय इस बात पर अवश्य ध्यान दें कि कहीं आपके घर, दुकान पर किसी की छाया तो नहीं पड़ रही।

कोण वेध- कोण वेध भी वास्तु शास्त्र के निमयों के अनुसार अनिष्टकारक होता है, जैसे दुकान या व्यवसाय स्थल के प्रवेश द्वार के ठीक सामने अन्य किसी इमारत का कोना आ जाता है, उसे कोण वेध कहते हैं। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रवेश द्वार को परिवर्तित कर देना चाहिए और यदि ऐसा करना संभव न हो तो द्वार को गोलाई युक्त करवा देने से भी कोण वेध कम हो जाता है।

द्वार वेध- द्वार संबंधी किसी भी रुकावटे या बाधा, असुविधा या विकृति को द्वार वेध कहा जाता है। यह अक्सर हानि, दुख और अपयश का कारण बनता है। यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि समस्त द्वार खुलते और बंद होते समय भूमि में रगड़, किसी प्रकार की आवाज, उपयोग करते समय भारी होना, कठोर होना या तेज गति से खुलना बंद होना द्वार वेध होता है, इससे प्रगति, सुख, व्यवसाय मार्ग के रास्ते अवरोधित हो जाते हैं, अतः समस्त प्रकार के वेध अवरोध से बचना चाहिए।

आतंकी संगठन पाक के, लेकिन नकाब जुदा

> टेरर मॉड्यूल बन रहे भारत के लिए चुनौती

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। भारत के सामने आतंकवाद का एक नया और उभरता हुआ खतरा सामने आ रहा है, जिसमें आतंकी संगठन सीधे तौर पर किसी हमले में शामिल नहीं होते हैं। सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि हाल के महीनों में जिन आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है, उनका लश्कर-ए-तैयबा, अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट (आईएस) या जैश-ए-मोहम्मद जैसे बड़े संगठनों से प्रत्यक्ष संबंध नहीं मिला है।

सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, ये मॉड्यूल या तो इन संगठनों से प्रेरित हैं या उनसे किसी न किसी रूप में जुड़े हुए हैं। उनका मानना है कि यह पाकिस्तान की एक सोची-समझी साजिश है, जिससे वह फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की निगरानी से बचा रह सके।

पाकिस्तान की पहले से जुदा और नई आतंकी साजिश

अधिकारियों का कहना है कि लश्कर, अल-कायदा, आईएस और जैश जैसे संगठन अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र और भारत द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किए जा चुके हैं। ऐसे संगठनों के नेटवर्क पर नजर रखना और उनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग हासिल करना अपेक्षाकृत आसान होता है। इसी के चलते पाकिस्तान अब इस तरह की अलग और नई आतंकी साजिश अपना रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान अलग खालिस्तान की मांग करने वाले समूहों के मामले में भी इसी साजिश का इस्तेमाल कर रहा है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) ने गैंगस्टर नेटवर्क का सहारा लिया है। आईएसआई ने जानबूझकर बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) जैसे संगठनों की प्रत्यक्ष भूमिका को सीमित रखा है। बीकेआई एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन है, इसलिए उसके नेटवर्क की निगरानी अपेक्षाकृत आसान है।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में आने से बचने के लिए लगाई तरकीब

खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि यह सब जानते हैं कि पाकिस्तान इन आतंकी गतिविधियों को वित्तीय सहायता देता है। एक ओर वह भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखना चाहता है। वहीं, दूसरी ओर वह एफएटीएफ जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की निगरानी में भी नहीं आना चाहता। अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान पहले एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में रह चुका है और बड़ी मुश्किल से उससे बाहर निकला था। अगर वह फिर से इस सूची में शामिल होता है तो उसकी अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि व्यावहारिक चुनौतियों के बावजूद पाकिस्तान की सेना और आईएसआई भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को पूरी तरह बंद नहीं होने देंगे। उनका उद्देश्य भारत पर लगातार दबाव बनाए रखना है। इसके लिए आईएसआई भारत में अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर नए मॉड्यूल खड़े करने की कोशिश कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने वाले साहित्य और प्रचार सामग्री पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। उनका कहना है कि भारत में बनने वाला कोई भी नया आतंकी समूह पाकिस्तान के समर्थन से संचालित हो सकता है, लेकिन उसमें पाकिस्तान की सीधी भूमिका दिखाई नहीं देगी। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि भविष्य में भारत को ऐसे मॉड्यूलों से और अधिक निपटना पड़ सकता है।

'ये भारत के खिलाफ सुपारी लेते हैं'

अभिषेक बनर्जी केस में कपिल सिब्बल के बयान पर भड़की बीजेपी

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर पश्चिम बंगाल में भीड़ के हमले और अंडा फेंकने की घटना पर सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल की एक विवादास्पद टिप्पणी पर बीजेपी भड़क गई है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि देश, देश की सेना, लोकतंत्र को नीचा दिखाना इन लोगों का काम बन चुका है।

'मोदी विरोध में देश का विरोध'

कपिल सिब्बल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा है कि 'दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो व्यक्ति भारत के सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करके करोड़ों रुपये बना चुका है, वह भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति इतना घटिया नजरिया रखते हैं और मोदी विरोध में देश विरोध करते हुए भारत पर ही हमला कर देते हैं?'

कपिल सिब्बल ने कहा 'मुझे शर्म आती है..'

दरअसल, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल में जिस तरह से स्थानीय लोगों ने निशाना बनाया और अंडे फेंके उसपर कपिल सिब्बल ने बहुत ही तीखी प्रतिक्रिया दी और यहां तक कह दिया कि 'यह शर्मनाक है, बहुत ही शर्मनाक है..। मुझे शर्म आती है कि मैं ऐसे देश में रहता हूं, जहां सत्ताधारी दल लोकतंत्र के हर उस आधार को तबाह कर रही है, जिसे इस गणराज्य के बनते समय हमारे महान नेताओं ने बनाया था।'

सुप्रीम कोर्ट ने भी वहां को लेकर कई सारी टिप्पणियां की थीं। 'तब चुप रहे जब हाई कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून का शासन नहीं, बल्कि शासक का चालन चल रहा है।' 'उस समय कपिल सिब्बल पूरी तरह से चुप थे।' बीजेपी के मुताबिक अब तो यह जानकारी सामने आ रही है कि अभिषेक बनर्जी पर असल में टीएमसी के लोगों ने ही हमला किया, क्योंकि तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं। जिस तरह से टीएमसी के विधायक ममता बनर्जी की मीटिंग में नहीं पहुंच रहे हैं, उससे लग रहा है कि टीएमसी में अंदरूनी लड़ाई चल रही है। बीजेपी नेता ने कहा, 'ऐसे समय में आप देश का अपमान करते हैं, सिर्फ इसलिए कि आपको बीजेपी से दिक्कत है और यह स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसेड्योर है, चाहे राहुल गांधी हों, तृणमूल कांग्रेस हो या कपिल सिब्बल...।

वीना विजयन और सीएमआरएल की बढ़ीं मुश्किलें

उच्च न्यायालय ने ईडी जांच पर रोक लगाने से किया इनकार

कोच्चि, 1 जून (एजेंसियां)। एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस और उसकी मालिक वीना विजयन के लिए एक बड़ा झटका लगा है। केरल उच्च न्यायालय ने सोमवार को विवादास्पद सीएमआरएल-एक्सालॉजिक वित्तीय लेनदेन मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच पर तत्काल रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस फैसले से केंद्रीय एजेंसी को अपनी जांच जारी रखने का रास्ता साफ हो गया। पिछले सप्ताह पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के आवास सहित 10 स्थानों पर ईडी की छापेमारी हुई। इसके बाद सीएमआरएल ने राहत के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था, जहां उनकी बेटी वीना रहती हैं।

अदालत का यह फैसला एक ऐसे मामले में आया है जो लगभग दो वर्षों से केरल के राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रहा है। हाल ही में राज्यें में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनकर उभरा है। शुरुआती चरण में जांच रोकने से इनकार करके उच्च न्यायालय ने ईडी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्यवाही करने में एक महत्वपूर्ण कानूनी लाभ दिया है। कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने अपनी याचिका के अंतिम निपटारे तक आगे की जांच कार्रवाई के खिलाफ अंतरिम सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। हालांकि, अदालत ने संकेत दिया कि चल रही जांच को रोकना सही नहीं है। एजेंसी को अपनी जांच जारी रखने की अनुमति दी। सुनवाई के दौरान, सीएमआरएल ने तर्क दिया कि ईडी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कंपनी के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज होने से पहले ही कार्यवाही शुरू कर दी थी। इसमें आगे यह तर्क दिया गया कि गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) की जांच एक राजनीतिक नेता की ओर सो दायर शिकायत के आधार पर शुरू की।

एसटी के लिए विधानसभा सीटों में आरक्षण की मांग तेज

गोवा भाजपा नेताओं ने दिल्ली में उठाया मुद्दा

पणजी, 1 जून (एजेंसियां)। गोवा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए विधानसभा सीटों में आरक्षण की मांग तेज कर दी है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत समेत पार्टी के कई बड़े नेताओं ने आज दिल्ली में यह मुद्दा उठाया। वहीं, गोवा में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की। गोवा भाजपा की कोर समिति के सदस्य गोविंद पर्वतकर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजय गोयल से मुलाकात की। पर्वतकर ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, गोवा भाजपा अध्यक्ष दामोदर नाइक और सांसद सदानंद शेट तनावडे इस मांग को लेकर नई दिल्ली में मौजूद हैं।

भारतीय सेना प्रमुख के नाम पर फैलाया जा रहा फर्जी वीडियो, पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा का हुआ भंडाफोड़

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा सोशल मीडिया अकाउंट्स द्वारा भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को लेकर एक फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। इस वीडियो में दावा किया गया कि सेना प्रमुख ने भारत और तालिबान के बीच संबंधों या बातचीत को लेकर बयान दिया है।

हालांकि, प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक टीम ने इस दावे को पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताया है। पीआईबी फैक्ट चेक में यह स्पष्ट हो गया कि जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। जांच में यह भी सामने आया है कि वायरल वीडियो को डिजिटल रूप से संपादित और छेड़छाड़ करके तैयार किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि सेना प्रमुख के नाम से गलत जानकारी फैलाई जा सके। जांच में पाया गया कि वीडियो में मौजूद कथित बयान वास्तविक नहीं है और उसे तकनीकी माध्यमों से वीडियो में जोड़कर पेश किया गया है। फैक्ट चेक इकाई के अनुसार, यह वीडियो भारत विरोधी दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय सेना और सरकारी संस्थानों के बारे में भ्रम और अविश्वास फैलाना है। हाल के वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक के इस्तेमाल से ऐसे फर्जी वीडियो बनाना आसान हो गया है, जिसके कारण गलत सूचनाएं तेजी से फैल रही हैं। पीआईबी ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले किसी भी वीडियो, फोटो या दावे को बिना सत्यापन के साझा न करें। विशेष रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना और सरकार से जुड़े मामलों में केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि पिछले दिनों सोशल मीडिया पर पाकिस्तान से जुड़े एक प्रोपेगेंडा हैंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लेकर भी झूठ परोसा था। पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा द्वारा यह वायरल किया जा रहा था कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को भारत का समर्थन देने से संबंधित एक बयान दिया है। हालांकि जांच में यह पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा पूरी तरह झूठा व निराधार साबित हुआ है। सरकार की फैक्ट चेक एजेंसी ने इस दावे को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत बताया। एजेंसी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए स्पष्ट किया था कि रक्षा मंत्री ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा दावा पूरी तरह भ्रामक है।

सुप्रिया सुले के समधी को भाजपा ने दिया एमएलसी का टिकट

नागपुर, 1 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए चंद्रपुर-वर्धा-गढ़चिरौली सीट से भाजपा उम्मीदवार और उद्योगपति अरुण लखानी ने सोमवार को कहा कि राजनीति और पारिवारिक रिश्ते अलग-अलग विषय हैं।

दरअसल, लखानी के बेटे सारंग लखानी का विवाह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले की बेटी रेवती से 20 जून को होने वाला है। भाजपा उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद एक मराठी समाचार चैनल से बातचीत में लखानी ने कहा, सुप्रिया ताई ने मुझे बधाई संदेश भेजा। पवार परिवार का जिक्र स्वाभाविक है क्योंकि वह एक बड़ा राजनीतिक परिवार है और हमारा उनसे पारिवारिक संबंध है। मुझे इसमें कुछ भी असामान्य नहीं लगता।

अभिषेक बनर्जी का भाजपा पर निशाना : 'डराना-धमकाना कामयाब नहीं होगा'

कोलकाता, 1 जून (एजेंसियां)। लोकसभा सांसद और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने अपने ऊपर हुए हमले को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि डराना-धमकाना कामयाब नहीं होगा। हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे। इसके साथ ही, अभिषेक बनर्जी ने राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल की ओर से समर्थन मिलने पर उनका आभार व्यक्त किया।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट लिखा, मैं कपिल सिब्बल का आभारी हूं कि उन्होंने सच का साथ दिया और ऐसे समय में अपनी बात रखी, जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। अभिषेक बनर्जी ने आगे लिखा, भाजपा शांति का उपदेश देने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती, लेकिन उसके काम कुछ और ही कहानी कहते हैं। बार-बार, हिंसा, डराना-धमकाना और राजनीतिक आक्रामकता उन लोगों के हथियार बन गए हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के रक्षक होने का दावा करते हैं। उनका पाखंड अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुका है।

उन्होंने कहा कि यह (भाजपा) एक ऐसी पार्टी है, जिसकी पहचान गुंडों और असामाजिक तत्वों से होती है। ये लोग राज्य और केंद्र, दोनों ही सरकारों की शह पर काम करते हैं। टीएमसी सांसद ने पोस्ट में लिखा, देश ने जो देखा, वह गिरावट की एक नई मिसाल थी। लेकिन डराना-धमकाना कामयाब नहीं होगा। हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे, लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा करेंगे और भारत की जनता के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। कितनी भी हिंसा या डर हमें संविधान और उसके मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से डिगा नहीं सकता। इससे पहले, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, भाजपा अपने शब्दों और कर्मों, दोनों में ही हिंसा का प्रतीक है। अभिषेक पर हुआ यह निंदनीय हिंसक हमला यह दर्शाता है कि भाजपा ऐसे असामाजिक तत्वों से भरी हुई है, जिनका सनातन धर्म से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं है। अधर्म ही उनकी जीवन शैली है। बता दें कि शनिवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। वे चुनाव के बाद शनिवार को हिंसा में मारे गए एक तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार से मिलने सोनारपुर गए थे।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष : एक ही परिवार के चार लोगों समेत छह की हत्या, 12 आरोपी गिरफ्तार

विजयपुरा, 1 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में जमीन विवाद को लेकर एक ही परिवार के चार सदस्यों समेत छह लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। विजयपुरा के पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबर्गी ने सोमवार को बताया कि सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा।

क्या है मामला?

यह घटना 29 मई को चाडाचन क्षेत्र में हुई थी। चाडाचन थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता 33 वर्षीय किसान और टाउन पंचायत सदस्य चैतन्य कुमार निराले ने आरोप लगाया है कि घटना के पीछे कृषि भूमि को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद था। एफआईआर के मुताबिक, निराले परिवार ने गोविंदपुर गांव में स्थानीय किसान ख्यामा निंगा तेली उर्फ गणीगर से कृषि भूमि के कई टुकड़े खरीदे थे। खरीद के समय दूसरे परिवार के सदस्यों ने इस सौदे पर कोई आपत्ति नहीं होने का आश्वासन दिया था। हालांकि बाद में जब निराले परिवार ने जमीन की सफाई और खेती की तैयारी शुरू की तो विवाद फिर से उभर आया। शिकायत में कहा गया है कि शुक्रवार दोपहर परिवार के सदस्य और मजदूर जेसीबी मशीन की मदद से जमीन साफ कर रहे थे, तभी मोटरसाइकिलों पर सवार हथियारबंद लोगों का एक समूह वहां पहुंचा और काम का विरोध करने लगा।

एफआईआर के अनुसार, हमलावर तलवार, माचेते, दरांती, चाकू और अन्य घातक हथियारों से लैस थे। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और हमला कर दिया। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि हमले से पहले कुछ पीड़ितों की आंखों में मिर्च पाउडर फेंका गया।

हमले में दुंडप्पा निराले, शिवपुत्र निराले, चंद्रकांत उर्फ चंदू निराले और रेवणसिद्धा उर्फ राहुल निराले पर घातक हथियारों से हमला किया गया, जिससे उनकी मौत हो गई। निराले परिवार से जुड़े दो अन्य लोगों की भी इस हिंसा में जान चली गई। घटना में समर्थ निराले, शब्बीर अत्तार, जेसीबी ऑपरेटर संदीप माने और गांव के बुजुर्ग अरविंद कटगे समेत कई अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत हत्या, हत्या के प्रयास, दंगा, गैरकानूनी जमावड़ा, आपराधिक धमकी और अन्य अपराधों का मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है।

कर्नाटक के राज्यपाल के लिए रुका ट्रैफिक?

गर्भवती के साथ जाम में फंसा शख्स, वीडियो वायरल होने पर जांच शुरू

बंगलूरू, 1 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आने के बाद सोमवार को जांच शुरू की गई। वीडियो में कथित तौर पर एक व्यक्ति ओल्ड एयरपोर्ट रोड पर धरना प्रदर्शन कर रहा है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि वीआईपी आवाजाही के लिए लागू यातायात अवरोध के कारण उसकी गर्भवती पत्नी उनकी गाड़ी के अंदर फंसी हुई है। यह जानकारी पुलिस ने दी है। इस घटना ने सोशल मीडिया पर आक्रोश पैदा कर दिया। क्योंकि ऐसी खबरें थीं कि राज्यपाल के काफिले की आवाजाही के लिए ओल्ड एयरपोर्ट रोड पर यातायात रोक दिया गया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने वीडियो अपलोड किया। वीडियो में परेशान वाहन चालक पुलिसकर्मियों के सामने सड़क पर बैठा हुआ दिखाई दे रहा है। जब पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया, तो उसने कथित तौर पर हटने से इनकार कर दिया और दावा किया कि उसकी गर्भवती पत्नी कार के अंदर थी।

सपनों का मलबा, उजड़ीं कई जिंदगियां : वैज्ञानिक, अफसर डॉक्टर बनने आए थे दिल्ली, इमारत ढहने से सब खत्म

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के सैदुल्लाजाब में शनिवार रात ढही सात मंजिला इमारत के मलबे में सिर्फ ईंट, सीमेंट और सरिए नहीं दबे थे, बल्कि उन हजारों सपनों की कहानियां भी दफन हो गई, जिन्हें छोटे शहरों और गांवों से आए युवाओं तथा उनके परिवारों ने वर्षों की मेहनत, त्याग और संघर्ष से सींचा था।

किसी पिता ने बेटी को डॉक्टर बनाने के लिए जमीन बेच दी थी तो किसी मां-बाप ने बेटे को अधिकारी बनाने की उम्मीद में कर्ज लिया था। कोई बेहतर भविष्य की तलाश में अपना घरबार छोड़कर दिल्ली आया था। लेकिन एक झटके में इमारात के साथ उनके सपने भी जमींदोज हो गए। हादसे ने कई परिवारों की दुनिया उजाड़ दी। अलवर की एकता, बिहार के नवादा के नलिन और नेपाल की पार्वती जैसे नाम अब केवल हादसे के आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन अधूरे सपनों और बिखरे अरमानों की पहचान बन गए हैं जिन्हें यह त्रासदी हमेशा के लिए अपने साथ ले गई।

इंटरव्यू की खुशी मातम में बदली

शनिवार कपिल के जीवन का सबसे खास दिन था। वर्षों की मेहनत के बाद वह भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) में वैज्ञानिक पद के इंटरव्यू देकर लौटे थे। परिजनों के अनुसार इंटरव्यू बेहद अच्छा रहा था और उन्हें चयन की पूरी उम्मीद थी। खुशी साझा करने के लिए उन्होंने शाम को अपने दोस्तों को कैंटीन में पार्टी दी। सभी भविष्य की योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे कि तभी इमारत भरभराकर ढह गई। कपिल मलबे में दब गए, जबकि उनके पांच दोस्त बच निकले। घंटों चले बचाव अभियान के बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। वैज्ञानिक बनने का उनका सपना हादसे के मलबे में हमेशा के लिए दफन हो गया।

हादसे में जान गंवाने वालों में बिहार के नवादा निवासी नलिन भी शामिल हैं। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह भारतीय रेलवे में अधिकारी बनने का सपना लेकर दिल्ली आए थे और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। परिवार में सबसे छोटे और सभी के चहेते नलिन अक्सर कहते थे कि नौकरी मिलने के बाद सबसे पहले माता-पिता के लिए पक्का घर बनवाएंगे। हादसे से कुछ मिनट पहले वह अपने दोस्त के साथ कैंटीन में पराठा खाने पहुंचे थे। दोस्त ने बताया कि वह दही लेने बाहर निकला था, तभी जोरदार धमाका हुआ और देखते ही देखते पूरी इमारत धूल के गुबार में बदल गई।

परिसीमन विधेयक को फिर से लाने की तैयारी में केंद्र सरकार

वन नेशन-वन इलेक्शन बिल का भी टारगेट

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। परिसीमन विधेयक को संसद में पारित कराने के प्रयास में मिली करारी हार के बाद, सरकार एक बार फिर से इस विधेयक को लाने और साथ ही 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक लाने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए पश्चिम बंगाल में मिली जीत से उत्साहित भाजपा, संसद में एक-बार फिर से जोड़-तोड़ में लग गई है। यह सब तब हो रहा है जब मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार को कोई भी कदम उठाने से पहले उचित प्रक्रिया का पालन करना चाहिए और सभी राजनीतिक दलों से परामर्श करना चाहिए। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय एक नया परिसीमन विधेयक तैयार कर रहा है। यह नया प्रयास अप्रैल-मई में हुए विधानसभा चुनावों के बाद आया है, जिसने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में टीएमसी और डीएमके को करारा झटका दिया और विपक्षी समीकरणों को ध्वस्त कर दिया।

यह नया प्रयास अप्रैल-मई में हुए विधानसभा चुनावों के बाद आया है, जिसने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में टीएमसी और डीएमके को करारा झटका दिया और विपक्षी समीकरणों को बाधित कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, डीएमके की करारी हार और कांग्रेस के टीवीके सरकार में शामिल होने के बाद, पार्टी के भीतर कुछ ऐसे नेता हैं जो भाजपा के साथ कुछ खास मुद्दों पर बातचीत करने को तैयार हैं। वहीं दूसरी ओर, भाजपा पश्चिम बंगाल में टीएमसी के भीतर बढ़ते मतभेदों और उसके नेतृत्व के खिलाफ बढ़ते गुस्से पर पैनी नजर रख रही है।

गर्मियों की छुट्टी में पहाड़ों की जान सांसत में

पहाड़ी इलाकों से प्यार हो जाना कोई बड़ी बात नहीं है। ये शांत और मनमोहक स्थान हमेशा से ही लोगों के लिए सुकून भरी जगह रहे हैं, जहां लोग शहरी भागमभाग से दूर स्वच्छ हवा में सांस लेने, आराम करने, डिजिटल दुनिया से दूर रहने और प्रकृति से फिर से जुड़ने के लिए जाते हैं। लेकिन इन पहाड़ी पर्यटन स्थलों की बढ़ती लोकप्रियता की एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है।

पहाड़ों पर अति पर्यटन

गर्मियों की छुट्टियों से पहले ही पहाड़ों की जान सांसत में है। दिल्ली-एनसीआर की गर्मी से निकलकर हर कोई परिवार के साथ पहाड़ों की छांव में पहुंचना चाहता है। इसी चक्कर में सोशल मीडिया पर पहाड़ों से फोटो-वीडियो आ रहे हैं, वो बेहद डराने वाले हैं। कहीं-कहीं 30-30 किलोमीटर लंबा वाहनों का जाम दिख रहा है तो कहीं पर गंदगी का ढेर। लोग परेशान हो रहे हैं, फिर भी जल्दी पहुंचना है। मगर, इस अति पर्यटन के चक्कर में पहाड़ों और नदियों को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। पिछले एक दशक में कई लोकप्रिय हिल स्टेशन अत्यधिक पर्यटन, अनियोजित विकास और पर्यावरणीय दबाव के बोझ तले दबकर अपनी चरम सीमा पर पहुंच गए हैं। मगर लोग हैं कि मानते ही नहीं हैं...।

जिम कॉर्बेट ने बता दिया था- पहाड़ों का सच

सौ साल पहले1926 में जाने-माने अंग्रेज शिकारी और संरक्षणवादी जिम कॉर्बेट ने अलकनंदा घाटी में आठ साल तक आतंक मचाने वाले एक नरभक्षी तेंदुए का पीछा किया था। यह तेंदुआ संकरी और ऊबड़-खाबड़ सड़कों पर पैदल यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को अपना शिकार बनाता था। अपनी किताब- में जिम कॉर्बेट ने लिखा- यदि आप भारत के तपते मैदानी इलाकों के हिंदू हैं और केदारनाथ और बद्रीनाथ के प्राचीन तीर्थस्थलों की तीर्थयात्रा करना चाहते हैं, तो आपको अपनी तीर्थयात्रा हरिद्वार से शुरू करनी होगी और हरिद्वार से केदारनाथ तक का पूरा रास्ता नंगे पैर चलना होगा, और फिर वहां से बद्रीनाथ तक पहाड़ी मार्ग को पार करना होगा।

उस वक्त ये सड़कें इतनी संकरी और ऊबड़-खाबड़ थीं कि उन पर कभी किसी तरह का पहिया भी नहीं चला था। मगर, 100 साल बाद इन जगहों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। मई के बाद के तीन महीनों में, बद्रीनाथ और केदारनाथ के द्वार खुलने के बाद से लाखों लोग चार धाम यात्रा कर चुके हैं। हाल ही में ऐसी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर आ रही हैं, जो पहाड़ों पर बढ़े हुए ट्रैफिक को दिखाती हैं।

6 करोड़ से ज्यादा पर्यटक और तीर्थयात्री आए

उत्तराखंड पर्यटन विभाग के 2025 के एक आंकड़े बताते हैं कि बीते साल कुल 6 करोड़ से अधिक (6,03,21,194) पर्यटक और तीर्थयात्री आए थे, जो राज्य गठन के बाद से अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड है। हिमालय की ऊंचाइयों तक की यह यात्रा, जो कभी महीनों में पूरी होती थी, अब ईंधन की खपत करने वाली एसयूवी में बैठकर पक्की सड़कों के लगातार बढ़ते जाल में एक सप्ताह के भीतर पूरी की जा सकती है।

जो लोग कुछ लाख रुपये अधिक खर्च कर सकते हैं, उनके लिए हेलीकॉप्टर की सुविधा हमेशा उपलब्ध है, जो दो से तीन दिनों के भीतर सांसारिक रूप से बुद्धिमान लोगों के लिए तत्काल मुक्ति ला सकती है।

चार करोड़ कांवड़िए सावन में करते हैं दर्शन

हर साल मुक्ति की तलाश में उमड़ने वाले इन असंख्य श्रद्धालुओं के साथ-साथ तीन से चार करोड़ कांवड़िया, यानी शिव भक्त भी शामिल हैं, जो सावन के महीने में हरिद्वार में उमड़ते हैं और आगे ऋषिकेश तक जाते हैं, जहां पवित्र गंगा नदी अंतिम जलप्रपातों और झरनों से बहते हुए भारत-गंगा के मैदानों में प्रवेश करती है।

विश्व की योग राजधानी ऋषिकेश में 3 लाख लोग रहते हैं। लाखों पंजीकृत चार धाम यात्रियों के अलावा, पर्वतीय यात्रा पर जाने वाले गैर-तीर्थयात्री पर्यटकों को भी दो पहाड़ियों के बीच बसे इस मंदिर नगर और उतनी ही मुख्य सड़कों से होकर गुजरना पड़ता है: एक सड़क आवासीय क्षेत्रों से होकर गुजरती है, और दूसरी शहर के केंद्र के चारों ओर से होकर जाने वाला बाईपास मार्ग है।

अतिपर्यटन और मौसमी भीड़भाड़

पीक सीजन के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ती है, जिससे वहां की सीमित बुनियादी ढांचागत व्यवस्था चरमरा जाती है। सड़कें यातायात से भर जाती हैं, जो कभी-कभी 10 घंटे से भी अधिक समय तक बनी रहती है! स्थानीय सेवाएं चरमरा जाती हैं और शांत वातावरण बाधित हो जाता है। शिमला, मनाली, नैनीताल, दार्जिलिंग और ऊटी जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों को हर साल इस समस्या का सामना करना पड़ता है।

जल संसाधनों पर पड़ता है दबाव

अधिकांश पहाड़ी क्षेत्र प्राकृतिक जल स्रोतों और सीमित भूजल भंडारों पर निर्भर हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण होटल, रेस्तरां और होमस्टे में पानी की खपत अत्यधिक बढ़ जाती है। इससे अक्सर स्थानीय निवासियों के लिए पानी की कमी हो जाती है और नाजुक प्राकृतिक संसाधनों पर असहनीय दबाव पड़ता है। ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन चुनौतीपूर्ण है, फिर भी पर्यटन के मौसम में कचरे की मात्रा में भारी वृद्धि होती है। प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पैकेजिंग और डिस्पोजेबल कटलरी ट्रेकिंग मार्गों, दर्शनीय स्थलों, नदी तटों और बाजारों में जमा हो जाते हैं। अपर्याप्त अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं के कारण, इस कचरे का अधिकांश भाग अनुपचारित ही रह जाता है, जिससे स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। आवास, दुकानों और पार्किंग स्थलों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए जंगलों को अक्सर अवैध रूप से या नाममात्र की निगरानी के साथ काटा जाता है। पहाड़ियों को समतल किया जाता है। प्राकृतिक ढलानों को बदला जाता है और हरियाली कम हो जाती है।

बाउंसर बनाने की फैक्ट्री : असोला-फतेहपुर बेरी देता है सबसे ज्यादा पहलवान

कितना खाकर रेसलर बनते हैं?

दक्षिण दिल्ली के असोला-फतेहपुर बेरी को बाउंसर-पहलवानों का गांव कहा जाता है। 1995 में विजय तंवर नाम के पहलवान ने सबसे पहले बाउंसर का काम किया था, जिसके बाद यहां इस प्रोफेशन को सबसे ज्यादा फॉलो किया जाने लगा। यहां का बच्चा-बच्चा पहलवान और बाउंसर बनने का सपना रखता है, जिसके लिए जिम, अखाड़ा और दंगल में मेहनत करता है। एक पहलवान बनने के लिए ट्रेनिंग के बाद डाइट सबसे महत्वपूर्ण होती है।

आजकल हर कोई फिटनेस पर ध्यान देने लगा है। जिम जाने वाले और एक्सरसाइज करने वालों की तादाद बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम डोले, उभरी चेस्ट, वी-शेप बैक जैसे फीचर्स पाने के लिए लोग काफी मेहनत करते हैं। लेकिन ऐसे लोग भी असोला-फतेहपुर बेरी के बारे में नहीं जानते होंगे, जिसे इंटरनेट पर बाउंसर बनाने की फैक्ट्री कहा जाता है। क्योंकि, दक्षिण दिल्ली के इस गांव के हर दूसरे घर से एक पहलवान निकलता है और यह भारत को सबसे ज्यादा बाउंसर देता है। इस गांव के बच्चे-बच्चे में पहलवानी, जिम और फौलादी शरीर पाने की चाहत रहती है, अगर आप भी ऐसी ही चाहत रखते हैं तो आइए जानते हैं कि पहलवान बनने के लिए कितना और क्या खाना पड़ता है?

किसी भी पहलवान के बारे में खोजने लग जाइए तो पता चलेगा कि वो दिन के 3-4 घंटे तो केवल ट्रेनिंग में ही निकाल देते हैं। चाहे आप दारा सिंह की बात कर लीजिए या गामा पहलवान की या फिर नए जमाने के रेसलर सुशील कुमार या बजरंग पुनिया की। ट्रेनिंग के बाद उनका अधिकतर समय रिकवरी, रेस्ट और डाइट में जाता है। दारा सिंह के एक पुराने इंटरव्यू के मुताबिक, वो एक सेशन में 1000 दंड-बैठक मारते थे। दूसरी तरफ, बॉडी बिल्डर भी कई-कई घंटे जिम में ट्रेनिंग करते हैं।

पहलवान बनने के लिए क्या-क्या जरूरी है?

भारत में पहलवानी या रेसलिंग को एक स्पोर्ट के रूप में काफी पसंद किया जाता है। वहीं, पहलवान तैयार करने के लिए स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, (पटियाला) जैसी संस्थाएं पूरी मेहनत करती हैं। रेसलिंग या किसी भी स्पोर्ट के एथलीट को डाइट में खाने की क्वालिटी, खाने की मात्रा, रिकवरी और हाइड्रेशन और सप्लीमेंटेशन पर ध्यान देना चाहिए।

खाने की मात्रा और फ्रीक्वेंसी जानने से पहले यह निर्धारित करना जरूरी है कि आप कितना वजन बढ़ाना चाहते हैं या फिर उसे मेंटेन करना चाहते हैं। इसके अलावा, आपका हेल्थ स्टेटस क्या है और कितनी ट्रेनिंग या एक्सरसाइज करते हैं? बॉडीबिल्डर, ट्रेनर और मिस्टर एशिया 2024 यतिंदर सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर बताया है कि अपने चैंपियनशिप और ट्रेनिंग के दौर में दारा सिंह एक दिन में 8000 कैलोरी और गामा पहलवान 30000 कैलोरी वाली डाइट लेते थे।

हालांकि, उस दौर में वजन बढ़ाने के लिए कैलोरी का कॉन्सेप्ट भारत के आसपास इतना नहीं फैला हुआ था। इसलिए वो क्लीन डाइट, ज्यादा दूध-दही जैसे फूड और हाई इंटेसिटी ट्रेनिंग पर जोर देते थे। कैलोरी के मामले में एनएचएस का कहना है कि आपको सही व हेल्दी तरीके से वजन बढ़ाने के लिए दिन में इस्तेमाल होने वाली कैलोरी से करीबन 300 से 500 कैलोरी ज्यादा लेनी चाहिए और यह स्वास्थ्यवर्धक व पौष्टिक फूड से ही आनी चाहिए। इसके अलावा, आप अपने टारगेटेड वेट के लिए किसी डाइटिशियन या एक्सपर्ट से जरूरी पर्याप्त कैलोरी के बारे में जान सकते हैं। NSNIS के मुताबिक, आपकी प्लेट का आधा हिस्सा केवल फल और सब्जियों से आना चाहिए। इसके अलावा, अनाज, प्रोटीन और डेयरी आइटम होने चाहिए। साथ में आपको स्मोकिंग, ऐल्कोहॉल से बिल्कुल दूरी बनानी चाहिए।

एसी से क्यों होती है ड्राई आइज़ की समस्या

समझिए कि कौन-से उपाय आएंगे काम

एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा रखने के लिए कमरे की हवा से नमी (ह्यूमिडिटी) को कम कर देते हैं। इस वजह से हवा शुष्क हो जाती है जिस कारण हमारी आंखों की सतह पर मौजूद आंसू बहुत तेज़ी से भाप बनकर उड़ जाते हैं। इसी वजह से आंखों में सूखापन, जलन, चुभन, लालिमा या लगातार बेचैनी महसूस होने लगती है। यह समस्या उन लोगों में और भी ज़्यादा बढ़ जाती है जो कंप्यूटर या स्क्रीन के सामने लंबे समय तक काम करते हैं या अपना ज़्यादातर समय घर के अंदर ही बिताते हैं। इसलिए इस मौसम में एसी से दूर रह पाना तो संभव नहीं है पर हां कुछ उपाय काम ज़रूर आ सकते हैं, इन्हीं के बारे में जानकारी दे रहे हैं- डॉ. नीरज संदुजा निदेशक, वियान आई एंड रेटिना सेंटर, गुरुग्राम

बचाव और राहत के मुख्य उपाय

यदि आपके काम या दिनचर्या के कारण एसी में बैठना मजबूरी है, तो आप इन आसान और प्रभावी उपायों को अपनाकर अपनी आंखों को सुरक्षित रख सकते हैं-

एसी की सीधी हवा से बचें- अपनी बैठने की जगह या एसी के वेंट को इस तरह एडजस्ट करें कि उसकी ठंडी और शुष्क हवा सीधे आपके चेहरे या आंखों पर न पड़े।

स्क्रीन से नियमित ब्रेक लें- काम के दौरान आंखों को लगातार स्क्रीन पर न गड़ाए रखें, बल्कि बीच-बीच में थोड़ा ब्रेक लें।

बार-बार पलकें झपकाएं- स्क्रीन देखते समय हम अक्सर पलकें झपकना भूल जाते हैं। सचेत रहकर बार-बार पलकें झपकाएं, जिससे आंखों में प्राकृतिक नमी बनी रहे।

पर्याप्त पानी पीकर हाइड्रेटेड रहें- शरीर में नमी का स्तर बनाए रखने के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप्स- यदि आंखों में सूखापन ज़्यादा परेशान कर रहा हो, तो डॉक्टर की सलाह पर आंखों में नमी बनाए रखने वाली ड्रॉप्स का इस्तेमाल करना काफ़ी फ़ायदेमंद हो सकता है।

विशेष नोट- अगर तमाम सावधानियां बरतने के बाद भी आंखों का सूखापन और बेचैनी लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसे बिलकुल भी नज़रअंदाज़ न करें। सही जांच, सटीक कारण और सही इलाज के लिए किसी नेत्र विशेषज्ञ से सलाह ज़रूर लें।

क्या गर्मी के कारण भी आ सकता है हार्ट अटैक?

इसके जोखिम को कैसे करें दूर

अक्सर गर्मियों के मौसम में डॉक्टर ब्लड प्रेशर और हार्ट से जुड़ी समस्याओं के मरीजों को ज्यादा सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठता है कि क्या गर्मियों के मौसम में हार्ट अटैक आने की संभावना बढ़ जाती है? आगे डॉक्टर से जानते हैं हार्ट अटैक की वजह और बचाव के आसान तरीके।

गर्मियों के मौसम में तेज धूप और पसीने की वजह से शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यह बदलाव कई तरह की शारीरिक समस्याओं का कारण बन सकते हैं। हालांकि, कुछ अस्थायी समस्याएं तो थोड़ी ही समय में अपने आप ठीक हो जाती है। जबकि, कुछ बदलाव गंभीर और जानलेवा हो सकते हैं। यही वजह है कि डॉक्टर गर्मियों के दिनों में हार्ट, डायबिटीज और बीपी के मरीजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। साथ ही, डॉक्टर्स बताते हैं कि गर्मियों के दिनों में तापमान बढ़ने पर शरीर को ठंडा रखने के लिए हार्ट स्किन की ओर ब्लड फ्लो करने के लिए तेजी से पंप करता है। इस बदलाव से हार्ट की कार्यप्रणाली पर दबाव पड़ता है, जो हार्ट से जुड़ी गंभीर स्थिति की वजह बन सकता है। इस लेख में आगे जानते हैं कि क्या गर्मियों के दौरान हार्ट अटैक होने की संभावना बढ़ जाती है और इससे बचाव के लिए क्या करना चाहिए?

एनसीबीआई के अनुसार गर्मियों के दिनों में जब तापमान बढ़ता है तो ऐसे में शरीर बॉडी टेम्परेचर को कूल डाउन करने के लिए त्वचा की रक्त वाहिकाओं को फैलाता है। इस दौरान ब्लड प्रेशर कम होना शुरू होता है, और दिल को तेजी से काम करना पड़ता है। इसी समय पसीने के कारण शरीर में पानी और इलेक्ट्रॉलाइट्स की कमी हो जाती है, जो हार्ट पर अतिरिक्त दबाव उत्पन्न करती है। ऐसे में यदि किसी व्यक्ति को पहले से हार्ट से जुड़ी समस्या या बीपी से जुड़ी समस्या हो तो उनको स्ट्रोक और हार्ट अटैक आने की संभावना बढ़ जाती है।

पीरियड्स के बिना हेवी ब्लीडिंग किन रोगों का संकेत है

महिलाओं को किन स्थितियों में अलर्ट हो जाना चाहिए

पीरियड्स के समय के अलावा ब्लीडिंग होना कई महिलाओं के लिए चिंता का कारण बन सकता है। कभी-कभी यह सामान्य हार्मोनल बदलाव के कारण होता है, लेकिन बार-बार या हेवी ब्लीडिंग किसी हेल्थ प्रॉब्लम का संकेत भी हो सकता है। इस स्थिति को एबनॉर्मल वजाइनल ब्लीडिंग कहा जाता है। इस समस्या का सही समय पर कारण जानना और इलाज करवाना बहुत जरूरी है।

अगर किसी महिला को पीरियड्स के बिना ब्लीडिंग हो रही है तो इसे हल्के में न लें। एबनॉर्मल ब्लीडिंग होने पर देर या लापरवाही करना जोखिम भरा हो सकता है। खासकर 40 की उम्र के बाद ये समस्या महिलाओं के लिए बड़े रोग का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में महिला की जांच और सही इलाज कराना बेहद जरूरी है।

एबनॉर्मल ब्लीडिंग क्या है?

जब 2 पीरियड्स के बीच में ब्लीडिंग हो, फिजिकल रिलेशन के बाद हेवी ब्लीडिंग हो, हेवी पीरियड्स हों या मेनोपॉज के बाद ब्लीडिंग हो, तो इसे एबनॉर्मल ब्लीडिंग माना जाता है। कुछ महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान भी कम या ज्यादा ब्लीडिंग हो सकती है। यह ब्लीडिंग हल्के धब्बों के रूप में भी हो सकती है और कभी-कभी ज्यादा मात्रा में भी हो सकती है। यदि ऐसा बार-बार हो रहा है, तो महिला की जांच कराना बेहद जरूरी है।

महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन पीरियड्स साइकिल को नियंत्रित करते हैं। जब इन हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ता है, तो गर्भाशय की परत प्रभावित होती है और एबनॉर्मल ब्लीडिंग हो सकती है। महिलाओं के शरीर में हर उम्र में हार्मोनल बदलाव होते हैं। हार्मोन के असंतुलन के कारण उनके पीरियड्स अनियमित हो सकते हैं और बीच-बीच में ब्लीडिंग भी हो सकती है। महिलाओं में आमतौर पर इन कारणों से हार्मोनल बदलाव हो सकते हैं- लगातार तनाव में रहना, अचानक वजन बढ़ना या कम होना, बहुत ज्यादा एक्सरसाइज करना, गर्भनिरोधक गोलियों का उपयोग, टीनएज या मेनोपॉज के दौरान, इन्फेक्शन के कारण ब्लीडिंग।

वजाइना या सर्विक्स में इन्फेक्शन होने पर भी खून आ सकता है।

यीस्ट इन्फेक्श, बैक्टीरियल इन्फेक्श या एसटीआई के कारण सूजन और जलन हो सकती है।

बिना चोट के शरीर पर नीले निशान, क्या ये गंभीर रोग का संकेत है, इससे बचने के उपाय

गर्मियों में कई लोग स्किन पर अचानक उभर आए नीले निशान देखकर घबरा जाते हैं। कई लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ गर्मी का असर है। लेकिन शरीर पर दिखने वाला हर नीला निशान केवल गर्मी की वजह से नहीं होता। कई बार यह शरीर के अंदर चल रही किसी दूसरी समस्या का संकेत भी हो सकता है इसलिए इन निशानों को समझना जरूरी है।

कई बार बिना चोट लगे शरीर पर नीले निशान पड़ जाते हैं। इस स्थिति को सायनोसिस कहते हैं। आम भाषा में इसे नील भी कहते हैं। कई लोग इसे बदलते मौसम का हवाला देकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। सायनोसिस की अन्य वजहें भी हो सकती हैं। सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि सायनोसिस, चोट के निशान और त्वचा के नीचे रक्तस्राव एक जैसी चीजें नहीं हैं। लोग अक्सर इन्हें एक ही मान लेते हैं, जबकि इनके कारण और प्रभाव अलग-अलग होते हैं। सायनोसिस का मतलब है त्वचा का नीला पड़ जाना। यह तब होता है जब खून में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।

लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं

प्रश्न : मेरी उम्र ५५ वर्ष है। रक्त की जांच से इसिनोफीलिया का पता चला है। इस रोग के कारण और उपचार के विषय में जानकारी दें- कृपा होगी।

- रघुवीर शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : श्वेत रक्त कण शरीर की आवश्यक रक्षा पंक्ति के सदस्य हैं। इनसे ही शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति आती है। श्वेत रक्त कण कई प्रकार के होते हैं यथा न्यूट्रोफिल्स, बेसोफिल्स, इसिनोफिल्स और लिंफोसाइट्स आदि। जब इसिनोफिल नामक श्वेत रक्त कणों की संख्या रक्त में सामान्य से अधिक हो जाती है तो उस अवस्था को इसिनोफिलिया कहते हैं।

इसके मुख्य कारण है- परजीवी संक्रमण, कुछ अंग्रेजी दवाओं की प्रतिक्रिया, जोड़ों के रोग, रक्त कैंसर, अनुर्जता, अस्थमा आदि। इन अवस्थाओं में यह विशेष श्वेत रक्त कोशिकाएं सामान्य से अधिक हो जाती है। चिकित्सा प्रारंभ करने से पहले निदानार्थ रक्त परीक्षण आवश्यक है। यदि रोग के कारको का पता चल जाता है तब इलाज आसान हो जाता है।

आयुर्वेद में इसका उपचार है। एकौषधि में हरिद्रा या हल्दी का सेवन जरूरी नतीजे देता है। औरा का एलेक्झी टेबलेट हल्दी युक्त दूध या पानी से सेवन करें। साथ में हरिद्रा खंड भी जोड़ा जा सकता है। खांसी और श्वास कष्ट की स्थिति में ऊंझा वासकासव भोजन के बाद सेवन करने से लाभ होता है। तीन सप्ताह के सेवन के बाद फिर से रक्त में इसिनोफिल्स की संख्या की जांच कराएं। ठंडा, बासी, गरिष्ठ भोजन का त्याग करें। वसि व तैलीय भोजन न लेवे।

प्रश्न : मैं लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- आनंद राव, हैदराबाद

उत्तर : वात, पित्त, कफ व रक्तदोष की दुष्टि होने पर शिरशूल यानी सिर दर्द होता है। यह क्षय और कृमि रोग में एक लक्षण के रूप में होता है।

1 ग्राम गोदंती भस्म को 4 से 6 ग्राम शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से बहुत आराम मिलता है। ऊंझा शिरशूलादि वज्र रस टिकिया, ऊंझा सूतशेखर रस को पथ्यादि काढ़ा के साथ सुबह-शाम लेने से भयंकर से भयंकर सिर दर्द दूर हो जाता है। दही, पनीर, चॉकलेट, ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी, फ्रिज के ठंडे पानी आदि का हमेशा परहेज करें।

यह ध्यान रखें कि कौन से खाद्य पदार्थ व कैसी स्थितियां सिर दर्द को बढ़ा रही है। भविष्य में ऐसे व्यंजनों व स्थितियों से दूर रहा करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 41 वर्ष है। पिछले एक महीने से मेरे पैरों एवं हाथों की उंगलियों में दर्द व जलन होने लगी है। आयुर्वेद में इलाज बताएं।

- अप्पा राव, करीमनगर

उत्तर : आपके लक्षणों से लगता है आपको वातरक्त याने गठिया का प्रकोप हुआ है। इसे ही गाउट नाम से भी जाना जाता है। इसमें हाथ पैर की उंगलियों और संधियों में तीव्र पीड़ा व जलन होती है। इसमें स्पर्श असह्य हो जाता है।

शून्यता (नंबनेस) और त्वक वैवर्ण्य भी प्रमुख लक्षणों के रूप में सामने आते हैं। इसकी विशेष जांच के लिए और विभेदक निदान के लिए रक्त में यूरिक एसिड के स्तर की जांच की जाती है। यदि यूरिक अम्ल का स्तर 6 के ऊपर जाता है तो यह रोग निश्चित रूप से वातरक्त ही है।

आयुर्वेद में इसका उपचार है। एकौषधि में गुडूची क्वाथ, शुद्ध गुग्गुलु व वासा स्वरस का प्रयोग वांछित फल देता है।

मिश्रित प्रयोगों में ऊंझा कैशोर गुग्गुलु, पुनर्नवादी गुग्गुलु या औरा अमृता गुग्गुलु विशेष रूप से उपयोगी साबित हुए हैं। पीड़ा के स्थान पर पिंड तेल की मालिश बेहतर नतीजे देती है। ऊंझा महारास्नादि क्वाथ को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने जल के साथ मिलाकर, सुबह-शाम भोजन के बाद पीने से आराम मिलता है।

पथ्य में - सभी दालें, प्रोटीन युक्त पदार्थ कम से कम करें।

उड़द, कुलथी, गन्ने का रस, दही आदि बंद करें। दिन में सोना, धूप का सेवन, अधिक व्यायाम, मैथुन आदि कर्म को त्यागना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

दुनिया की सबसे सुरक्षित तिजोरी में सेंध!

अमेरिका ने रखा है 600 अरब डॉलर का सोना, ट्रंप ने की ऑडिट की मांग

नई दिल्ली,1 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फोर्ट नॉक्स के गोल्ड रिजर्व के फिजिकल ऑडिट की मांग की है। यहां अमेरिका के कुल रिजर्व का करीब आधा सोना रखा हुआ है जिसकी वैल्यू करीब 600 अरब डॉलर है। पिछले 70 साल से इसका इंडिपेंडेंट ऑडिट नहीं कराया गया है। इससे अमेरिका में सबसे सुरक्षित जगह माना जाता है।

इसे समुद्र तट से दूर केंटुकी में 1936 में ग्रेनाइट, स्टील और कंक्रीट से बनाया गया था। इसके चारों तरफ कंक्रीट की मोटी दीवार है और अंदर ऐसा स्टील लगा है जिस पर ड्रिलिंग नहीं की जा सकती है। इसका दरवाजा 20 टन वजनी है और इसे इस तरह बनाया गया है कि यह कई तरह के हमलों को झेल सकता है। इसे दुनिया की सबसे सुरक्षित तिजोरी माना जाता है। फोर्ट नॉक्स की सुरक्षा इतनी तगड़ी है कि यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। लेकिन लंबे समय से इसका ऑडिट नहीं हुआ है। यही वजह है कि इसकी पारदर्शिता पर सवाल उठते रहते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में एक पोस्ट में कहा कि अब फोर्ट नॉक्स के फिजिकल ऑडिट का समय आ गया है। हाल में सीआईए के एक पूर्व अधिकारी पर करोड़ों डॉलर, के गोल्ड बार और कैश की चोरी का आरोप लगा था। इस खबर ने पूरे देश का ध्यान फोर्ट नॉक्स की तरफ खींचा है। पुलिस को उसके पास से 40 मिलियन डॉलर से अधिक के करीब 300 गोल्ड बार बरामद हुए थे।

कितनी है कीमत?

अमेरिका के ट्रेजरी विभाग के मुताबिक फोर्ट नॉक्स में करीब 147.3 मिलियन ओंस सोना रखा हुआ है जो अमेरिका की फेडरल गवर्नमेंट के कुल रिजर्व का करीब आधा है। ट्रेजरी का कहना है कि हर साल इसे रिव्यू किया जाता है लेकिन आचोलकों का कहना है कि कई दशक से इसका फुल इंडिपेंडेंट ऑडिट नहीं हुआ है। आखिरी बार कांग्रेस के सदस्यों ने 1974 में इसका इंसपेक्शन किया था। इस फैसिलिटी को 1936 में बनाया गया था ताकि देश की गोल्ड रिजर्व को तटीय शहरों से दूर सुरक्षित स्थान पर रखा जा सके।

इस डिपॉजिटरी में गोल्ड के साथ-साथ अमेरिका के सबसे वैल्यूएबल ऐतिहासिक दस्तावेज भी रखे गए हैं। इनमें आजादी की घोषणा और संविधान की मूल प्रतियां भी शामिल हैं। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान इन चीजों को वहां रखा गया था। माना जा रहा है कि डिपॉजिटरी में रखे गए सोने की कीमत मौजूदा मूल्य के हिसाब से 590 अरब डॉलर बैठती है। इसका आखिरी फुल ऑडिट 1954 में हुआ था।

अमेरिका का गोल्ड रिजर्व

यह पहला मौका नहीं है जब ट्रंप ने फोर्ट नॉक्स के इंडिपेंडेंट ऑडिट की मांग की है। पिछले साल भी ट्रंप और एलन मस्क ने सार्वजनिक रूप से फोर्ट नॉक्स पर सवाल उठाए थे और इसके फिजिकल ऑडिट की मांग की थी। हालांकि इस मांग को नहीं माना गया और ट्रांसपेरेंसी को लेकर सवाल अब भी बने हुए हैं। अमेरिका के पास 8,133 टन गोल्ड रिजर्व है जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। अमेरिका की सरकार फोर्ट नॉक्स को दुनिया के सामने नहीं लाना चाहती है।

अडानी की बोली को कैसे मंजूरी देंगे डीके शिवकुमार?

मुख्यमंत्री के तौर पर होगी पहली अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली,1 जून (एजेंसियां)। कनार्टक में डीके शिवकुमार बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बतौर मुख्यमंत्री उनकी पहली राजनीतिक परीक्षा राजधानी बेंगलुरु में ट्विन टनल रोड प्रोजेक्ट को लेकर होगी। समस्या यह है कि शिवकुमार के इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए अडानी ग्रुप ने सबसे कम बोली लगाई है।

लेकिन यह सर्वविदित है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी को पसंद नहीं करते हैं। शिवकुमार बेंगलुरु के मिनिस्टर इन चार्ज रहे हैं और इसे उनका पेट प्रोजेक्ट माना जाता है। वह पहले कई बार कह चुके हैं कि हेब्बल और सिल्क बोर्ड जंक्शन के बीच 17 किमी लंबी टनल रोड ही शहर में ट्रैफिक कम करने का एकमात्र विकल्प है। शहर में सड़कों को चौड़ा करना संभव नहीं है।

इस पीपीपी प्रोजेक्ट के लिए अडानी एंटरप्राइजेज ने सबसे कम बोली लगाई है। कंपनी प्रोजेक्ट साइट पर सर्वे और सॉइल टेस्टिंग कर रही है। हालांकि उसकी बोली को अभी मंजूरी नहीं मिली है।

0 शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे पहले यही प्रोजेक्ट क्लियरेंस के लिए आएगा। इस रोड की अनुमानित लागत 17,698 करोड़ रुपये है। यह शिवकुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है जिसके जरिए वह बेंगलुरु के इन्फास्ट्रक्चर मैप पर अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं। सिटीजन ग्रुप्स और बीजेपी के कड़े विरोध के बावजूद शिवकुमार इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाना चाहते हैं। माना जा रहा है कि अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है तो इस पर बहुत ज्यादा टोल लगेगा।

अडानी की बोली राज्य सरकार के अनुमानों से ज्यादा है और इसके लिए कैबिनेट की मंजूरी की जरूरत है। लेकिन माना जा रहा है कि इसके लिए राहुल गांधी की मंजूरी सबसे अहम है।

राहुल गांधी कई बार अडानी पर आरोप लगा चुके हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी होने का फायदा मिला है। हालांकि अडानी ग्रुप ने कांग्रेस शासित कई राज्यों में निवेश किया है। इनमें केरल और तेलंगाना शामिल हैं।

साथ ही तमिलनाडु में भी अडानी ग्रुप ने निवेश किया है। अडानी ग्रुप ने 2024 में तेलंगाना में 12,400 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी।

साथ ही उसने तमिलनाडु में 42,700 करोड़ रुपये के निवेश की बात कही है। पिछले साल जब अडानी ग्रुप ने बेंगलुरु के प्रोजेक्ट के लिए बोली लगाई थी तो इससे कांग्रेस में खुसुर-फुसुर शुरू हो गई थी। अडानी ग्रुप की बोली सरकारी अनुमानों से ज्यादा होने के मामले में शिवकुमार ने कहा था कि राज्य सरकार अपनी अनुमानित लागत का केवल 40 फीसदी ही सफल बोलीकर्ता को देगी।

राजधानी एक्सप्रेस देरी से दिल्ली पहुंची

छूट गई एयर इंडिया की फ्लाइट, रेलवे भरेगा 69000

नई दिल्ली,1 जून (एजेंसियां)। रेलवे की प्रीमियम ट्रेन राजधानी एक्सप्रेस भी चार घंटे की देरी से दिल्ली पहुंचे तो क्या कहेंगे। कोटा के एक दंपत्ति ने इस ट्रेन से दिल्ली आने का टिकट बुक कराया था। ट्रेन के अतिशय देरी से चलने की वजह से उनकी केरल जाने वाली फ्लाइट छूट गई। उन्हें अगले दिन का टिकट भारी कीमत देकर लेना पड़ा। यात्री ने न्याय के लिए जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया जहां से उनके पक्ष में फैसला हुआ। रेलवे ने इसकी अपील स्टेट कंज्यूमर फोरम में की।

वहां से भी रेलवे को हार मिली। अब रेलवे को 69,000 रुपये से भी ज्यादा का हर्जाना देना होगा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक यह वाकया है 17 दिसंबर 2017 का है। कोटा में रहने वाले अनिल कुमार राना और उनकी पत्नी अनीता राना ने उस दिन के लिए दिल्ली से त्रिवेंद्रम रूट पर एयर इंडिया की फ्लाइट बुक करायी थी। यह टिकट 9 नवंबर 2017 को ही बुक किया गया था, इसलिए सस्ती पड़ी थी। उन्हें यह टिकट 33,929 रुपये की पड़ी थी। इसके बाद 17 दिसंबर की सुबह कोटा से दिल्ली आने के लिए रेलवे की प्रीमियम ट्रेन नंबर 12431,राजधानी एक्सप्रेस में टिकट बुक कराया।

राजधानी एक्सप्रेस को कोटा से सुबह 6.55 बजे रवाना होकर दोपहर 12.40 बजे दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन में पहुंचना था। उसी दिन दिल्ली हवाई अड्डे से उनकी शाम 6.05 बजे की फ्लाइट थी। मतलब कि उनके पास पर्याप्त समय था। लेकिन यह ट्रेन चार घंटे से भी ज्यादा देरी से, शाम में 4.50 बजे निजामुद्दीन पहुंची। ट्रेन से उतर कर वे जब तक हवाई अड्डा पहुंचे, उनकी फ्लाइट जा चुकी थी। प्लेन मिस होने के बाद कपल को रात एयरपोर्ट पर गुजारनी पड़ी। अगले दिन का

उन्होंने टिकट बुक कराया जो कि 72,930 रुपये का पड़ा। मानसिक परेशानी हुई, होटल पर खर्च अलग से करना पड़ा। इतना सबकुछ करने के बाद वह अगले दिन केरल पहुंचे तो, लेकिन रेलवे की वजह से मन खट्टा हो गया। कोटा वापस आने के बाद राना ने रेलवे को मार्च और सितंबर 2018 में लिखित में रिप्रजेंटेशन दिया। उसमें रेलवे की वजह से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की गई थी। लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने रेलवे को दिसंबर 2018 में लीगल नोटिस भेजा। इसके बाद कोटा के कंज्यूमर फोरम में केस दर्ज किया।रेलवे ने इस केस का विरोध किया। उसका कहना था कि ऑपरेशनल, टेक्निकल और सेफ्टी कारणों से ट्रेन लेट हो जाती है। रेलवे के मुताबिक इसमें 'सेवा में कमी' का कोई मामला नहीं है। लेकिन कोर्ट ने इसे नहीं माना। कोर्ट ने अगस्त 2023 में रेलवे को एयर टिकट पर किए गए 39,001 रुपये के अतिरिक्त खर्च की भरपायी करने को कहा। इसके अलावा उत्पीड़न और मानसिक अशांति के लिए 20,000 रुपये, होटल खर्च के लिए 5,000 रुपये और मुकदमेबाजी के खर्च के रूप में 5,000 रुपये के भुगतान का आदेश दिया। मतलब कि रेलवे को कुल मिला कर 69,001 रुपये का फटका लगा। रेलवे ने इसकी अपील राज्य उपभोक्ता फोरम में की।

सूखाग्रस्त क्षेत्र में भी 'पीने का पानी' आराम से मिलेगा, यह समाधान ढूंढा रेलवे ने

नई दिल्ली,1 जून (एजेंसियां)। रेलवे की सेवा देश के लगभग हर इलाके में है। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई जैसे महानगरों से लेकर राजस्थान के निर्जन इलाकों और बिहार-झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी। देश के कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां आज साफ पानी यानी पीने योग्य पानी की उपलब्धता आज भी बड़ी चुनौती है। ऐसे इलाकों में रेलवे हवा से पानी बनाने वाली मशीन लगाएगा। ये मशीन हवा में मौजूद नमी से पीने योग्य पानी बना सकते हैं।

रेलवे बोर्ड से गई है चिट्ठी

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार रेलवे बोर्ड से इस बारे में पिछले दिनों एक चिट्ठी जारी हुई है। भारतीय रेल के सभी जोन, प्रोडक्शन यूनिट और रेल मंत्रालय की सरकारी कंपनियों के प्रमुख को यह पत्र लिखा गया है। इसमें रेलवे बोर्ड ने कहा है कि हवा से पानी निकालने वाली मशीन उन जगहों पर लगाए जा सकते हैं जहां पानी की कमी होती है। पिछले महीने जारी पत्र में संभावित स्थानों के रूप में रेलवे स्टेशन , अस्पताल, कर्मचारी कॉलोनियां, कार्यालय, लेवल क्रॉसिंग और अन्य सेवा क्षेत्र जहां नियमित

पीने के पानी की आपूर्ति की आवश्यकता होती है, को सूचीबद्ध किया गया था। इस पत्र में लिखा गया है एटमोस्टफेरिक वाटर जनरेटर हवा में मौजूद नमी से सीधे पीने योग्य पानी उत्पन्न करके एक नवोन्मेषी और पर्यावरण-अनुकूल समाधान प्रदान करते हैं। ये सिस्टम पारंपरिक जल स्रोतों पर निर्भरता को कम कर सकते हैं और सतत जल प्रबंधन का समर्थन कर सकते हैं। बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया है कि कई स्थानों पर साफ पीने के पानी की उपलब्धता अभी भी एक चुनौती बनी हुई है।हवा से पानी निकालने वाली मशीन या एडब्ल्यूजी को पहली बार दिसंबर 2019 में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर लगाया गया था। वहां से पॉजिटिव रिस्पांस मिलने के बाद अगस्त 2022 में, सेंट्रल रेलवे में मुंबई डिविजन के छह रेलवे स्टेशनों पर एडब्ल्यूजी लगाए गए थे।

सिलेंडर और गाड़ियां महंगी, यूपीआई

पैन और आधार के बदल गए नियम, आपकी जेब पर कितना होगा असर?

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। जून का महीना अपना साथ कई नए बदलाव लेकर आया है।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में लगातार सातवीं बार बढ़ोतरी की गई है। साथ ही हवाई यात्रा के भी महंगी होने का अनुमान है क्योंकि एयर इंडिया और इंडिगो ने फ्लाइट्स की संख्या में कटौती करने की घोषणा की है। इससे अलावा यूपीआई पेमेंट, आधार और पैन से जुड़े नियमों में आज से बदलाव हो रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। दिल्ली में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। साथ ही छोटे सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। 1 जून से यूपीआई ट्रांजैक्शन से जुड़े नियम में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अगर आप जिस किसी को भी पैसे यूपीआई से ट्रांसफर करेंगे, उसका असली बैंक रजिस्टर्ड नाम आपको स्क्रीन पर दिखाई देगा।

इसमें क्यूआर कोड़ स्कैन करते ही या मोबाइल नंबर डालते ही आपको सही व्यक्ति के बारे में पता चल जाएगा। इसके अलावा, अब यूपीआई-आधारित कार्डलेस एटीएम निकासी को भी बैंक की मासिक मुफ्त निकासी सीमा में शामिल किया जाएगा।

यदि ग्राहक निर्धारित मुफ्त लेनदेन की सीमा पार कर लेते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। यह नियम डेबिट कार्ड से की जाने वाली एटीएम निकासी की तरह ही लागू होगा।

जीएसटी वसूली में हुई कमी

मई में 2 लाख करोड़ से भी कम आए

नई दिल्ली,1 जून (एजेंसियां)। इस समय ईरान युद्ध की छाया दुनिया के हर देश पर पड़ी है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। तभी तो भारत में भी वस्तु एवं सेवा कर की वसूली घटी है। इस साल मई महीने के दौरान इस मद में 1.94 लाख करोड़ रुपये ही आए। इससे एक महीने पहले यानी अप्रैल 2026 में रिकॉर्ड 2.43 लाख करोड़ रुपये की वसूली हुई थी।

ग्रॉस वसूली में 3.2% की वृद्धि

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मई 2026 के दौरान ग्रॉस जीएसटी रेवेन्यू 1.94 लाख करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी महीने में यह 1.88 लाख करोड़ रुपये रहा था। मतलब कि इस लिहाजर से जीएसटी वसूली में 3.2% की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, इस महीने ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू 2.3 फीसदी घट कर 1.34 लाख करोड़ रुपये रहा है।

शुद्ध वसूली भी बढ़ी

इस साल महीने महीने में जीएसटी की शुद्ध वसूली भी साल-दर-साल के अधार पर 3.3% बढ़कर 1.67 लाख करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी महीने में यह 1.62 लाख करोड़ रुपये था। इस महीने कुल रिफंड 2.6% बढ़कर 27,281 करोड़ रुपये हो गए, जबकि वित्त वर्ष के लिए संचयी रिफंड अब तक 10.9% बढ़कर 59,063 करोड़ रुपये हो गया।

आयातित माल पर कितनी वसूली

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार आयातित सामानों पर जीएसटी वसूली में साल-दर-साल के आधार पर 19.1% की बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़कर 59,654 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने यह 50,070 करोड़ रुपये रहा था।

अप्रैल में कितनी हुई थी वसूली

इस साल अप्रैल में जीएसटी की नेट वसूली 2.11 लाख करोड़ रुपये की रही थी। बीते मई में यह घट कर 1.67 लाख करोड़ रुपये रह गया। इससे एक महीने पहले यानी मार्च 2026 में यह दो लाख करोड़ रुपये से कुछ ऊपर रहा था। टैक्स कंसल्टेंसी फर्म टैक्स कनेक्ट एडवाइज़री सर्विसेज़ एलएलपी के पार्टनर विवेक जालान का कहना है कि मई 2026 में जीएसटी प्रदर्शन चुनौती और अवसर दोनों को दर्शाता है।

इकोनॉमी के लिए शानदार खबर

मई में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने पकड़ी रफ्तार, तीन महीने में सबसे तेज

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियां मजबूत डिमांड, बेसिक इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और नए कारोबार से मिले सहारे के दम पर मई में तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई. हालांकि महंगाई का दबाव बना रहा. मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स मई में 55.0 रहा, जो अप्रैल के 54.7 से अधिक है. यह पिछले तीन महीनों में क्षेत्र की स्थिति में सबसे मजबूत सुधार को दर्शाता है. परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है.

उत्पाद बनाने वाली कंपनियों ने फरवरी के बाद सबसे तेज गति से नए ऑर्डर और उत्पादन में वृद्धि दर्ज की. इसके पीछे मांग में मजबूती, बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और नए कारोबार मुख्य वजह रहे. एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी (भारत) ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के न सुलझने के कारण एहतियाती तौर पर भंडारण बढ़ाने का संकेत मिल रहा है. उत्पादन वृद्धि तेज हुई है जबकि खरीद गतिविधि एवं तैयार माल के भंडार में भी तेजी आई. आंकड़ों से पता चला कि घरेलू बाजार ने वृद्धि को गति दी, जबकि निर्यात

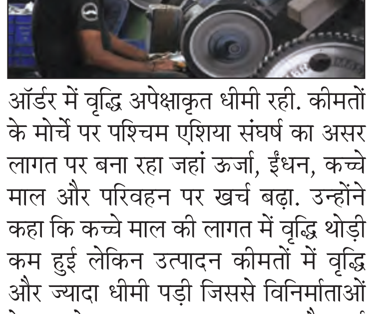

ऑर्डर में वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रही. कीमतों के मोर्चे पर पश्चिम एशिया संघर्ष का असर लागत पर बना रहा जहां ऊर्जा, ईंधन, कच्चे माल और परिवहन पर खर्च बढ़ा. उन्होंने कहा कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि थोड़ी कम हुई लेकिन उत्पादन कीमतों में वृद्धि और ज्यादा धीमी पड़ी जिससे विनिर्माताओं के मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है. हाई कॉस्ट के बावजूद कंपनियों ने मई में अधिक कच्चा माल खरीदा और खरीद का स्तर तीन महीने के उच्च स्तर पर रहा. इसके पीछे भंडार बढ़ाने की कोशिशें प्रमुख रहीं. उत्पादन की बढ़ती जरूरतों से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार सृजन भी जारी रहा, हालांकि इसकी गति अप्रैल की तुलना में थोड़ी धीमी रही. व्यापारिक भरोसा सकारात्मक बना रहा, कंपनियों को उम्मीद है कि साल के अंत तक लागत का दबाव कम होगा. विज्ञापन और मजबूत ऑर्डर बुक ने भी भविष्य की वृद्धि को लेकर आशावाद को सहारा दिया.

शेयर बाजार लगातार चौथे दिन गिरा

सेंसेक्स 508 अंक गिरा, निफ्टी 23400 से नीचे पहुंचा

मुंबई,1 जून (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बड़ा उतार-चढ़ाव दिखा। सोमवार को हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत होने के बावजूद बेंचमार्क सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 508.40 अंक या 0.67% तक टूटकर 74,267.34 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में सेंसेक्स में 1,164.25 अंकों का भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। दूसरी ओर, निफ्टी 165.16 (-0.70%) अंक फिसलकर 23,382.60 पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे गिरकर 94.97 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान एचयूएल और श्रीराम फाइनेंस जैसे शेयरों में लगभग तीन प्रतिशत की गिरावट दिखी।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन एनएसई पर सूचीबद्ध शेयरों में 2,201 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, वहीं 1151 शेयरों में बढ़ दर्ज की गई। 99 शेयरों में कोई बदलाव नहीं दिखा। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को आई कमजोरी का प्रमुख कारण अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष से जुड़ा रोज नया अपडेट आना है। इन अपडेट्स का असर कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर पड़ता है और इससे निवेशकों का रुझान प्रभावित होता है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से जारी लगातार

बिकवाली और बॉन्ड यील्ड्स में बढ़ोतरी ने भी बाजार का माहौल खराब किया।अगर पिछले चार दिनों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो निवेशकों की भारी पूंजी डूब चुकी है। इन चार दिनों में सेंसेक्स कुल 2,221.62 अंकों (2.90%) और निफ्टी 649.1 अंकों (2.70%) की भारी गिरावट दर्ज कर चुका है।

भारतीय बाजार पर विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली का भारी दबाव बना हुआ है। एक्सचेंज के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को एफआईआई ने बाजार से 21,105.86 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की भारी बिकवाली की थी, जब सेंसेक्स 1,092 अंक टूट गया था। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर के अनुसार, बाजार को शुरुआत में एक कूटनीतिक समाधान की उम्मीद थी, लेकिन अब ये उम्मीदें धूमिल होती दिख रही हैं, जिससे बाज़ार में सतर्कता और जोखिम से बचने का मूड हावी हो गया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-44
सूर्यास्त. 18 -43
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष मंगलवार 02 June 2026
तिथि - द्वितीया 19-01 तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - मूल 22-06 तक उप पूर्वाषाढा
योग. - साध्य 07-15 तक उप शुभ
करण - तैतिल 05-49 तक उप गर

विशेष: गण्ड मूल नक्षत्र शांति

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय
सूर्य	वृष	मे	वृष---- 04-38 बजे
चंद्र	धनु	मे	मिथुन--- 06-38 बजे
मंगल	मेष	मे	कर्क---- 08-51 बजे
बुध	मिथुन	मे	सिंह--- 11-02 बजे
गुरु	कर्क	मे	कन्या---13-09 बजे
शुक्र	मिथुन	मे	तुला-----15-14 बजे
शनि	मीन	मे	वृश्चिक---17-25 बजे
राहु	कुंभ	मे	धनु---- 19-38 बजे
केतु	सिंह	मे	मकर-- 21-44 बजे
			कुंभ--- 23-34 बजे
			मीन--- 01-13 बजे
			मेष---- 02-49 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 15-30 से 17-08 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-44 - 07-20	अशुभ	काल	18-43 - 20-08	अशुभ
उत्पात	07-20 - 08-58	अशुभ	लाभ	20-08 - 21-30	शुभ
चंचल	08-58 - 10-36	शुभ	उत्पात	21-30 - 22-52	अशुभ
लाभ	10-36 - 12-14	शुभ	शुभ	22-52 - 00-14	शुभ
अमृत	12-14 - 13-52	शुभ	अमृत	00-14 - 01-36	शुभ
काल	13-52 - 15-30	अशुभ	चंचल	01-36 - 02-58	शुभ
शुभ	15-30 - 17-08	शुभ	रोग	02-58 - 04-20	अशुभ
रोग	17-08 - 18-43	अशुभ	काल	04-20 - 05-44	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा । आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी । अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है । अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें । सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले । अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का –फुल्का काम करें । कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है । ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में ना पड़ें जिनकी आपको बाद में काफी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है। आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द अत्तापुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बड़ी कार्रवाई

आरएएस समेत 20 सेवा से बर्खास्त, 332 निलंबित, 17 की पेंशन बंद

जयपुर, 1 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनुशासनहीनता के खिलाफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने साफ संकेत दिया है कि जनता के काम में बाधा डालने, पद का दुरुपयोग करने और भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एक राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) अधिकारी सहित 20 अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया गया है, जबकि 332 अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित किया गया है।

सरकार की ओर से जारी जानकारी के अनुसार भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से जुड़े मामलों में 108 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति जारी की गई है। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य मामलों में भी कार्रवाई की गई है। वहीं 577 मामलों की जांच फिलहाल जारी है, जिनमें दोषियों की जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया चल रही है। सरकार का कहना है कि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि दोषियों को कानूनी दायरे में लाने का काम भी लगातार किया जा रहा है।

सरकार की सख्ती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जिन अधिकारियों को सेवा से हटाया गया है, उनमें एक आरएएस अधिकारी भी शामिल है। बर्खास्त किए गए अधिकारियों में आरएएस नरसिंह, उपनिदेशक डॉ. पी.आर. खींची, सहायक आचार्य डॉ. सुनील व्यास, प्रवक्ता प्रियंका दिवाकर, कृषि अधिकारी शीना लुकोश, चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार, खनिज अभियंता अनिल खिमेसरा और लेखा सेवा के नरेंद्र तंवर सहित कई अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और चिकित्सा अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई है।

कौन लेगा डोटासरा और जूली की जगह?

राजस्थान कांग्रेस में जल्द हो सकता है बड़ा फेरबदल

जयपुर, 1 जून (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है। जिन्हें नई जिम्मेदारी मिली, उन्हें प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम चल रहा है। पार्टी से जुड़े संगठन यूथ कांग्रेस में भी नए पदाधिकारी के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। अब बड़ी खबर यह है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व भी अब जल्द बदलने वाला है। यानी प्रदेश में पार्टी की कमान नए नेता को सौंपे जाने की तैयारी है। वर्तमान में पार्टी के तेज तर्रार नेता गोविंद सिंह डोटासरा पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हैं। आगामी दिनों में नए नेता को जिम्मेदारी सौंपी जाने वाली है।

संगठन के साथ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका भी नए नेता को दी जा सकती है। वर्तमान में टीकाराम जूली नेता प्रतिपक्ष हैं। हालांकि टीकाराम जूली आक्रामक नेता हैं। सदन में वे सरकार के कामकाज को लेकर सियासी हमला करते रहे हैं। पार्टी उनके कार्य से पूर्ण संतुष्ठ है लेकिन सियासी गलियारों में ऐसी चर्चाएं हैं कि नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी अब नए नेता को दी जा सकती है।

राजस्थान कांग्रेस के वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जुलाई 2020 में प्रदेशाध्यक्ष बनाए गए थे। पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद उनका कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया था। बढ़ाया हुआ कार्यकाल भी पूरा होने वाला है। ऐसे में अब संगठन की कमान नए नेता को सौंपा जाना तय है। नए नेताओं में सचिन पायलट का नाम सबसे आगे है। डोटासरा से पहले पायलट लगातार सात साल तक संगठन में प्रदेश की कमान संभाल चुके हैं। उनकी लोकप्रियता और कामकाज को देखते हुए फिर से जिम्मेदारी दिया जाना तय माना जा रहा है।

किन्हीं कारणों से अगर सचिन पायलट को दोबारा से प्रदेश कांग्रेस की कमान नहीं सौंपी जाती है तो तीन चार नेता और हैं जो प्रदेशाध्यक्ष बनने की दौड़ में चल रहे हैं। इनमें हरीश चौधरी, राजेंद्र पारीक, शांति धारीवाल का नाम शामिल है। ये तीनों नेता पार्टी में काफी सीनियर हैं और दिल्ली तक अपनी पहुंच रखते हैं। पार्टी से जुड़े कुछ नेताओं का कहना है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह को भी राजस्थान की कमान सौंपी जा सकती है।

हालांकि नेता प्रतिपक्ष को बदला जाना फिलहाल तय नहीं है लेकिन अगर बदलाव किया जाता है तो टीकाराम जूली का स्थान गोविंद सिंह डोटासरा ले सकते हैं। डोटासरा भी जूली की तरह आक्रामक नेता हैं। उनके अलावा शांति कुमार धारीवाल और राजेंद्र पारीक को भी नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में माना जा रहा है।

बीजेपी-कांग्रेस के बाद अब हनुमान बेनीवाल के निशाने पर माकपा सांसद

'बुढ़ापा सुधारने' वाले बयान से बढ़ी सियासी गर्मी

सीकर, 1 जून (एजेंसियां)। लगता है नौतपा की भीषण गर्मी का असर राजस्थान की राजनीति पर भी साफ दिखाई देने लगा है। इन दिनों नेताओं की तीखी बयानबाजी ने सियासी माहौल में तल्खी बढ़ा दी है। विभिन्न दलों के नेता एक-दूसरे पर व्यक्तिगत और राजनीतिक हमले करने से नहीं चूक रहे हैं, जिससे प्रदेश की राजनीति का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। राजस्थान की राजनीति में आक्रामक और बेबाक बयान देने के मामले में हनुमान बेनीवाल का नाम सबसे आगे माना जाता है। अपनी राजनीतिक शैली के अनुरूप उन्होंने समय-समय पर सत्ता पक्ष, विपक्ष और विभिन्न दलों के नेताओं पर खुलकर निशाना साधा है। कई नेताओं ने उनके अंदाज में जवाब देने का प्रयास किया, लेकिन अधिकांश ने विवाद को आगे बढ़ाने के बजाय संयम बरतना ही बेहतर समझा।

हनुमान बेनीवाल की बयानबाजी का सिलसिला शायद ही कभी थमता हो। राजनीतिक कद, दल या पद चाहे कोई भी हो, उनकी टिप्पणियों के दायरे से शायद ही कोई बच पाता है। इस बार हनुमान बेनीवाल के निशाने पर कांग्रेस और भाजपा ही नहीं, बल्कि वामपंथी राजनीति का प्रतिनिधित्व करने वाली माकपा भी आ गई। सीकर से सांसद अमराराम को लेकर दिए गए एक बयान ने नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। बेनीवाल ने दावा किया कि अमराराम की जीत में आरएलपी के वोटों की महत्वपूर्ण भूमिका रही और इसी संदर्भ में उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि आरएलपी के वोटों ने उनका 'बुढ़ापा सुधार दिया'।

बेनीवाल की यह टिप्पणी अमराराम को नागवार गुजरी। किसान आंदोलनों और संघर्ष की राजनीति से जुड़े माकपा सांसद ने भी उसी तीखे अंदाज में पलटवार किया। उन्होंने बेनीवाल को खींवसर विधानसभा उपचुनाव की याद दिलाते हुए कहा कि यदि वे इतने प्रभावशाली हैं तो अपनी पत्नी को चुनाव क्यों नहीं जिता पाए। इसके साथ ही उन्होंने कई अन्य राजनीतिक टिप्पणियां भी कीं, जिनकी चर्चा अब सियासी गलियारों में तेजी से हो रही है।

'जिन्होंने विधानसभा भेजा, उनके लिए आखिरी सांस तक लड़ूंगा'

रविंद्र भाटी ने भरी हुंकार; अब क्या होगा अगला कदम?

बाड़मेर, 1 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर में गिरल लिग्नाइट माइंस में स्थानीय श्रमिकों, ड्राइवरों और ग्रामीणों की विभिन्न मांगों को लेकर चल रहा आंदोलन लगातार जारी है। आंदोलन को 27 दिन पूरे हो चुके हैं, जबकि श्रमिकों का कहना है कि वे पिछले 45 दिनों से अपने अधिकारों और रोजगार सुरक्षा को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इस आंदोलन में शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी लगातार श्रमिकों के साथ धरनास्थल पर मौजूद हैं। तपती गर्मी और प्रतिकूल मौसम के बीच विधायक भाटी धरनास्थल पर ही रात्रि विश्राम कर रहे हैं। साथ ही वे वहीं से जनसुनवाई कर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं भी सुन रहे हैं।

रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि श्रमिक पिछले 45 दिनों से शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को उठा रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। उन्होंने कहा कि श्रमिक रोजगार सुरक्षा, सम्मान और श्रम कानूनों के तहत मिलने वाले अधिकारों की मांग कर रहे हैं, जो पूरी तरह उचित हैं। भाटी ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सबसे पहले मेहनतकश वर्ग की बात सुने, क्योंकि यही वर्ग प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

विधायक भाटी ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाया है और आगे भी हर मंच पर मजदूरों की आवाज बुलंद करते रहेंगे। उन्होंने कहा- 'जिन लोगों ने मुझे चुनकर विधानसभा में भेजा है, उनके अधिकारों और सम्मान की रक्षा करना मेरा पहला दायित्व है। मैं राजनीति करने नहीं, बल्कि जनता की लड़ाई लड़ने आया हूं। मजदूरों और स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करूंगा।'

विधायक रविंद्र भाटी ने कहा कि गिरल, आकली, थुमली, सोनड़ी और आसपास के हजारों परिवार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस उद्योग से जुड़े हैं। ऐसे में उनकी समस्याओं को नजरअंदाज करना पूरे क्षेत्र की भावनाओं की अनदेखी होगी।

आंदोलन के बीच भी विधायक भाटी अपने जनप्रतिनिधि होने की जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। प्रतिदिन विभिन्न गांवों से लोग पानी, बिजली, सड़क, चिकित्सा, राजस्व और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ी समस्याएं लेकर धरनास्थल पहुंच रहे हैं। भाटी मौके पर ही लोगों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों से संवाद कर समाधान का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि आंदोलन में शामिल होने का मतलब यह नहीं कि वे क्षेत्र की अन्य जिम्मेदारियों से पीछे हट जाएंगे।

आंदोलनकारियों का कहना है कि यह संघर्ष केवल गिरल माइंस तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रमिक अधिकारों और सम्मान की लड़ाई है। वहीं रविन्द्र सिंह भाटी ने संकेत दिए हैं कि यदि समय रहते मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से चल रहा है, लेकिन मजदूरों की आवाज लगातार अनसुनी रही तो आगे बड़े स्तर पर रणनीतिक निर्णय लिए जाएंगे।

चाय की दुकान पर वैज्ञानिकों को मिली छिपकली की नई प्रजाति

बीकानेर, 1 जून (एजेंसियां)। कहते हैं कि खोजने वाले की नजर हो तो विज्ञान का सबसे बड़ा रहस्य भी सड़क किनारे मिल जाता है। ऐसा ही एक अद्भुत वाकया राजस्थान के बीकानेर जिले में हुआ है, जहां भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को एक चाय की दुकान पर रुकने के दौरान छिपकली की एक बिल्कुल नई और दुर्लभ प्रजाति मिल गई। इस नई प्रजाति का नाम 'मेसालिना बिश्नोई' रखा गया है, जो भारत में 'मेसालिना' वंश का पहला आधिकारिक और पुष्ट रिकॉर्ड है। इस ऐतिहासिक खोज की कहानी बेहद दिलचस्प है। अध्ययन के सह-लेखक धर्मेंद्र खंडाल ने बताया, रास्ते में सड़क किनारे एक चाय की दुकान पर हम कुछ देर चाय पीने के लिए रुके। तभी अचानक जमीन पर दौड़ती एक बेहद छोटी छिपकली पर हमारी नजर पड़ी। उसकी अनूठी बनावट ने हमारा ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लिया।'

जेईई एडवांस्ड 2026 में कोटा का जलवा बरकरार!

ऑल इंडिया रैंक-1 और 2 दोनों शहर के नाम, तीसरी बार रचा इतिहास

कोटा, 1 जून (एजेंसियां)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की ने देर रात देश और दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा संयुक्त प्रवेश परीक्षा (उन्नत) 2026 का परिणाम घोषित कर दिया। इस परीक्षा परिणाम में एक बार फिर अखिल भारतीय शीर्ष-10 में कोटा का दबदबा देखने को मिला है। परिणाम में कोटा के शुभम कुमार ने अखिल भारतीय प्रथम रैंक हासिल की है, जबकि उनके मित्र कबीर ने दूसरी रैंक प्राप्त की है। इस परीक्षा का परिणाम आज सुबह घोषित होना था, लेकिन इसकी घोषणा देर रात ही कर दी गई।

परीक्षा परिणाम घोषित होते ही कोटा में एक बार फिर जश्न का माहौल बन गया। लगातार तीसरी बार ऐसा हुआ है जब संयुक्त प्रवेश परीक्षा (उन्नत) में अखिल भारतीय प्रथम रैंक कोटा के छात्र ने हासिल की है। इसके साथ ही पूरे देश में कोटा के कोचिंग संस्थानों का दबदबा एक बार फिर मजबूत हुआ है। एक समय छात्रों की संख्या में कमी आने से शिक्षा नगरी कोटा में मायूसी का माहौल था, लेकिन अब शहर में फिर से रौनक लौटती दिखाई दे रही है।

कोटा के ही रहने वाले अर्नव गौतम ने भी अखिल भारतीय शीर्ष-10 में जगह बनाते हुए सातवीं रैंक हासिल की है। इससे एक बार फिर साबित हुआ है कि देश की शीर्ष इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में कोटा के छात्रों का प्रदर्शन लगातार शानदार बना हुआ है।

अगर कबीर की बात करें तो वे पहले संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मुख्य) 2026 के टॉपर रह चुके हैं, लेकिन संयुक्त प्रवेश परीक्षा (उन्नत) में उन्हें दूसरी रैंक से संतोष करना पड़ा। वहीं, शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक हासिल कर देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया। शुभम पिछले कई वर्षों से कोटा में रहकर तैयारी कर रहे थे।

साल 2024 से 2026 तक लगातार तीन वर्षों से संयुक्त प्रवेश परीक्षा (उन्नत) की अखिल भारतीय प्रथम रैंक कोटा के छात्रों ने हासिल की है। वर्ष 2024 में वेद लाहोटी, 2025 में रजित गुप्ता और 2026 में शुभम कुमार ने यह उपलब्धि हासिल कर कोटा को देश की इंजीनियरिंग कोचिंग राजधानी के रूप में फिर से स्थापित कर दिया है।

बदला मौसम, कोटा-नागौर में झमाझम बारिश

झालावाड़ में गिरे ओले, 8 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

जयपुर, 1 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कई हिस्सों में सोमवार को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम का मिजाज बदल गया। कोटा, झालावाड़ और नागौर में बारिश के साथ ओले गिरे हैं। राजधानी जयपुर में बादल छाए हुए हैं। मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में अगले चार से पांच दिन तक आंधी-बारिश का दौर जारी रह सकता है। इस दौरान कुछ क्षेत्रों में तेज मेघगर्जन, धूलभरी आंधी और ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। जैसलमेर जिले के रामगढ़ क्षेत्र में अचानक उठे रेत के बवंडर और धूल भरी आंधी ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया था।

कोटा जिले में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और तेज हवा चलने लगी। इसके बाद झमाझम बारिश का दौर शुरू हुआ, जो करीब एक घंटे तक चला। तेज बारिश होने से सड़कें लबालब हो गई। जिले के चेचट कस्बे में करीब एक घंटे तक बारिश हुई। इस दौरान कुछ जगहों पर चने के आकार के ओले भी गिरे। तेज बारिश होने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। रामगंज मंडी क्षेत्र में जोरदार बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया।

झालावाड़ जिले में दोपहर 12 बजे तेज हवा के साथ जोरदार बारिश हुई। रटलाई कस्बे सहित क्षेत्र में 12 बजे तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश का दौर शुरू हुआ जो करीब एक घंटे तक चलता रहा। इस दौरान करीब 20 से 25 मिनट तक जोरदार ओलावृष्टि भी हुई। बारिश के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा, जबकि तापमान में गिरावट होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। झालरापाटन में सुबह से तेज गर्मी और उमस रहने के बाद दोपहर 1 बजे आसमान में बादल छाए। उसके बाद बारिश शुरू हुई। बरसात के बाद तापमान में कमी होने से लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की। पनवाड़ कस्बे में सुबह करीब 10 मिनट तक जोरदार बारिश हुई। इस दौरान चने के आकार के ओले गिरे।

नागौर जिला मुख्यालय पर सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे अचानक तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। तेज गर्जना के साथ हुई बारिश से कुछ ही मिनटों में शहर की सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया। बारिश के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा, जबकि गर्मी से राहत मिलने पर लोगों ने राहत की सांस ली।

इससे पहले सोमवार तड़के भी जिले में बारिश हुई। सुबह करीब साढ़े चार बजे शुरू हुई बारिश रुक-रुक कर कई घंटों तक जारी रही। लगातार हुई बरसात से मौसम सुहावना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। पिछले तीन-चार दिनों से जिले में आंधी और बारिश का सिलसिला बना हुआ है।

इसके प्रभाव से अधिकतम तापमान घटकर 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम रहा। मौसम में आए बदलाव से किसानों और आमजन को गर्मी से राहत मिली है। वहीं लगातार हो रही बारिश के कारण शहर के कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली।

हवेली में खजाना मिलने का झांसा देकर भरोसा जीता

सोने का झूमर दिखाकर 5 लाख ठगे

चूरू, 1 जून (एजेंसियां)। चूरू शहर में एक दुकानदार को सोने का झूमर बेचने के नाम पर 5 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने रामगढ़ की एक पुरानी हवेली से सोने का झूमर मिलने की कहानी गढ़कर दुकानदार का विश्वास जीता और बाद में नकली धातु का झूमर 5 लाख रुपए में बेचकर फरार हो गए। मामले का खुलासा होने पर पीड़ित ने कोतवाली में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ओम कॉलोनी निवासी पवन कुमार, जिनकी नई सड़क पर जूते-चप्पलों की दुकान है, करीब 10 दिन पहले अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति वहां पहुंचा और खुद को पाली जिले के समीप एक गांव का निवासी तथा मजदूर बताया। उसने अपना नाम रामेश्वर बताया और बातचीत के दौरान दुकानदार से पहचान बढ़ा ली।

कुछ दिनों बाद रामेश्वर अपने एक साथी के साथ फिर दुकान पर पहुंचा। उसने बताया कि वे रामगढ़ क्षेत्र की एक पुरानी हवेली को तोड़ने का काम कर रहे थे, जहां उन्हें सोने का एक झूमर मिला है। अपनी बात पर भरोसा दिलाने के लिए उसने झूमर का एक छोटा टुकड़ा पवन कुमार को जांच के लिए दिया। पवन कुमार ने वह टुकड़ा एक सुनार से जांच करवाया, जहां वह असली सोना निकला। इसके बाद दुकानदार का विश्वास पूरी तरह जीत लिया गया।

आरोपियों ने करीब 500 ग्राम वजनी झूमर को असली सोना बताकर 5 लाख रुपए में बेच दिया। सौदा होने के बाद पवन कुमार ने झूमर की दोबारा जांच करवाई तो सच्चाई सामने आ गई। जांच में पता चला कि झूमर नकली धातु का बना हुआ है और केवल जांच के लिए दिया गया छोटा टुकड़ा ही असली सोने का था। पीड़ित ने ठगी के आरोपियों को शहर में कई स्थानों पर तलाशा लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। तब जाकर उसने पुलिस थाने पहुंचकर आपबीती बताई।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर ट्रेलर में लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

देखते ही देखते राख हुआ वाहन

बालोतरा, 1 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा जिले से गुजर रहे भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। बिठूजा गांव के निकट तेज रफ्तार से गुजर रहा एक ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुछ ही क्षणों में ट्रेलर में आग लग गई और देखते ही देखते पूरा वाहन आग की विकराल लपटों में घिर गया। हादसे के दौरान चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेलर से छलांग लगाकर अपनी जान बचाई, जबकि कुछ ही मिनटों में पूरा ट्रेलर जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना सोमवार सुबह करीब 7 बजे की है। ट्रेलर में मिट्टी (रेत) भरी हुई थी और वह बीकानेर की ओर से जामनगर की दिशा में जा रहा था। बिठूजा गांव के समीप पहुंचते ही चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रेलर डिवाइडर में लगी सुरक्षा रेलिंग से जा टकराया। टक्कर के बाद अचानक वाहन के अगले हिस्से से धुआं उठना शुरू हुआ और कुछ ही सेकंड में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हादसे के बाद उठीं आग की ऊंची-ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। सुबह के समय एक्सप्रेस-वे से गुजर रहे वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोगों ने अपने वाहन रोककर घटना का वीडियो बनाया, जबकि कुछ लोग चालक की मदद के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रेलर को बचाने का कोई मौका ही नहीं मिला।

अजमेर हत्याकांड: मृतक कांग्रेस नेता रामसिंह की पत्नी पुलिस रिमांड पर

खूनी पंजे और अधजले ग्लव्स के सबूतों ने खोला राज

अजमेर, 1 जून (एजेंसियां)। अजमेर के बोराड़ा थाना क्षेत्र के चर्चित चौहरा हत्याकांड में पुलिस जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, हत्या की साजिश, उसकी भयावह तैयारी की नई-नई परतें खुलती जा रही हैं। आरोपी मां, बेटी और नाबालिग बेटे ने वारदात को अंजाम देने के बाद साक्ष्य मिटाने के भरसक प्रयास किए लेकिन घटनास्थल पर खून के निशान, अधजले ग्लव्स, टूटा चाकू, डीजल की गंध जैसे अहम सुरागों ने पुलिस को पूरी वारदात का खुलासा करने में मदद की। बोराड़ा थाने के श्रीरामपुरा में पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला और उनकी टीम की तत्परता ने हत्या के आरोपियों को साक्ष्य पूरी तरह से मिटाने का मौका नहीं दिया। जलती हुई एसयूवी कार में शवों को देखने के बाद एफएसएल, एमओबी की टीम रामसिंह चौधरी के घर पहुंची। यहां प्रारंभिक पड़ताल में इतना कुछ मिल गया जो कि चौहरा हत्याकांड की कहानी बयान कर रहा था।

पुलिस को जांच के दौरान घटनास्थल के निकट एक पेड़ के तने पर खून से सना हाथ के पंजे का निशान मिला। शुरुआती पड़ताल में सामने आया कि आरोपी ने खून से सने हाथ के साथ अनजाने में तने का सहारा लिया था। हालांकि पंजे के निशान में हथेली की रेखाएं नहीं मिलने से पुलिस इस निष्कर्ष पर पहुंची कि वारदात के दौरान ग्लव्स पहने गए थे। आरोपियों ने ग्लव्स को चूल्हे में जलाकर नष्ट करने का प्रयास भी किया, लेकिन जल्दबाजी में वे पूरी तरह नहीं जल पाए। पुलिस को एसयूवी कार में मृतकों के अधजले कपड़े मिले, जिनसे डीजल की तीव्र गंध आ रही थी। इससे पुलिस टीम का संदेह और मजबूत हुआ कि वारदात के बाद सबूत मिटाने के उद्देश्य से शवों को आग के हवाले किया है। एसयूवी को दुर्घटनाग्रस्त बताया लेकिन कोई हिस्सा क्षतिग्रस्त नहीं था। जो कुछ भी नुकसान हुआ वो आग से हुआ था।

हालांकि पुलिस ने मां, बेटी और नाबालिग बेटे की भूमिका को लेकर कार्रवाई की है लेकिन क्षेत्र के लोगों के बीच अब भी यह चर्चा है कि इतनी बड़ी वारदात को अंजाम देने और बाद में शवों को ठिकाने लगाने में हो सकता है कि किसी चौथे या पांचवें व्यक्ति की भी मदद ली गई है। पुलिस फिलहाल इस पहलू को भी नजरअंदाज नहीं कर रही है।

सीएम रेवंत रेड्डी ने पानी छोड़ने के मामले में ऊपरी राज्यों से तालमेल बिठाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि राज्य को कृष्णा और गोदावरी नदियों से उसके हिस्से का उचित पानी मिले। यह निर्देश मौसम विभाग के उस पूर्वानुमान को देखते हुए दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि इस साल अल नीनो के प्रभाव के कारण सूखे जैसी स्थिति बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने आगाह किया कि यदि ऊपरी राज्यों ने अपनी नीति पर कायम रहते हुए, अपने बांधों के पूरी तरह भर जाने के बाद ही पानी छोड़ने का सिलसिला जारी रखा, तो राज्य को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में सूखे जैसी स्थिति की आशंका को देखते हुए, मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन राज्यों के अधिकारियों से पहले ही परामर्श करके एक उचित कार्ययोजना तैयार करें। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तेलंगाना को 'प्रो-राटा' (आनुपातिक) सिद्धांत के अनुसार उसके हिस्से का उचित पानी मिल सके। सोमवार को, रेवंत रेड्डी ने विभिन्न सरकारी विभागों की मानसून तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मुख्य सचिव रामकृष्ण राव को निर्देश दिया कि वे महाराष्ट्र के अधिकारियों के साथ एक प्रस्ताव पर चर्चा करें। इस प्रस्ताव के तहत, तेलंगाना कोयना बांध (जो महाराष्ट्र में स्थित है) के 100 प्रतिशत पानी का उपयोग करेगा। जिसका उपयोग वर्तमान में महाराष्ट्र द्वारा विशेष रूप से पनबिजली उत्पादन के लिए किया जाता है- और बदले में, महाराष्ट्र को आवश्यक बिजली की आपूर्ति करेगा।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि यद्यपि गोदावरी नदी से हर साल हजारों टीएमसी पानी बहकर समुद्र में चला जाता है, लेकिन पानी की यह पूरी विशाल मात्रा (बाढ़ का पानी) बहुत ही कम समय के भीतर बह जाती है। इसी पृष्ठभूमि में, मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि गोदावरी और प्राणहिता नदी प्रणालियों से आने वाले बाढ़ के पानी को प्रभावी ढंग से मोड़ने के तरीके पर एक स्पष्ट नीति तैयार की जानी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सिलेरू और तुंगभद्रा बांधों से उत्पादित बिजली में तेलंगाना के उचित हिस्से पर एक रिपोर्ट तैयार करें, ये बांध तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश में बनाए गए थे। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से बांधों के रखरखाव के बारे में जानकारी ली और निर्देश दिया कि राज्य भर के सभी बांधों के फाटकों (गेट्स) की मरम्मत और रखरखाव का कार्य युद्धस्तर पर किया जाए। रेवंत रेड्डी ने उन चुनौतियों को याद किया, जिनका सामना तब करना पड़ा था जब काडेम परियोजना में पानी का भारी प्रवाह हुआ था। राज्य के वित्त विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सूचित किया कि बांध के फाटकों की मरम्मत और रखरखाव के लिए 300 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस मॉनसून के मौसम में कहीं भी बांधों से जुड़ी कोई समस्या आती है, तो अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे मौसम विभाग द्वारा दिए गए पूर्वानुमानों और रिपोर्टों के आधार पर फसल की खेती के संबंध में निर्णय लें। उन्होंने सुझाव दिया कि किसानों को 'रैथु वेदिका' (किसान मंच) के माध्यम से फसल चक्र, फसल विविधीकरण, कम पानी वाली फसलों की खेती और विभिन्न प्रकार की फसलों के बारे में जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इन मामलों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एआई तकनीक का उपयोग करके बनाए गए वीडियो दिखाए जाने चाहिए, और अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि इन विषयों से संबंधित प्रसारण टेलीविज़न चैनलों पर दिखाए जाएं।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को आगे निर्देश दिया कि वे मौजूदा स्थिति के अनुसार पीने के पानी, बिजली उत्पादन, सिंचाई और औद्योगिक ज़रूरतों के लिए जल संसाधनों का आवंटन करें। बिजली विभाग को मॉनसून के मौसम से पहले ही सभी ज़रूरी उपकरण खरीद लेने चाहिए, और यह निर्देश जारी करना चाहिए कि जब भी ट्रांसफ़ॉर्मर खराब हों या बिजली की लाइनें टूट जाएं–जिससे तेज़ हवाओं और भारी बारिश के कारण बिजली आपूर्ति में रुकावट आए- तो तुरंत कार्रवाई करते हुए ज़रूरी मरम्मत की जाए और बिजली आपूर्ति बहाल की जाए।

डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने की खड़गे से भेंट

झारखंड के राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भेंट की। इस दौरान भट्टी विक्रमार्क ने पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर हाल ही में किए गए अपने झारखंड दौरे की जानकारी देते हुए वहां की राजनीतिक स्थिति और कांग्रेस की गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने बताया कि झारखंड में होने वाले राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर उनकी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ विस्तृत चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि चुनाव में सफलता सुनिश्चित करने के लिए 'इंडिया' गठबंधन के सभी सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर साझा रणनीति बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष को यह भी बताया कि उन्होंने झारखंड के कांग्रेस नेताओं के साथ कई बैठकों में भाग लिया, जिनमें गठबंधन दलों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और चुनाव के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि झारखंड कांग्रेस के नेता गठबंधन की एकजुटता को मजबूत ढंग से प्रस्तुत करने और आगामी राज्यसभा चुनाव में विजय प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने इन प्रयासों की पूरी जानकारी कांग्रेस अध्यक्ष को दी।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आज से

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री विशामोढ़ गौभुजा समाज वाड़ी, गिरिराज लेन, कोठी, हैदराबाद में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आज से होने जा रहा है, जो 9 जून तक चलेगा।

व्यास पीठ पर पं. मनोज त्रिवेदी श्रीमाली कथा का रसपान कराएंगे। कथा का समय प्रतिदिन मध्याह्न 3 बजे से सायं 7 बजे तक रहेगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 2 जून को भागवत महात्म्य एवं गोकर्ण कथा का प्रसंग रहेगा। 3 जून को नारद चरित्र एवं परीक्षित रक्षा का वर्णन होगा। 4 जून को कपिलोपाख्यान, ध्रुव चरित्र एवं सती चरित्र की कथा रहेगी। 5 जून को जड़भरत कथा, प्रह्लाद चरित्र एवं श्री नरसिंह अवतार रहेगा। 6 जून को श्री वामन अवतार, श्री राम चरित्र एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव होगा। 7 जून को नन्दोत्सव, श्रीकृष्ण बाललीला, गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग का आयोजन रहेगा। 8 जून को मथुरा लीला, श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह, महारास एवं फूलों की होली होगी। 9 जून प्रातः 9 बजे श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, शुकदेव विदाई एवं कथा का विराम होगा।

रविवार 7 जून 2026 को सायं 6 बजे श्रीमाली ब्राह्मण ब्रह्म रामायण मंडल द्वारा सामूहिक सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। सभी से अपील की गई है कि रविवार 7 जून को रात्रि 8 बजे कथा स्थल पर, परम पावन पुरुषोत्तम मास (ज्येष्ठ अधिक मास) के अवसर पर महाप्रसादी के आयोजन में पधारकर प्रसाद ग्रहण करें। रवि शर्मा, पवन खंडेलवाल, दिलीप बेनीवाल, उदय मेहता, पवन अग्रवाल, दीपक अग्रवाल एवं देवेंद्र दवे, मीतेश जोशी ने सभी भागवत प्रेमी भक्तों से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर उपरोक्त सभी कार्यक्रमों को सफल बनाएं।

रेल संचालन की सुरक्षा को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में रेल संचालन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की। यह बैठक आगामी मानसून सीजन के दौरान संभावित चुनौतियों से निपटने की तैयारियों का आकलन करने तथा सुरक्षित एवं निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इस बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने निर्देश दिए कि मानसून को ध्यान में रखते हुए रेलवे ट्रैक एवं ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) के आसपास घनी वनस्पति की पहचान कर समय पर पेड़ों की छंटाई एवं चिन्हांकन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने क्षेत्रीय स्तर के पर्यवेक्षकों को सतर्क रहने तथा किसी भी समस्या की तुरंत पहचान कर बिना विलंब समाधान करने के निर्देश दिए। श्रीवास्तव ने रेल संचालन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि ट्रैक और ओएचई पर किसी भी प्रकार की ढीली धातु सामग्री या निर्माण सामग्री को छोड़ने जैसी लापरवाही को सख्ती से रोका जाए, क्योंकि इससे परिचालन सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने, संवेदनशील क्षेत्रों में 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने तथा आवश्यक मरम्मत कार्यों को तत्काल पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि ये सभी कदम मानसून के दौरान रेल सेवाओं की सुरक्षा, विश्वसनीयता और निरंतरता को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाए जा रहे हैं।

किसानों को 72 घंटे के भीतर मिल रहा भुगतान : उत्तम

सूर्यापेट, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा चलाया जा रहा व्यापक धान खरीद अभियान सफल साबित हो रहा है। खरीद केंद्रों से बड़ी मात्रा में धान का उठान कर उसे चावल कारखानों तक पहुंचाया जा चुका है। सोमवार को मंत्री ने सूर्यापेट जिले के तिरुमलगिरि और फणिगिरि स्थित धान खरीद केंद्रों का दौरा कर खरीद कार्य की प्रगति, धान उठान, परिवहन व्यवस्था तथा किसानों को किए जा रहे भुगतान की समीक्षा की। इस अवसर पर तुंगतुर्थी विधायक मंडुला सैमुअल, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा नागरिक आपूर्ति विभाग के कर्मचारी भी उपस्थित रहे। मंत्री ने किसानों और धान खरीद कार्य में लगे अधिकारियों से बातचीत कर वर्तमान फसल खरीद व्यवस्था की जानकारी ली।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा धान खरीद अभियान अच्छे परिणाम दे रहा है। बड़ी मात्रा में धान को पहले ही चावल कारखानों तक पहुंचा दिया गया है, जिससे खरीद केंद्रों पर दबाव कम हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों द्वारा उत्पादित धान का एक-एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 8,575 खरीद केंद्रों के माध्यम से लगभग 64 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। यह तेलंगाना के इतिहास में धान खरीद केंद्रों का सबसे बड़ा तंत्र है। मंत्री ने कहा कि किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी कारण असमय वर्षा से प्रभावित धान भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जा रहा है। उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार अंतिम दाने तक धान खरीदेगी और किसानों के हितों की रक्षा करेगी।

आयकर विभाग द्वारा आंध्र प्रदेश महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड को स्मृति चिन्ह दिया गया

बैंक के उपाध्यक्ष गोविंद नारायण राठी, निदेशक दीपक कुमार बंग और पवन कुमार लोहिया के साथ इस प्रतिष्ठित स्मृति चिन्ह को थामे हुए दिखाई दे रहे हैं।

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एपी महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एसएफटी फाइलिंग में बेहतरीन अनुपालन प्रथाओं का प्रदर्शन करने हेतु आयकर विभाग, हैदराबाद के इंटेलिजेंस और आपराधिक जांच निदेशालय द्वारा सराहना का स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया है। बैंक का प्रतिनिधित्व करते हुए, उप प्रबंधक श्रीमती शीतल सोनी ने आयोजित पुरस्कार समारोह में यह स्मृति चिन्ह प्राप्त किया।

नियामक अनुपालन और रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मान्यता देते हुए, महेश बैंक तेलंगाना राज्य के उन केवल 5 बैंकों में से एक था, जिन्हें वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 'वित्तीय लेनदेन विवरण' फाइल करने में सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास अनुपालन प्रथाओं का प्रदर्शन करने के लिए आयकर विभाग के इंटेलिजेंस और आपराधिक जांच निदेशालय द्वारा विशेष सराहना हेतु चुना गया। यह विशेष मान्यता बैंक की उपलब्धियों में एक और मील का पत्थर है और इसकी प्रतिष्ठा में एक और इजाफा है।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष गोविंद नारायण राठी ने बैंक के अच्छे प्रयासों को मान्यता देने के लिए आयकर विभाग को धन्यवाद दिया और संबंधित कर्मचारियों की सराहना की, जिनके निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप यह सम्मान प्राप्त हुआ। महेश बैंक 4 राज्यों- तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में फैली 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्यरत है। बैंक अपनी 50वीं स्वर्ण जयंती वर्ष, यानी 2028 तक (आरबीआई के पात्रता मानदंडों के अधीन) 5 और शाखाएं खोलने की योजना बना रहा है। बैंक अपने मूल सिद्धांतों को अक्षुण्ण रखते हुए, स्वयं को एक ऐसे संगठन में रूपांतरित कर रहा है जो किसी भी वाणिज्यिक बैंक के समकक्ष, नवीनतम तकनीकी प्रगति से युक्त उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है। बैंक अपनी विकास की राह पर अग्रसर है।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन में अनियमितताओं की जांच के लिए एसआईटी गठित

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) में कथित वित्तीय अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। यह कदम एचसीए के पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच को तेज करने के उद्देश्य से उठाया गया है। जानकारी के अनुसार, एचसीए के अध्यक्ष ए. जगन मोहन राव, कोषाध्यक्ष सी.जे. श्रीनिवास राव तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कांटे सहित अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ धन के दुरुपयोग और गबन के आरोपों को लेकर विभिन्न पुलिस थानों में चार मामले दर्ज किए गए हैं। आरोप है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पूर्व में हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन को उपलब्ध कराए गए फंड का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया गया। इन शिकायतों और आरोपों के मद्देनजर उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद राज्य सरकार ने मामले की गहन जांच के लिए एसआईटी का गठन किया। एसआईटी अधिकारियों के अनुसार, दर्ज मामलों की जांच अंतिम चरण में है और जल्द ही संबंधित मामलों में आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया जाएगा।

पेटा इंडिया के शाकाहार अभियान का चेहरा बने अभिनेता आदिवी शेष

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता आदिवी शेष को पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया (पेटा इंडिया) के नए अभियान 'चिक्स लव ए वेजिटेरियन' का चेहरा बनाया गया है। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) से पहले शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य लोगों को शाकाहार अपनाने और पशुओं के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित करना है। 'मेजर', 'गुडाचारी' और हाल ही में रिलीज हुई 'डकैत' जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुके आदिवी शेष ने अभियान के तहत जारी संदेश में कहा कि मुर्गियां भी भावनाओं को समझने और महसूस करने वाले जीव हैं। उन्होंने कहा कि वे भय और प्रेम दोनों का अनुभव करती हैं तथा जीवित रहना चाहती हैं।

आदिवी शेष ने कहा कि वह दुनिया में और अधिक पीड़ा नहीं जोड़ना चाहते। इसी कारण उन्होंने अपने भोजन में करुणा का मार्ग चुना है और पशु-आधारित खाद्य पदार्थों से दूरी बनाई है। उन्होंने लोगों से भी पशुओं के प्रति दया और संवेदनशीलता का भाव रखने की अपील की। पेटा इंडिया का कहना है कि मुर्गियां जटिल सामाजिक संबंध बनाती हैं, सपने देखती हैं और भविष्य को लेकर चिंता भी व्यक्त करती हैं। संगठन के अनुसार, मांस उद्योग में उन्हें अक्सर सीमित और अस्वच्छ स्थानों में रखा जाता है तथा कम उम्र में ही उनका वध कर दिया जाता है। संगठन ने दावा किया कि मांसाहार कम करने या छोड़ने से पशुओं की पीड़ा कम करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। इसके अलावा इससे हृदय रोग सहित कई जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी घट सकता है।

लाभार्थियों को सौंपे गए नए मकान

मंचेरियल, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की महत्वाकांक्षी इंदिरम्मा आवास योजना के तहत सोमवार को मंचेरियल जिले के कोत्तापल्ली मंडल के राजाराम और कोत्तापल्ली गांवों में नवनिर्मित मकानों का उद्घाटन किया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी तथा पेद्दापल्ली सांसद जी. वंशी कृष्ण ने लाभार्थियों को मकानों की चाबियां सौंपकर उन्हें विधिवत आवंटित किया। इस अवसर पर मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रत्येक गरीब परिवार को स्थायी आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अपना पक्का घर मिलने से परिवारों को सुरक्षा, सम्मान और स्थिरता प्राप्त होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नए मकान लाभार्थियों के जीवन स्तर में सुधार लाएंगे और उनके जीवन में नई आशा का संचार करेंगे। सांसद वंशी कृष्ण ने कहा कि राज्य सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

पूर्व तट रेलवे

सं. WHS/52/WAT/Med/MAY-2026, दिनांक : 25.05.2026

पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर मण्डल के रेलवे लाभार्थियों के इलाज के लिए CGHS, ECHS एवं ESIC से सूचीबद्ध / गैर-सूचीबद्ध अस्पतालों, और अन्य इच्छुक प्राइवेट अस्पतालों को मान्यता देने के लिए तथा रक्त में अल्कोहल की मात्रा की जाँच के लिए NABL से मान्यता प्राप्त प्राइवेट लैब्स से 'इच्छा की अभिव्यक्ति' (EOI) आमंत्रित करने का विज्ञापन।

भारत के राष्ट्रपति की ओर से पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक CGHS, ECHS एवं ESIC से सूचीबद्ध अस्पतालों या किसी भी अन्य इच्छुक प्राइवेट अस्पतालों और NABL से मान्यता प्राप्त प्राइवेट लैब्स से निर्धारित आवेदन पत्र पर 'इच्छा की अभिव्यक्ति' (EOI) आमंत्रित करते हैं। ये अस्पताल/लैब्स वाल्टियर मण्डल के KK लाइन: कोत्तवलासा - किरंडुल, KR लाइन: कोरापुट - रायगडा, RV लाइन: रायगडा - विजयनगरम एवं मेन लाइन: विशाखापट्टनम-पुण्डी के स्वास्थ्य केंद्रों के क्षेत्र में या उनके निकट स्थित होने चाहिए। यह आमंत्रण रेलवे लाभार्थियों के उपचार के लिए है, जिसमें कैशलेस क्रेडिट सिस्टम के आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए CGHS दरों या संबंधित अस्पताल की अपनी दरों (इन दोनों में से जो भी कम हो) के अनुसार उपचार प्रदान किया जाएगा।

सभी अस्पतालों और लेबोरेटरीओं को सलाह दी जाती है कि वे निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और यह सुनिश्चित करें की आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए जाएं। अधूरे आवेदन और निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त आवेदन को अस्वीकृत कर दिया जाएगा। पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन एक सीलबंद लिफाफे में जमा किया जाना चाहिए। इस लिफाफे पर स्पष्ट रूप से **"Application for Empanelment of Hospitals / NABL Labs"** लिखा होना चाहिए। यह आवेदन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पूर्व तट रेलवे, मण्डल रेलवे अस्पताल, वाल्टियर के कार्यालय में दिनांक 01.07.2026 को 1500 बजे या उससे पहले जमा कर दिया जाना चाहिए।

अधिसूचना की तिथि	आवेदन पत्र डाउनलोड करने की तिथि	आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि	EOIs खोलने की तिथि
02.06.2026	02.06.2026	01.07.2026	02.07.2026

आवेदन फॉर्म, विस्तृत विवरण एवं अनुलग्नकों की सूची www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

PR-205/R/26-27 अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/ वाल्टियर

दमरे महिला टीम बनी चैंपियन व पुरुष हॉकी टीम बनी उपविजेता

अखिल भारतीय हॉकी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में 27 से 31 मई तक कोयम्बटूर में आयोजित अखिल भारतीय बास्केटबॉल टूर्नामेंट में दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) की महिला बास्केटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। दक्षिण मध्य रेलवे की टीम ने प्रतियोगिता में लगातार बेहतरीन खेल दिखाते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। टीम ने अपने मुकाबलों में सेंट्रल रेलवे, आईसीएफ, साउथ वेस्टर्न रेलवे और केरल पुलिस जैसी मजबूत टीमों को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में दक्षिण मध्य रेलवे का सामना (केएसईबी) की टीम से हुआ। रोमांचक फाइनल मुकाबला निर्धारित समय में 49-49 की बराबरी पर समाप्त हुआ, जिसके बाद अतिरिक्त पांच मिनट के ओवरटाइम में दक्षिण मध्य रेलवे की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए जीत दर्ज कर चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दक्षिण मध्य रेलवे की खिलाड़ी सुश्री हर्षिता बोपैया को 'मोस्ट प्रॉमिसिंग प्लेयर' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। टीम की इस उपलब्धि पर रेलवे खेल प्रबंधन और समर्थकों ने खिलाड़ियों को बधाई दी है। इसी क्रम में तमिलनाडु के कोविलपट्टी में 21 मई से 30 मई तक आयोजित अखिल भारतीय हॉकी टूर्नामेंट में दक्षिण मध्य रेलवे पुरुष हॉकी टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उपविजेता ट्रॉफी अपने नाम की। लीग चरण में दक्षिण मध्य रेलवे की टीम ने सशक्त खेल का प्रदर्शन करते हुए केन्द्रीय लेखा एवं लेखा परीक्षा संगठन (सीएजी), कर्नाटक एवं तमिलनाडु की टीमों को पराजित कर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में टीम ने पंजाब एंड सिंध बैंक को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में दक्षिण मध्य रेलवे ने भारतीय सेना (आर्मी) की टीम को 3-0 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में दक्षिण मध्य रेलवे का सामना भारतीय नौसेना की टीम से हुआ। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट में नौसेना टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की। इस प्रकार दक्षिण मध्य रेलवे को उपविजेता से संतोष करना पड़ा। टीम के इस शानदार प्रदर्शन की खेल जगत एवं रेलवे अधिकारियों द्वारा सराहना की जा रही है।

केसीआर ने शहीदों को किया नमन

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रथम मुख्यमंत्री तथा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने 2 जून को मनाए जाने वाले तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य की जनता और दुनिया भर में रह रहे तेलंगाना मूल के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। एक संदेश में केसीआर ने तेलंगाना राज्य के गठन के लिए हुए आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने दशकों तक अन्याय और उपेक्षा का सामना किया, लेकिन लोकतांत्रिक संघर्ष और संसदीय प्रक्रिया के माध्यम से अलग राज्य का सपना साकार किया। केसीआर ने कहा कि संयुक्त राज्य व्यवस्था के दौरान भेदभाव और उपेक्षा का शिकार रहे तेलंगाना को स्वशासन के माध्यम से विकास और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाया गया। उन्होंने दावा किया कि राज्य गठन के बाद दस वर्षों में तेलंगाना ने कल्याण और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर देश में अपनी अलग पहचान बनाई।

उन्होंने कहा कि सिंचाई, पेयजल, बिजली, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में तेलंगाना की प्रगति आज पूरे देश के लिए एक आदर्श बन चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि बंजर और सूखा प्रभावित क्षेत्रों को सिंचित एवं समृद्ध कृषि क्षेत्र में बदलने का श्रेय बीआरएस सरकार को जाता है। केसीआर ने लोगों से आह्वान किया कि वे राज्य की पहचान और विकास को किसी भी प्रकार के खतरे से बचाने के लिए सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को पिछड़ेपन की ओर ले जाने वाली शक्तियों से राज्य की रक्षा करना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बीआरएस हमेशा तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए एक मजबूत ढाल की तरह खड़ी रहेगी। साथ ही उन्होंने वर्तमान सरकार से राज्य आंदोलन की भावना को बनाए रखते हुए जनता से किए गए वादों को ईमानदारी से पूरा करने और सभी वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में कार्य करने का आग्रह किया। केसीआर ने कहा कि किसानों के कल्याण और कृषि विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्थापना दिवस के अवसर पर उन्होंने कामना की कि तेलंगाना निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े तथा हरियाली, समृद्धि और खुशहाली से परिपूर्ण रहे। उन्होंने किसानों, मजदूरों और समाज के सभी वर्गों के लोगों के सुख, समृद्धि, दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की भी कामना की।

ग्राम संगठन सहायकों के आंदोलन को सबिता इंद्रा रेड्डी का समर्थन

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं बीआरएस विधायक सबिता इंद्रा रेड्डी ने ग्रामीण निर्धनता उन्मूलन संस्था के अंतर्गत कार्यरत ग्राम संगठन सहायकों के आंदोलन को समर्थन देते हुए उनकी लंबे समय से लंबित मांगों को तत्काल पूरा करने की मांग की है। सोमवार को महेश्वरम स्थित मंडल विकास अधिकारी कार्यालय के निकट आयोजित धरने में शामिल हुईं सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने ग्राम संगठन सहायकों का मानदेय बढ़ाकर आठ हजार रुपये किया था, लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार ने सत्ता संभालने के बाद उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

10 स्वर्ण समेत 19 पदक: दिखा भारतीय युवाओं का दम

प्रधानमंत्री मोदी ने एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स टीम को दी बधाई

सिंगापुर, 1 जून (एजेंसियां)। भारत ने 22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 19 पदक अपने नाम किए। भारतीय दल ने 10 स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। मेजबान चीन 25 पदकों और 14 स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि जापान 18 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन की देशभर में सराहना हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया पर भारतीय दल को बधाई दी।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा, '22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण सहित 19 पदक जीतने के लिए भारतीय दल को बधाई। यह शानदार प्रदर्शन हमारे युवा एथलीटों के दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता को दर्शाता है। मुझे उम्मीद है कि उनकी ये उपलब्धियां आने वाले वर्षों में और अधिक युवा भारतीयों को खेलों की ओर प्रेरित करेंगी।' प्रधानमंत्री के इस संदेश को भारतीय एथलेटिक्स के लिए बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

आखिरी दिन भारत ने जीते तीन स्वर्ण पदक

चैंपियनशिप के अंतिम दिन भारत ने तीन स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का शानदार समापन किया। सबसे यादगार प्रदर्शन महिलाओं की 4x400 मीटर रिले टीम ने किया। नीरू पाठक, भूमिका संजय नेहते, तहूरा खातून और सेहनूर बावा की चौकड़ी ने 3:38.07 सेकेंड का समय निकालते हुए नया चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक जीता। यह प्रदर्शन प्रतियोगिता के सबसे बड़े आकर्षणों में शामिल रहा। महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में मुस्कान ने 16:53.08 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं, वेंकटराम रेड्डी मोगली ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1:48.27 सेकेंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रिकॉर्ड भी बने, पदक भी आए

फील्ड इवेंट्स में निश्चय ने पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में 60.10 मीटर का थ्रो कर रजत पदक जीता। यह नया भारतीय अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। इसके साथ ही वह इस वर्ग में 60 मीटर की दूरी पार करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए।

महिलाओं की 4x100 मीटर रिले टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। काजल हीराभाई वाजा, भावना जी, आरती और निपम ने 45.05 सेकेंड का समय निकालकर भारत को दूसरा स्थान दिलाया।

भविष्य के सितारों ने दिखाई ताकत

इस चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने न सिर्फ पदक जीते, बल्कि कई राष्ट्रीय और चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी बनाए। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय एथलेटिक्स की नई पीढ़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री मोदी का संदेश भी इसी विश्वास को मजबूत करता है कि भारत के युवा खिलाड़ी आने वाले वर्षों में विश्व स्तर पर देश का नाम और ऊंचा करेंगे।

मुझे 40 मेहनती चाहिए, जो देश के लिए कुछ करें : भारत के कुश्ती कोच

लखनऊ, 1 जून (एजेंसियां)। 'हमारे खिलाड़ी शारीरिक रूप से बहुत मजबूत हैं, लेकिन वे तकनीकी रूप से पिछड़ जाते हैं। अमन जैसे बेहतरीन पहलवान भी जब मैच हारते हैं, तो वह विरोधी के बेहतर होने से नहीं, बल्कि अपनी तकनीकी गलतियों की कमी के कारण हारते हैं। मैं 4 कनेक्टिंग फ्लाइट बदलकर यहां आया। थक गया हूं। ऐसे ही खिलाड़ी भी थक जाते हैं।' यह कहना है भारतीय पुरुष की फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम के मुख्य कोच एमजारियोस बेंटिनिडिस (शाको) का। मुख्य कोच बनने के बाद शाको भारत लौटते तो 31 मई, लखनऊ में चल रहे एशियन गेम्स के ट्रायल में पहुंचे।

'यहां की यात्रा व्यवस्था पर कुश्ती संघ से बात करूंगा'

शाको ने लखनऊ में कैंप होने और यहां की यात्रा व्यवस्था पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा- मैं इस बारे में भारतीय कुश्ती संघ से बात करूंगा। मैं खुद जॉर्जिया से 17 घंटे की फ्लाइट और 4 कनेक्टिंग फ्लाइट्स बदलकर आया हूं। थक चुका हूं। एक पहलवान की भी ऊर्जा ऐसे यात्रा में खपेगी तो वह कैसे जीतेगा? इतनी लंबी और थकाऊ यात्रा करके प्रतियोगिता में जाएगा, तो वह जीतने की ऊर्जा कहां से लाएगा? दिल्ली से फ्लाइट्स कनेक्ट करना ज्यादा आसान है।

'देश के लिए जान लगाने वाले 40 एथलीट चाहिए'

शाको ने कहा- मेरे लिए अनुशासन से बढ़कर कुछ नहीं है। मुझे कैंप में 300 ऐसे एथलीट नहीं चाहिए जो गंभीर न हों। मुझे सिर्फ 40 ऐसे मेहनती पहलवान चाहिए जो देश के लिए कुछ करना चाहते हों। कुछ खिलाड़ी दूसरों को भी भटकाते हैं, वह सब अब मेरे रहते नहीं चलेगा। पहलवान खुद की गलतियों से हारते हैं, प्रतिभा की कमी नहीं है।

'ट्रेनिंग प्रोग्राम में बदलाव जरूरी'

हर वजन श्रेणी (जैसे 50 किलो या 55 किलो) के खिलाड़ी के लिए एक ही ट्रेनिंग प्रोग्राम नहीं हो सकता। हर खिलाड़ी की मानसिक और शारीरिक जरूरत के हिसाब से अलग ट्रेनिंग होगी। 74 किलो, 97 किलो और 125 किलो जैसी भारी वजन श्रेणियों में भारत के खराब प्रदर्शन पर कहा कि भूल जाइए कि हम भारी वजन में कमजोर हैं।

जब आप रोज-रोज कहेंगे कि हमें समस्या है, तो खिलाड़ी के दिमाग में डर बैठ जाता है। हम समस्या पर नहीं, सिर्फ जीतने और समाधान पर बात करेंगे।

'सुजीत के खेल में शानदार संतुलन'

शाको ने ओलंपिक पर कहा कि सुशील- बजरंग के बाद अब सुजीत कलकल की बारी है, लेकिन ओलंपिक अलग दुनिया है। 65 किलोग्राम वर्ग में देश के उभरते सितारे सुजीत की तारीफ करते हुए कहा कि सुजीत अद्भुत खिलाड़ी हैं। सुजीत में ताकत, तकनीक और डिफेंस का शानदार मिश्रण है। सुशील कुमार अपने समय के सर्वश्रेष्ठ पहलवान थे, वे दिल से बाघ थे। उनके बाद बजरंग आए और अब सुजीत हैं।

सुजीत अंडर-23 विश्व चैंपियन हैं, लेकिन ओलंपिक एक मनोवैज्ञानिक लड़ाई है। दुनिया में 6-6 बार के विश्व चैंपियन भी ओलंपिक में एक छोटी सी गलती वजन न घटाने के कारण पदक से चूक जाते हैं। इसलिए सुजीत को कदम-कदम पर मेरी गाइडेंस की जरूरत होगी।

बजरंग के पदक को भगवान का आशीर्वाद बताया

बजरंग पुनिया के साथ उनके सफर के अंत पर कोच शाको भावुक दिखे। उन्होंने कहा दुनिया का कोई ऐसा कोच या पहलवान यहां तक कि अब्दुलराशिद सादुलेव भी नहीं थे, जो 4 साल में कभी न हारा हो। कजाकिस्तान में बजरंग के साथ रेफरी ने बेइमानी की। ओलंपिक से ठीक पहले उन्हें बहुत गंभीर चोट लगी थी। बावजूद इसके हमें जो कांस्य पदक मिला, वह भगवान का भेजा हुआ आशीर्वाद था। इतिहास सिर्फ ओलंपिक पदक से बनता है और बजरंग ने वह बनाया।

बेंगलुरु को दोबारा चैंपियन बनाने वाले टॉप-5 फैक्टर

टीम में 8 मैच विनर; कोहली ने 675 रन बनाए, भुवनेश्वर ने 28 विकेट लिए

खेल डेस्क, 1 जून (एजेंसियां)। 18 साल तक ट्रॉफी का इंतजार, फिर लगातार दो खिताब। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल में अपनी कहानी ही बदल दी है। जिस टीम को कभी 'अंडरअचीवर' कहा जाता था, वही अब लगातार दूसरी बार चैंपियन बन गई है। उसने खेले गए फाइनल में गुजरात को 5 विकेट से हराकर आईपीएल 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। कप्तान रजत पाटीदार लगातार दो आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाले सिर्फ तीसरे कप्तान बने। उनसे पहले महेंद्र सिंह धोनी (2009, 2010) और रोहित शर्मा (2019, 2020) ही ऐसा कर पाए थे। आरसीबी की सफलता की सबसे बड़ी वजह यह रही कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। बल्लेबाजी में विराट कोहली, रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल ने रन बनाए। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार, रसिख सलाम और जोश हेजलवुड ने जिम्मेदारी संभाली। टीम के 8 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच भी बने।

आरसीबी के टाइटल जीतने के 5 फैक्टर्स...

टॉप ऑर्डर ने मिलकर दबाव नहीं बनने दिया

बेंगलुरु की बल्लेबाजी इस सीजन उसकी सबसे बड़ी ताकत रही। ओपनर विराट कोहली ने फाइनल में नाबाद 75 रन की पारी खेलकर टीम को चैंपियन बनाया। उन्होंने 16 मैचों में 675 रन बनाए। स्ट्राइक रेट 165.84 का रहा और एक शतक के साथ 5 अर्धशतक भी लगाए। कप्तान रजत पाटीदार ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने 15 मैचों में 501 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 192.69 का रहा। वहीं देवदत्त पडिक्कल ने 464 रन बनाकर टॉप ऑर्डर को और मजबूत किया। इन तीनों बल्लेबाजों ने मिलकर 1640 रन बनाए। वहीं वेंकटेश अय्यर ने 6 इनिंग में 209 रन बनाए। फाइनल में उन्होंने 16 बॉल पर 32 रन की पारी खेली।

भुवनेश्वर-हेजलवुड ने संभाली गेंदबाजी

आरसीबी की बॉलिंग यूनिट इस सीजन बेहद संतुलित नजर आई। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 16 मैचों में 28 विकेट लेकर टीम को लीड किया। रसिख सलाम ने 12 मैचों में 19 विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया। वहीं जोश हेजलवुड ने सिर्फ 13 मैच खेलकर 15 विकेट लिए। जैकब डफी ने भी 6 मैचों में 9 विकेट निकालकर योगदान दिया। स्पिन डिपार्टमेंट में क्रुणाल पंड्या ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 226 रन बनाने के साथ 14 विकेट भी लिए। वे टूर्नामेंट के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर साबित हुए। जब तेज गेंदबाज विकेट नहीं निकाल पाते थे, तब क्रुणाल और सुयश शर्मा जैसे स्पिनर बीच के ओवरों में रन रोककर मैच का रुख बदल देते थे। सुयश ने सीजन में 9 विकेट लिए। यही बैलेंस आरसीबी की गेंदबाजी को बाकी टीमों से अलग बनाता रहा।

अलग-अलग 8 मैच विनर

किसी भी चैंपियन टीम की पहचान उसके मैच विनर्स होते हैं और आरसीबी के पास उनकी कोई कमी नहीं थी। इस सीजन टीम के 8 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच बने। विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 3 बार यह अवॉर्ड जीता। जोश हेजलवुड 2 बार और टिम डेविड, जैकब डफी, वेंकटेश अय्यर, भुवनेश्वर कुमार, रजत पाटीदार और फिल सॉल्ट भी एक-एक बार प्लेयर ऑफ द मैच बने। यानी टीम की जीत सिर्फ कोहली या पाटीदार पर निर्भर नहीं रही। अलग-अलग मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी संभाली और टीम को जीत दिलाई। यही कारण रहा कि जब किसी एक खिलाड़ी का दिन खराब रहा, तब दूसरा खिलाड़ी टीम को जीत की मंजिल तक ले गया।

होमग्राउंड में 86% मैच जीते

आरसीबी ने इस सीजन अपने घरेलू मैदान को किला बना दिया। टीम ने होम ग्राउंड पर खेले 7 में से 6 मुकाबले जीते और जीत प्रतिशत 86 रहा। पिछले सीजन टीम को घर पर हुए 6 मैचों में 3 में हार मिली थी। 2 में जीत मिली वहीं एक मैच बेनतीजा रहा था। बेंगलुरु ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के अलावा रायपुर को भी अपने घरेलू मैदान के तौर पर इस्तेमाल किया और दोनों जगह शानदार प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि टीम पूरे सीजन कभी लगातार दो से ज्यादा मैच नहीं हारी। बेंगलुरु ने अपने घर में सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस जैसी मजबूत टीमों को हराया। घरेलू मैदान पर उसे सिर्फ दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार मिली।

कोहली के लगातार चौथे सीजन 600+ रन

विराट कोहली का शानदार फॉर्म आरसीबी की सफलता की सबसे बड़ी वजहों में शामिल रहा। उन्होंने लगातार चौथे सीजन 600 से ज्यादा रन बनाए। इससे भी खास बात यह रही कि पूरे सीजन टीम का ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदलता रहा, लेकिन कोहली के प्रदर्शन में कोई गिरावट नहीं आई। आरसीबी के ओपनर फिल सॉल्ट चोट के कारण सिर्फ 6 मैच ही खेल सके। इसके बाद टीम ने जैकब बेथेल को मौका दिया, लेकिन वे 7 मैचों में सिर्फ 96 रन ही बना पाए। लीग स्टेज के आखिरी मुकाबलों और प्लेऑफ में वेंकटेश अय्यर ने कोहली के साथ पारी की शुरुआत की। लगातार बदलते ओपनिंग पार्टनर्स के बावजूद कोहली ने अपनी लय बरकरार रखी। उन्होंने सीजन में टीम के लिए सबसे ज्यादा 675 रन बनाए। बड़े मैचों में उन्होंने पारी को संभाला, जबकि दूसरे बल्लेबाज अटैकिंग बैटिंग करते रहे। आरसीबी की इस खिताबी जीत ने साबित कर दिया कि IPL सिर्फ स्टार खिलाड़ियों के दम पर नहीं जीता जाता। मजबूत टीम कॉम्बिनेशन, कई मैच विनर्स, बैलेंस्ड बॉलिंग और बेहतरीन कप्तानी ही किसी टीम को चैंपियन बनाते हैं।

गुजरात आईपीएल टीम की बस में शॉर्ट सर्किट

प्लेयर्स और स्टाफ को बाहर निकाला गया, सभी सुरक्षित

अहमदाबाद, 1 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 फाइनल के बाद गुजरात टाइटंस की टीम बस शॉर्ट सर्किट हो गया। बस के अंदर धुआं फैलने लगा था। एहतियात के तौर पर सभी खिलाड़ियों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

कुछ देर इंतजार के बाद दूसरी बस की व्यवस्था की गई और सभी को होटल पहुंचाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

यह घटना रविवार देर रात हुई। जब टीम फाइनल खेलने के बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम से होटल जा रही थी। बाद में फ्रेंचाइजी ने दूसरी बस का इंतजाम कर सभी खिलाड़ियों को सुरक्षित होटल पहुंचाया।

हादसे से पहले गुजरात की टीम को फाइनल में बेंगलुरु के खिलाफ 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी। गुजरात ने दूसरा फाइनल मैच गंवाया है।

जबकि, बेंगलुरु की टीम दूसरी बार चैंपियन बनी है। विराट कोहली 75 रन पर नाबाद लौटे। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

जिला स्पोर्ट्स एरोबिक्स एवं फिटनेस चैम्पियनशिप का समापन

मेडचल, 1 जून (एजेंसियां)। मेड़चल–मलकाजगिरी जिला स्पोर्ट्स एरोबिक्स एवं फिटनेस एसोसिएशन के तत्वावधान में, स्पोर्ट्स एरोबिक्स एवं फिटनेस एसोसिएशन तेलंगाना का तथा ऑल इंडिया स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित प्रथम जिला चैम्पियनशिप सफलतापूर्वक संपन्न हुई। लगभग 70 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया और सिंगल्स तथा ग्रुप श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को पदक प्रदान किए गए और यह आयोजन जिले के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ।

मुख्य अतिथि एम.जी. दत्तात्रेय–महासचिव, ऑल इंडिया स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन मदन लाल–अध्यक्ष, स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन तेलंगाना राजा सिंह–महासचिव, स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन तेलंगाना जी. ब्रह्मानंद प्रसाद–महासचिव, रंगारेड्डी जिला स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन एम. वेंकट रेड्डी–संयुक्त सचिव, मेड़चल–मलकाजगिरी जिला स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन आर. बाबू–कोषाध्यक्ष, हैदराबाद जिला स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन ए. राजू–उपाध्यक्ष, मेड़चल–मलकाजगिरी जिला स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन चंद्रशेखर–महासचिव, मेड़चल–लकाजगिरी जिला स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन अक्षय सिंह–कोषाध्यक्ष, स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस एसोसिएशन। कोच-प्रेम शर्मा, ओम सिंह, राजू, निशांत, आशीष। यह चैम्पियनशिप तेलंगाना में स्पोर्ट्स एरोबिक्स और फिटनेस के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाती है। इसने युवा खिलाड़ियों को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कोस्त्युक पहली बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में

चार बार की चैंपियन स्वियातेक को हराया

पेरिस, 1 जून (एजेंसियां)। मार्टा कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और इस तरह से उनके जन्मदिन की पार्टी में रंग में भंग डाल दिया। कोस्त्युक ने इस सत्र में अभी तक क्ले कोर्ट पर कोई मैच नहीं गंवाया है। इससे पहले स्वियातेक के खिलाफ उन्हें तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा था। यहां तक की उन्होंने विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक सेट भी नहीं जीता था। अपना 25वां जन्मदिन मना रहीं स्वियातेक ने पहले सेट में अच्छी चुनौती पेश की, लेकिन इसके बाद कोस्त्युक हावी हो गई और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहीं। स्वियातेक ने 2024 में फ्रेंच ओपन जीता था लेकिन उसके बाद वह क्लेकोर्ट पर कोई खिताब नहीं जीत पाई। सत्र के अंत में संन्यास लेने की योजना बना रही रोमानियाई अनुभवी खिलाड़ी सोराना क्रिस्टिया ने चीन की क्वालीफायर वांग जियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर अपने दूसरे रोलां गैरां क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उन्होंने 17 साल बाद पहली बार अंतिम आठ में जगह बनाई।

नेपाल ने टी20 में दूसरी बार बनाया 300+ स्कोर

चीन को 221 रनों से हराया; कुशल ने ओवर में 6 छक्के लगाए

सिंगापुर, 1 जून (एजेंसियां)। नेपाल ने टी-20 क्रिकेट में दूसरी बार 300 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया है। टीम ने एशियन गेम्स के क्वालिफायर में चीन के खिलाफ यह कारनामा किया है। इस मुकाबले में नेपाल को 221 रन की जीत मिली।

सिंगापुर के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चीन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। नेपाल ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवरों में 2 विकेट पर 313 रन बनाए। जवाब में चीन 92 रन पर ऑलआउट हो गई। नेपाल की ओर से ओपनर कुशल भुर्तेल ने एक ओवर में लगातार 6 छक्के लगाने का कारनामा भी किया। वे प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

नेपाल ने अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। टीम ने सितंबर 2023 में एशियन गेम्स 2023 में मंगोलिया के खिलाफ 314/3 का स्कोर बनाया था।

नेपाल ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में 7वीं सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के नाम है। उसने 2024 में गाम्बिया को 290 रन से हराया था।

भुर्तेल ने एक ओवर में लगातार 6 छक्के जड़ने का कारनामा भी किया। उन्होंने 9वें ओवर में जोयू चेन की गेंद पर 6 छक्के लगाए। हालांकि, बीच में एक वाइड गेंद भी शामिल रही। उनके ओवर से कुल 37 रन आए।

कुशल ने 43 गेंदों में 300 के स्ट्राइक रेट से 129 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल का संयुक्त रूप से 5वां सबसे तेज शतक है। उन्होंने रोहित शर्मा की बराबरी की। रोहित शर्मा ने टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों पर शतक जड़ा था।

कुशल भुर्तेल ने इस पारी में 16 छक्के लगाए और एक टी-20 पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में वैभव सूर्यवंशी को पीछे छोड़ा। वैभव ने इंडिया ए के लिए खेलते हुए एशिया कप राइजिंग स्टार्स में 144 रन की पारी में 15 छक्के लगाए थे। भुर्तेल ने अभिषेक शर्मा के टी-20 इंटरनेशनल में 37 गेंदों पर शतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ा।

पीएसजी ने लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग खिताब जीता

सेलिब्रेशन में तोड़फोड़ और आगजनी, 416 लोग गिरफ्तार; 7 सुरक्षाकर्मी घायल

पुस्कास एरेना (हंगरी)), 1 जून (एजेंसियां)। चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) की जीत के सेलिब्रेशन ने भगदड़ का रूप ले लिया। रविवार तड़के फ्रांस के अलग-अलग शहरों में तोड़फोड़, आगजनी और हिंसा की कई घटनाएं हुईं। पुलिस ने 416 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। गृह मंत्रालय के अनुसार सबसे ज्यादा तनाव पेरिस में रहा, जहां 280 लोगों को हिरासत में लिया गया। झड़प में 7 पुलिसकर्मी घायल हुए। आंतरिक मामलों के मंत्री लॉरेंट नुनेज ने हिंसा की निंदा करते हुए स्थिति को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है।

बुडापेस्ट में खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में पीएसजी ने आर्सेनल को पेनाल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया। उसने लगातार दूसरी बार खिताब जीता। पीएसजी ने पिछले साल म्यूनिख में इंटर मिलान को 5-0 से हराया था। अब 1993 के बाद अपने टाइटल को डिफेंड करने वाला दुनिया का दूसरा क्लब बना। टूर्नामेंट के इतिहास में पीएसजी लगातार दो बार खिताब जीतने वाला 10वां क्लब बना।

चैंपियंस लीग के मॉर्डन एरा में रियल मैड्रिड ही अपना टाइटल डिफेंड करने में सफल रहा था। रियल मैड्रिड ने 2016 से 2018 के बीच तीन बार ट्रॉफी जीती थी। अब इस लिस्ट में पीएसजी का नाम भी जुड़ गया है। खिताब जीतने के बाद PSG के मैनेजर लुइस एनरिक भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर अभी मिक्स फीलिंग्स हैं। उत्साह भी है और थकान भी, सब कुछ एक साथ है। लेकिन यह इस पूरे सीजन का सबसे शानदार पल है। हम अभी भी चैंपियंस हैं, वो भी लगातार दो बार। यह वाकई अद्भुत और अविश्वसनीय है। पीएसजी की सफलता के पीछे टीम की बॉन्डिंग बड़ी वजह रही। आर्सेनल के खिलाफ फाइनल में 10 आउटफील्ड खिलाड़ी वही थे, जिन्होंने पिछले साल इंटर मिलान के खिलाफ खेला था।

योगराज सिंह की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक

महिलाओं पर टिप्पणी के आरोप में घिरे हैं युवराज सिंह के पिता

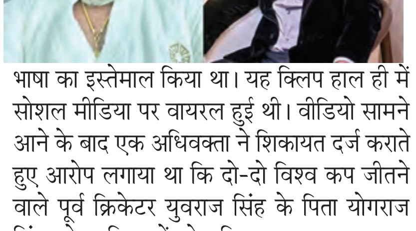

चंडीगढ़, 1 जून (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर और अभिनेता योगराज सिंह को महिलाओं के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मामले में बड़ी राहत मिली है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाते हुए उन्हें संरक्षण प्रदान किया।

अमेजन प्राइम की वेब सीरीज 'लुक्खे' के एक वायरल वीडियो क्लिप को लेकर दर्ज मामले में यह राहत मिली है। बार एंड बेंच की खबर के मुताबिक, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई नौ जुलाई 2026 के लिए तय की है।

न्यायमूर्ति कीर्ति सिंह की अदालत ने योगराज सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम राहत दी। योगराज सिंह पर आरोप है कि वेब सीरीज के एक वीडियो क्लिप में उन्होंने महिलाओं के प्रति कथित रूप से अपमानजनक और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। यह क्लिप हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। वीडियो सामने आने के बाद एक अधिवक्ता ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि दो-दो विश्व कप जीतने वाले पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की हैं।

शिकायत के आधार पर चंडीगढ़ पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 79 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67ए के तहत मामला दर्ज किया था।

मामला दर्ज होने के बाद योगराज सिंह ने गिरफ्तारी से संरक्षण की मांग करते हुए चंडीगढ़ की जिला अदालत का रुख किया था। हालांकि, 26 मई को सत्र न्यायाधीश एचएस ग्रेवाल ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

सत्र अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि वीडियो क्लिप में इस्तेमाल किए गए शब्द पहली नजर में परेशान करने वाले और महिलाओं के प्रति अपमानजनक प्रतीत होते हैं।

अदालत ने यह भी कहा था कि यह पता लगाना आवश्यक है कि संबंधित शब्दों का मूल लेखक कौन है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़, 11 आरोपी गिरफ्तार

लग्जरी कारें, लैपटॉप, मोबाइल फोन, पासपोर्ट और नकदी बरामद

अब तक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के खिलाफ 414 मामले दर्ज : चारु सिन्हा

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सीआईडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दफाबेट से जुड़े अंतरराज्यीय सट्टेबाजी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस मामले में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से लग्जरी कारें, लैपटॉप, मोबाइल फोन, पासपोर्ट और नकदी बरामद की गई है।

तेलंगाना सरकार ने ऑनलाइन सट्टेबाजी से होने वाले आर्थिक और मानसिक नुकसान को रोकने के लिए सीआईडी के महानिदेशक के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया था। एसआईटी ने करीमनगर के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता चल्ला साई कृष्णा रेड्डी ने बताया कि दफाबेट के प्रचार से प्रभावित होकर उन्होंने जनवरी 2024 से जनवरी 2025 के बीच ऑनलाइन सट्टेबाजी में हिस्सा लिया और कुल 9.95 लाख रुपये गंवा दिए। जांच के दौरान एसआईटी ने शिकायतकर्ता के पैसों का पता लगाते हुए 46 म्यूल बैंक खातों के नेटवर्क का खुलासा किया, जिनका उपयोग अवैध सट्टेबाजी से प्राप्त धन को एकत्रित और स्थानांतरित करने के लिए किया जा रहा था। बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, ई-मेल आईडी, सोशल मीडिया प्रोफाइल और व्हाट्सएप समूहों की फॉरेंसिक जांच से एक संगठित बहुराज्यीय आपराधिक नेटवर्क का पता चला। जांच में सामने आया कि आरोपी दफाबेट ऐप के माध्यम से क्रिकेट सट्टेबाजी, ऑनलाइन कैसीनो गेम और एविएटर गेम का प्रचार करते थे। लोगों को आसान कमाई, बोनस और अधिक मुनाफे का लालच देकर जाल में फंसाया जाता था। शुरुआत में कुछ भुगतान कर विश्वास जीतने के बाद उनसे बड़ी रकम लगवाई जाती थी।

महानिदेशक सीआईडी चारु सिन्हा ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए डीएसपी स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में छह विशेष टीमों को दिल्ली, गुजरात और पंजाब भेजा गया। लगातार दो सप्ताह तक निगरानी और अभियान चलाने के बाद 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में गुजरात, दिल्ली और पंजाब के निवासी शामिल हैं। इनमें सट्टेबाजी से प्राप्त धन को संभालने वाले संचालक, फर्जी कंपनियां बनाकर धन प्राप्त करने वाले लोग तथा तकनीकी सहायता देने वाले सदस्य शामिल हैं।

सीआईडी ने आरोपियों के पास से तीन लग्जरी वाहन (बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज और किया सेल्टोस), आठ लैपटॉप, दो आईपैड, 26 मोबाइल फोन, पांच पासपोर्ट और 3.21 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े 225 शिकायतें और 73 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इनमें आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना शामिल है। तेलंगाना पुलिस ने अब तक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के खिलाफ 414 मामले दर्ज किए हैं। 108 ऑनलाइन बेटिंग ऐप्स की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे गए, जिसके बाद उन्हें बंद किया गया। इसके अलावा 37 ऐप्स पर जियो-फेंसिंग लागू कर तेलंगाना में उनकी पहुंच सीमित की गई है।

पुलिस ने 25 फिल्मी हस्तियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी ऑनलाइन सट्टेबाजी के प्रचार से दूर रहने की सलाह दी है तथा राज्यभर में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। तेलंगाना पुलिस ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं और छात्रों से अपील की है कि वे किसी भी ऑनलाइन सट्टेबाजी या जुआ प्लेटफॉर्म में भाग न लें और न ही उनका प्रचार करें। ऐसे प्लेटफॉर्म आर्थिक नुकसान, साइबर धोखाधड़ी और कानूनी कार्रवाई का कारण बन सकते हैं। संदिग्ध ऑनलाइन सट्टेबाजी गतिविधियों की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को देने की सलाह दी गई है।

जनता को त्वरित और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के निर्देश

पुलिस आयुक्त ने की कीसरा पुलिस स्टेशन की समीक्षा

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरि पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने सोमवार को कीसरा पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, परिसर की स्वच्छता, रिकॉर्ड प्रबंधन, विभिन्न शाखाओं के संचालन तथा अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद पुलिस आयुक्त ने अपराध शाखा, रिसेप्शन तथा अन्य विभागों के कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियों की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को तकनीक का अधिक प्रभावी उपयोग कर जनता को त्वरित और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।पुलिस स्टेशन परिसर का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने वहां की स्वच्छता और हरित वातावरण पर संतोष व्यक्त किया।

इसके बाद उन्होंने विभागीय प्रभारियों और स्टेशन स्टाफ के साथ विशेष बैठक कर कर्तव्यों के निर्वहन में अधिक सक्रियता और दक्षता दिखाने पर जोर दिया।बैठक में तकनीकी ऐप्स के उपयोग, एनपीडीएस मामलों की जांच, मी सुरक्षा में जनभागीदारी बढ़ाने तथा सूचनाओं को नियमित रूप से अपडेट करने जैसे विषयों पर भी विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि जनता को सुरक्षित, पारदर्शी और प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर कीसरा के इंस्पेक्टर आंजनेयुलु, एसआई तथा अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

पेद्दापुर में इंदिरम्मा आवास निर्माण कार्यक्रम का शुभारंभ

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकर्नूल लोकसभा क्षेत्र के कल्वकुर्ती विधानसभा अंतर्गत वेलदंडा मंडल के पेद्दापुर गांव में इंदिरम्मा आवास निर्माण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नागरकर्नूल सांसद मल्ल रवि, कल्वकुर्ती विधायक काशी रेड्डी नारायन रेड्डी ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार पात्र लाभार्थियों के अपने घर के सपने को साकार करने के लिए आवास निर्माण योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है।

उन्होंने बताया कि गरीब परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना और ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास करना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। सांसद और विधायक ने कहा कि इंदिरम्मा आवास योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्थायी आवास उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। उन्होंने लाभार्थियों से योजना का पूरा लाभ उठाने और समय पर आवास निर्माण कार्य पूरा करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह को देखते हुए मलकाजगिरि ट्रैफिक पुलिस ने यातायात एडवाइजरी जारी की है। यह समारोह 2 जून को परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान परेड ग्राउंड और आसपास के क्षेत्रों में सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन लागू रहेंगे। इस दौरान कई प्रमुख सड़कों पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित रहेगी। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि बेगमपेट, संगीत जंक्शन, त्रिमलगिरी, बोइनपल्ली, टैंक बंड और सिकंदराबाद के बीच आवागमन करने वाले यात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि आयोजन के दौरान इन मार्गों पर भारी जाम की स्थिति बन सकती है।

यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे निजी वाहनों की बजाय मेट्रो रेल और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का अधिक उपयोग करें, ताकि भीड़भाड़ को कम किया जा सके। इसके साथ ही भारी वाहनों, आरटीसी बसों और निजी बसों को आयोजन स्थल की ओर जाने वाले मार्गों से दूर रहने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि यातायात व्यवस्था पर सीसीटीवी कैमरों और नियंत्रण कक्षों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया और एफएम रेडियो के जरिए रियल-टाइम ट्रैफिक अपडेट भी साझा किए जाएंगे। किसी भी आपात स्थिति या सहायता के लिए नागरिक ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर 8712662999 पर संपर्क कर सकते हैं।

आरटीसी बस से टकराई तेज रफ्तार कार, वाहन क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के रामंतापुर क्षेत्र में सोमवार तड़के एक तेज रफ्तार कार ने टीजीएसआरटीसी की बस के पीछे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में बस को भी नुकसान पहुंचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टीजीएसआरटीसी की बस उप्पल से मेहदीपटनम की ओर जा रही थी। दुर्घटना के समय बस रामंथपुर स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज बस स्टॉप पर यात्रियों को चढ़ाने और उतारने के लिए रुकी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर बस के पिछले हिस्से से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसका इंजन वाला भाग बस के पिछले हिस्से के नीचे जा फंसा। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

कार चालक की स्थिति के संबंध में तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिल सकी है। हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह गंभीर हादसे में बाल-बाल बच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुची और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हादसा तेज गति, चालक की लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुआ। मामले में आगे की जांच जारी है।

मानसून से पहले छावनी क्षेत्र में नालों की सफाई तेज

जलभराव रोकने की तैयारी

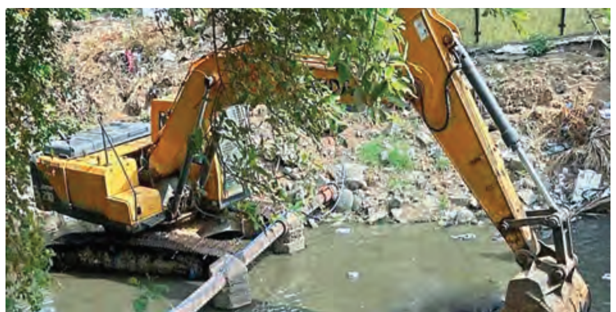

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के आगमन से पहले सिकंदराबाद छावनी बोर्ड (एससीबी) ने जलभराव और बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके तहत छावनी क्षेत्र की विभिन्न आवासीय कॉलोनियों में नालों की गाद निकालने और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का अभियान चलाया जा रहा है। एससीबी के स्वच्छता विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मानसून के दौरान बारिश का पानी तेजी से निकल सके, इसके लिए प्रमुख नालों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। खास तौर पर पटनी नाला और हस्मतपेट नाला के आसपास स्थित क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों नालों में गाद हटाने के लिए अर्थ मूवर मशीनें लगाई गई हैं और अगले कुछ सप्ताह में सफाई कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पटनी नाले में सफाई अभियान की शुरुआत रसूलपुरा क्षेत्र से की गई है, जहां पिछले वर्ष मानसून के दौरान पटनी हाउसिंग कॉलोनी, पैगाह कॉलोनी, विमान नगर और बीएचईएल कॉलोनी में भारी जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई थी।

यह नाला महेंद्र हिल्स, पूर्वी एवं पश्चिमी मारेडपल्ली, शेषाचलम कॉलोनी, पिकेट, बालमराई और जुबली बस स्टेशन क्षेत्र से होकर रसूलपुरा तक पहुंचता है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष नाले के मार्ग में बाधा बने अवैध निर्माणों को हटाया गया था, जिससे जल प्रवाह में सुधार हुआ है। इसके साथ ही नाले के किनारे सुरक्षा दीवार का भी निर्माण कराया गया है।

एससीबी अधिकारियों का दावा है कि सुरक्षा दीवार और गाद हटाने के कार्यों के चलते इस वर्ष प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ और जलभराव की आशंका काफी कम हो जाएगी। वहीं हस्मतपेट नाला क्षेत्र में भी सफाई कार्य जारी है। यह नाला ओल्ड बोवेनपल्ली, न्यू बोवेनपल्ली, अंजैया नगर, रॉयल एन्क्लेव, अमरावती कॉलोनी, एसएआईएल कॉलोनी, धनलक्ष्मी कॉलोनी, भावना कॉलोनी, चिन्ना थोकट्टा तथा ट्रिमुलघेरी के कुछ हिस्सों से होकर गुजरता है। पिछले वर्ष भारी बारिश के दौरान इन क्षेत्रों में न केवल बस्तियां जलमग्न हो गई थीं, बल्कि कई आंतरिक सड़कें भी पानी में डूब गई थीं।

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले बीआरएस कार्यकर्ता हिरासत में

कुमराम भीम आसिफाबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के जिले के दौरे से पहले सोमवार को कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के विभिन्न हिस्सों में एहतियाती कार्रवाई के तहत बीआरएस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने बीआरएस कार्यकर्ताओं को आसिफाबाद, सिरपुर (टी), कौतला, रेब्बेना, वांकिडी, कागजनगर, बेज्जूर, दाहेगांव सहित कई क्षेत्रों से हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस थानों में रखा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.